राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 रोहित के खराब फार्म पर उठे सवाल...

हम दोस्त को मुश्किल वक्त में अकेला नहीं छोड़ते, यही रुस और अमेरिका ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 236 | नई दिल्ली, बुधवार, 11 दिसंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहा पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी का सपना साकार : मुख्यमंत्री डॉ यादव

- प्रदेश को नदी जोड़ो परियोजना में केन्द्र से मिली दो बड़ी सौगात, मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में मीडिया प्रतिनिधियों को दी जानकारी

प्रात : किरण/ एजेंसी

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश को नदी जोड़ो अभियान अंतर्गत दो बड़ी परियोजनाएं दी है। इंसमें बुंदेलखण्ड क्षेत्र की केन-बेतवा वृहद परियोजना और पार्वती- कालीसिंध-चंबल परियोजना है। इन दोनों परियोजनाओं से मध्य प्रदेश के साथ उत्तरप्रदेश और राजस्थान भी लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही केन-बेतवा परियोजना का भूमि-पूजन प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किया जाएगा। केन-बेतवा परियोजना से मध्य प्रदेश के बुंदेलखण्ड क्षेत्र में वृहद स्तर पर सिंचाई होगी। साथ ही पेयजल भी उपलब्ध होगा।

इससे पूरे क्षेत्र में समृद्धि आएगी। गत दो दशकों से लंबित पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना का हल निकालकर प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य प्रदेश के 10 और राजस्थान के 13 जिलों को अनूठी सौगात दी है। साथ ही भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की नदी जोड़ो परियोजना के स्वप्न को साकार किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को नई दिल्ली में मीडिया प्रतिनिधियों से मध्य प्रदेश में 11 दिसम्बर से शुरू हो रहे मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान और जनकल्याण पर्व में संचालित होने वाली गतिविधियों और राज्य सरकार एक वर्ष के कार्यकाल में हुए जनहित एवं विकास के कार्यों को साझा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों और नवाचारों के माध्यम से नागरिकों का कल्याण सुनिश्चित कर रही है। प्रदेश में शुरू किये जा रहे जन कल्याण अभियान और पर्व के दौरान नगरों और ग्रामों में 18 हजार करोड़ से अधिक लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन, शासकीय योजनाओं से वंचित रहे पात्र नागरिकों को लाभान्वित करने के साथ आमजन से जुड़ी 63 शासकीय सेवाओं से संबंधित समस्याओं का शिविर लगाकर मौके पर निराकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में ओंकारेश्वर में फ्लोटिंग सोलर पॉवर प्लांट स्थापित किया गया है। यह देश में अनोखा है। नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्य प्रदेश अलग पहचान बना रहा है। इसके साथ ही कई आईटी पार्क युवाओं को रोजगार दे रहे हैं। मध्य प्रदेश की खनिज संपदा, जल संपदा का उपयोग कर समृद्धि की संभावनाएं साकार कर रहा है।

मौसम

अधिकतम तापमान 36°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	71,105
चांदी	81,500
संसेक्स	78,886
निफ्टी	24,117

साइबर अपराध, जलवायु परिवर्तन मानवाधिकार के लिए हैं नये खतरे: राष्ट्रपति

प्रात : किरण/ एजेंसी

भोपाल, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि अब तक मानवाधिकारों पर विमर्श मानव पर केंद्रित रहा है क्योंकि उल्लंघनकर्ता को मानव माना जाता है लेकिन कृत्रिम मेधा (एआई) के हमारे जीवन में प्रवेश करने के साथ, अपराधी कोई गैर-मानव लेकिन एक बुद्धिमान एजेंट हो सकता है। मानवाधिकार दिवस पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि साइबर अपराध एवं जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरे हैं। मानवाधिकार दिवस हर वर्ष 10 दिसंबर को मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिसे 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाया और घोषित किया गया था। यूडीएचआर मानव अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक वैश्विक मानक के रूप में कार्य

करता है। मुर्मू ने कहा, जब हम भविष्य की तरफ बढ़ रहे हैं तो हमारे सामने नई उभरती चुनौतियां पेश हो रही हैं। साइबर अपराध, जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग परिवर्तनकारी तो है लेकिन इसके साथ साइबर अपराध, डीप फेक, गोपनीयता की चिंता और गलत सूचना का प्रसार जैसे जटिल मुद्दे भी सामने आए हैं। उन्होंने कहा, इन चुनौतियों से एक ऐसे सुरक्षित एवं समान डिजिटल माहौल की महत्ता रेखांकित होती है जो सभी के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करे। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में एआई और मानव जीवन पर उसके प्रभाव के पहलू पर भी बात की। उन्होंने कहा, कृत्रिम मेधा अब हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में कदम रख चुकी है और वह कई समस्याओं का समाधान कर रही है लेकिन कई नई समस्याएं खड़ी भी कर रही है। उन्होंने कहा कि अब तक मानवाधिकारों पर विमर्श मानव एजेंसी पर केंद्रित रहा है क्योंकि उल्लंघनकर्ता को मानव माना जाता है जिसमें करूणा, अपराध बोध जैसी विविध मानवीय संवेदनाए होती हैं। मुर्मू ने कहा कि लेकिन एआई के आने से, ह्यअपराधी कोई गैर-मानव लेकिन एक बुद्धिमान एजेंट हो सकता है। उन्होंने कहा, मैं यह विषय आपके विचारार्थ छोड़ती हूं। राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का मामला भी हमें वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों की सोच पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करता है।

संक्षिप्त खबरें

तत्परता और संवेदनशीलता से हो जनता की समस्याओं का समाधान: सीएम योगी

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद मंगलवार सुबह जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की। सीएम ने लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान जल्द किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक-एक करके सभी की समस्याएं सुनीं।

महत्वपूर्ण खबर

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार कहा- रोजगार पर ध्यान क्यों नहीं है कब तक मुफ्त में राशन बांटोगे

नई दिल्ली। रोजगार के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जमकर फटकार लगाई। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने यहां तक कह दिया कि मुफ्त में राशन बांटना कोई समाधान नहीं है। बेहतर होगा की श्रमिकों और युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के विकल्प खोजे जाएं। मुफ्त की रेवडियों से किसी का भला होने वाला नहीं है। सीधे तौर पर प्रवासी मजदूरों से जुड़े एक मामले में वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि ई-श्रमिक पोर्टल पर पंजीकृत मजदूरों को मुफ्त राशन मिलना चाहिए।

आज देश तेजी से आगे बढ़ रहा है : केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 30-40 साल पहले 30 फीसद के अंदर ही शहरीकरण था। अब यह 70 फीसद क्रॉस कर गया है। पिछले 10 साल हमारे लिए महत्वपूर्ण रहे। हमने बहुत काम किया। पिछले 10 सालों में हमने 2014 से 2024 तक बहुत कुछ हासिल किया है। अब इस कार्यकाल में 6 महीने हो गए हैं।

महाराष्ट्र 'बेस्ट' बस दुर्घटना: मृतक संख्या बढ़कर सात हुई, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

प्रात : किरण/ एजेंसी

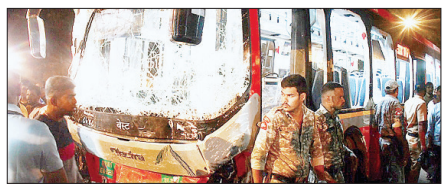

मुंबई। मुंबई में बेस्ट बस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकारी पता लगा रहे हैं कि क्या पट्टे पर लिए गए वाहन में कोई तकनीकी खामी थी। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे कुर्ला (पश्चिम) में एसजी बर्वे मार्ग पर हुई इस दुर्घटना में घायल हुए अन्य 42 लोगों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि बस चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया जिसके बाद बस ने पैदल यात्रियों और कुछ वाहनों को टक्कर मार दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को इस घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक संदेश में फडणवीस ने मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि घायलों के चिकित्सा पर खर्च को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन (बेस्ट) उपक्रम द्वारा वहन किया जाएगा।

काले रंगे के झोले के साथ विपक्षी दलों ने संसद परिसर में किया प्रदर्शन

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने अदाणी समूह से जुड़े मुद्दे पर मंगलवार को काले रंगे के झोले लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कुछ अन्य दलों के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्र होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए और जवाबदेही तय किए जाने की मांग की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। विपक्षी सदस्यों ने ह्यमोदी अदाणी एक हैं और प्रधानमंत्री सदन में आओ, प्रधानमंत्री जवाब दो के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने काले रंग के झोले ले रखे थे उन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उद्योगपति गौतम अदाणी की तस्वीर थी तथा मोदी अदाणी भाई भाई लिखा हुआ था। तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी इस विरोध प्रदर्शन से दूर रहीं। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि इंडिया गठबंधन बिखर गया है।

हालांकि सपा के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव का कहना है कि गठबंधन में सबकुछ ठीक है। विरोध प्रदर्शन से पहले राहुल गांधी ने लोकसभा के कांग्रेस सदस्यों के साथ बैठक कर संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र की रणनीति पर चर्चा की। रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोपों में अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी और कंपनी के अन्य अधिकारियों पर अमेरिकी अभियोजकों द्वारा अभियोग लगाए जाने के बाद कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दल संयुक्त संसदीय समिति से आरोपों की जांच कराए जाने की मांग कर रहे हैं।

दिग्गज राजनेता एसएम कृष्णा का निधन

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक और भारत के सबसे प्रतिष्ठित राजनेताओं में से एक और पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा का मंगलवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आधुनिक बेंगलुरु के वास्तुकार माने जाने वाले कृष्णा ने कुछ समय तक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझने के बाद आज सुबह 2:45 बजे अपने आवास पर अंतिम सांस ली। भारतीय राजनीति में एक महान व्यक्तित्व, कृष्णा का शानदार करियर दशकों तक रहा, जो ऐतिहासिक उपलब्धियों और शासन के लिए एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को चिह्नित करता है। उनका जन्म

एत मई, 1932 को मांड्या जिले के सोमनहल्ली गांव में हुआ। उन्होंने 1962 में मद्दूर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले एक स्वतंत्र विधायक के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

स्थिरता विश्वास विकास

भारतीय रिज़र्व बैंक
जनता को सोशल मीडिया पर
प्रसारित शीर्ष प्रबंधन द्वारा
वित्तीय सलाह देने वाले फर्जी
(डीपफेक) वीडियो
के प्रति सतर्क करता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक के संज्ञान में यह आया है कि सोशल मीडिया पर गवर्नर के फर्जी वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें रिज़र्व बैंक द्वारा कतिपय निवेश योजनाओं को शुरू करने या उनको समर्थन प्रदान करने का दावा किया गया है। इन वीडियो में लोगों को तकनीकी उपकरणों के माध्यम से ऐसी योजनाओं में अपना पैसा निवेश करने की सलाह देने का प्रयास किया गया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक यह स्पष्ट करता है कि उसके अधिकारी ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं हैं और न ही उनका समर्थन करते हैं तथा ये वीडियो फर्जी हैं। रिज़र्व बैंक वित्तीय निवेश संबंधी ऐसी कोई सलाह नहीं देता है।

अतएव, जन सामान्य को सोशल मीडिया पर प्रसारित ऐसे फर्जी (डीपफेक) वीडियो और उनका शिकार होने से बचने के लिए सतर्क किया जाता है।

आरबीआई वेबसाइट पर जाने के लिए यहां स्कैन करें।

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

संक्षिप्त समाचार

272 ग्राम चरस के साथ एक गिरफ्तार

रूड़की, एजेंसी। थाना लक्ष्मणझूला क्षेत्र में संचालित एक कैफे से नशे का कारोबार करने वाले संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कैफे की तलाशी लेने पर बड़ी मात्रा में चरस बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। थाना लक्ष्मणझूला प्रभारी निरीक्षक रवि सैनी ने बताया कि सात दिसंबर को तपस्या कैफे में चरस होने की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तलाशी की। जांच के दौरान कैफे संचालक अमर विश्वास, निवासी रानी मंदिर, लक्ष्मणझूला के पास से करीब 272 ग्राम चरस बरामद हुई। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह नशे का आदी है। मोटी कमाई करने की फिराक में वह पर्यटकों को चरस बेच रहा था।

सड़क हादसे में मौत के मामले में केस दर्ज

ऋषिकेश, एजेंसी। हरिद्वार हाईवे पर माजरी ग्रांट में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत मामले में परिजनों ने मुकदमा दर्ज कराया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद गुसांई ने बताया कि सावित्री देवी निवासी माजरी ग्रांट ने तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि दो दिसंबर को उनके पति मदनलाल खैरा ढाबे के निकट अपने संबंधी के घर जा रहे थे। इस दौरान एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। पीड़िता पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

राजस्थान में बलिदान हुआ कर्णप्रयाग का जवान, पैतृक घाट पर नम आंखों से की अंत्येष्टि

चमोली, एजेंसी। नायक संदीप कुमार की बीते छह दिसंबर को ट्रेनिंग के दौरान अचानक तबीयत खराब हो गई थी। उनके बलिदान होने की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। राजस्थान के जैसलमेर में ट्रेनिंग के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से उत्तराखंड के कर्णप्रयाग निवासी जवान ने बलिदान दे दिया। बलिदानी नायक संदीप कुमार का पार्थिव शरीर आज उनके घर कर्णप्रयाग लाया गया। यहां सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। बता दें कि नायक संदीप कुमार की बीते छह दिसंबर को ट्रेनिंग के दौरान अचानक तबीयत खराब हो गई थी। उनके बलिदान होने की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। आज उनका पार्थिव शरीर विकासखंड कर्णप्रयाग के झूरकंडे उनके घर लाया गया। सूबेदार दिगपाल प्रसाद ने बताया कि घर पर बलिदानी के अंतिम दर्शन परिवार को कराने के बाद पैतृक घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बलिदानी को अंतिम विदाई देने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

पिस्टल के साथ दो आरोपित गिरफ्तार, पुलिस ने उनके मंसूबे किए फेल

हरिद्वार, एजेंसी। झबरेड़ा थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान दो आरोपितों को पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपित पूर्व में डकैती, गैंगस्टर और हत्या के मामलों में जेल जा चुके हैं। दरअसल, झबरेड़ा थाना पुलिस को सूचना मिली कि दो संदिग्ध व्यक्ति झबरेड़ा क्षेत्र में घूम रहे हैं। पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया और शशांक निवासी ग्राम रूहालकी दयालपुर और शुभम निवासी ग्राम खानपुर भगवानपुर को रोका। तलाशी लेने पर आरोपितों के पास से एक-एक देशी पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में पता चला कि ये आरोपित किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे, लेकिन पुलिस की तत्परता के कारण वे अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके। शशांक उर्फ झोझा पर जनपद के विभिन्न थानों में डकैती, गैंगस्टर और हत्या के छह मामले दर्ज हैं। जबकि शुभम के खिलाफ उत्तर प्रदेश के थाना गागल हेड़ी जनपद सहारनपुर में एक आपराधिक मामला दर्ज है। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

नैनीताल-औली समेत उत्तराखंड के इन जगहों पर जबरदस्त बर्फबारी, 12 जिलों में शीतलहर की चेतावनी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में रविवार दोपहर से मौसम ने करवट ली। जिसके बाद बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री धामों के अलावा, हर्षिल, हेमकुंड साहिब, औली के साथ कुमाऊं मंडल में मुनस्यारी, बागेश्वर, नैनीताल की ऊंची चोटियों व रानीखेत-मुक्तेश्वर में हिमपात हुआ।

सोमवार को टिहरी और मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। यहां दोपहर को भी ठिछुरन रही। मौसम विभाग ने मंगलवार को 12 जनपदों में शीत लहर चलने का यलो अलर्ट जारी किया गया है। पर्वतीय क्षेत्र में बर्फबारी होने से मैदान में तापमान एकाएक गिर गया है। सोमवार को अधिकतम तापमान में सात और न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई।

रविवार रात को दून के कुछ हिस्सों में करीब आधा घंटे वर्षा हुई, जबकि दून विवि, आइएसबीटी, कारगी चौक, पटेलनगर आदि क्षेत्रों में केवल बूंदाबांदी ही हुई। दून का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस से कम 21.1 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस रहा। पंतनगर का अधिकतम तापमान सामान्य से एक कम 23.1 व न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस कम 8.0 व न्यूनतम तापमान सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस कम -1.5 डिग्री सेल्सियस रहा। टिहरी का अधिकतम तापमान सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस कम 10.5 डिग्री व न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 1.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि मंगलवार को देहरादून, टिहरी, पौड़ी, उत्तरकाशी, चमोली, नैनीताल, अल्मोड़ा, चंपावत, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर में कहीं-कहीं शीत लहर चलने की संभावना है। इसे देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया मंगलवार को दून का मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन शीत लहर चलने से ठंड में इजाफा हो सकता है। पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी होने से मैदानी क्षेत्रों में इसका असर देखा जा रहा है।

दिसंबर के दूसरे पखवाड़े की शुरुआत शीतकालीन हिमपात के साथ हुई है। लंबे समय से बर्फ का इंतजार कर रही चोटियां सोमवार सुबह सफेद हो गईं। गढ़वाल के चारधाम के अलावा हर्षिल, गोरसों, औली, हेमकुंड साहिब के अलावा कुमाऊं के पिथौरागढ़, बागेश्वर, नैनीताल की ऊंची चोटियों के साथ ही मुनस्यारी और मुक्तेश्वर में हिमपात हुआ है।

मुनस्यारी के उच्च हिमालय क्षेत्र में रात से ही हिमपात जारी है। थल-मुनस्यारी मार्ग पर कालामुनि, बिटलीधार, पातलथौड़, बलाती, खलिया के साथ ही नंदादेवी से लेकर लिपुलेख व नंदाकोट, त्रिशूल, राजरंभा, पंचाचूली, हंसलिंग, सिदमधार, आदि कैलास, ओम पर्वत में सुबह बर्फ नजर आई। पिथौरागढ़ जिले के निचले क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी शुरू हो चुकी है।

बर्फबारी से माइनस में तापमान, जमने लगा नलों में पानी

उत्तरकाशी/बड़कोट, एजेंसी। प्रदेश में मौसम ने करवट बदल ली और चारों धामों में सीजन की पहली बर्फबारी हुई। चारधाम समेत प्रदेश के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी और मैदानी जिलों में बारिश और हवाओं ने एकदम से पारा गिरा दिया, जिससे ठंड में काफी इजाफा हो गया।

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम सहित हर्षिल घाटी में सोमवार को दूसरे दिन भी हल्की बर्फबारी हुई, जिससे तापमान माइनस में पहुंचने से यहां नलों में पानी जमने लग गया है। उधर, सुदूरवर्ती विकासखंड मोरी स्थित केदारकांठा ट्रेक के बेस कैंप सांकरी पहुंचे गुजरात के पर्यटकों के चेहरे बर्फबारी देखकर खिल उठे।

बताया, उन्होंने जीवन में पहली बार बर्फ देखी है। रविवार को बदले मौसम के मिजाज के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी शुरू हुई। सोमवार को दूसरे दिन भी हवा के साथ ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फ गिरी। हर्षिल घाटी के सुक्की गांव निवासी काश्तकार मोहन सिंह राणा ने बताया, बर्फबारी से तापमान रात के समय माइनस चार से पांच डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। इससे नलों में पानी भी जमने लगा है।

बर्फबारी के कारण सर्द हवाएं चलने से कड़ाके की ठंड हो रही है। उन्होंने बर्फबारी को सेब के पेड़ों सहित अन्य फसलों के लिए संजीवनी बताया।

उधर, मोरी के केदारकांठा ट्रेक के बेस कैंप सांकरी गांव में पर्यटन व्यवसायी चैन सिंह राणा ने बताया, केदारकांठा ट्रेक पर ट्रैकिंग के लिए गुजरात से पर्यटकों का दल पहुंचा है। इनमें से कई ने पहली बार बर्फ गिरते हुए देखी।

उधर, यमुनोत्री धाम में बर्फबारी से गरुड़ गंगा के पास निर्माणाधीन हेलिपैड का काम प्रभावित हो गया है। यमुनोत्री मंदिर के

आधे-अधूरे मरम्मत कार्य पर भी बर्फबारी का असर पड़ा है।

यमुना के मायके खरसाली गांव से आशुतोष उनियाल ने बताया, यमुनोत्री धाम सहित आसपास खरसाली गांव सहित जानकीचट्टी, नारायणपुरी, फूलचट्टी में भी रुक-रुककर बर्फबारी हो रही है।

बारिश-बर्फबारी के बाद प्रदेश में शीत लहर ठिठुरन बढ़ाएगी। प्रदेशभर में आज येलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में हुई बारिश-बर्फबारी के बाद मंगलवार को शीत लहर ठिठुरन बढ़ाएगी। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से प्रदेशभर के सभी जिलों में शीतलहर का येलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, मौसम साफ रहेगा। दो दिन हुई बारिश-बर्फबारी के बाद भले ही 10 दिसंबर से मौसम प्रदेशभर में साफ हो जाएगा, लेकिन शीतलहर, कोहरा और पाला पहाड़ से लेकर मैदान तक खूब परेशान करेगा। सोमवार के तापमान की बात करें तो बारिश और बर्फबारी से दून का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम के साथ 21.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सीजन का सबसे कम तापमान है, जबकि रात का न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री के साथ सामान्य रहा। केंद्र की ओर जारी पूर्वानुमान के अनुसार, मंगलवार को दून का अधिकतम तापमान 23 और न्यूनतम छह डिग्री रहने के आसार हैं।

25 हजार का इनामी वाहन चोर गैंग का आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। वाहन चोरी के मामले में एक साल से फरार चल रहे वाहन चोर गैंग के सदस्य 25 हजार के इनामी आरोपी को रानीपुर पुलिस और कुमाऊं एसटीएफ की टीम ने यूपी से गिरफ्तार किया है। आरोपी को हरिद्वार लाने के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। गैंग लीडर सहित तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

सोमवार को पत्रकारों को जानकारी देते हुए एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि फरवरी में रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव राजपुर से असलम पुत्र असगर की बुलेरो पिकअप चोरी हो गई थी। इस मामले में मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ शुरू कर दी थी। घटना का खुलासा करते हुए आरोपी अब्दुल कादिर निवासी मोहल्ला झौजियान पुरकाजी जिला मुजफ्फर नगर यूपी, गुलशान निवासी ग्राम हर्रा थाना सरूरपुर, मेरठ यूपी हाल निवासी दुर्गा कॉलोनी परीक्षितगढ़, मेरठ और अर्शलान उर्फ अर्श निवासी गांव गढ़ गढमीरपुर रानीपुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। चोरी का वाहन भी बरामद कर लिया था। गैंग का एक सदस्य फिरोज निवासी ककरोली जिला मुजफ्फरनगर यूपी फरार चल रहा था। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने आरोपी पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था।

हरिद्वार में सजी सुरों की शाम, वार्षिकोत्सव में प्रतिभाओं ने बिखेरा हुनर का जलवा

हरिद्वार, एजेंसी। मधुरिमा संगीत समिति हरिद्वार की ओर से त्रिपुरा मंदिर सभागार में आयोजित दो दिवसीय गायन, वादन, नृ और संगीत प्रतियोगिता में 110 प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन समिति के 32वें वार्षिक उत्सव के रूप में किया गया, जिसमें सभी आयु वर्गों के लिए प्रतियोगिताएं रखी गईं।समिति की अध्यक्ष श्वेता पटेल ने बताया कि कार्यक्रम में सात ग्रुप डांस, पांच ग्रुप सॉन्ग, और कई सोलो प्रस्तुतियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक प्रसिद्ध संगीतज्ञ राजीव लोचन भट्ट, सुनील मुखर्जी और निखिल घोष थे। प्रतिभागियों ने फिल्मी गीत, सुगम संगीत, क्लासिकल संगीत के साथ-साथ हारमोनियम, तबला, पखावज और गिटार वादन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। विशेष रूप से संतोष नामदेव की पखावज प्रस्तुति को खूब सराहना मिली। त्रिपुरा मंदिर के परमाध्यक्ष स्वामी संत मुनि ने कहा कि ऐसे आयोजनों से देवभूमि के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और कला को निखारने का बेहतरीन अवसर मिलता है। उन्होंने समिति की अध्यक्ष श्वेता पटेल और सचिव करुणा चौहान को सफल आयोजन की बधाई दी। समिति की सचिव करुणा चौहान ने बताया कि इस आयोजन के पीछे टीम का कठोर परिश्रम और समर्पण रहा। उन्होंने प्रतिभागियों को भविष्य में और भी ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन विजेताओं को संतों की उपस्थिति में पुरस्कार प्रदान कर किया गया। इस आयोजन ने हरिद्वार के सांस्कृतिक और संगीत प्रेमियों के बीच एक अमिट छाप छोड़ी।

सुमित ने दिव्यांशु को सरप्राइज देने के लिए बुलाया था, मिली लाश, पूछताछ में चौकाने वाला खुलासा

हल्द्वानी, एजेंसी। दिव्यांशु की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में पुलिस की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। वहीं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदे से लटकने के कारण मौत होना सामने आया है। यह आत्महत्या की ओर इशारा करना है।

दिव्यांशु की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में पुलिस की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के मुताबिक दिव्यांशु और सुमित यादव एक दूसरे के बिना नहीं रह सकते थे। उधर सूत्रों के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदे से लटकने के कारण मौत होना सामने आया है। यह आत्महत्या की ओर इशारा करना है।

दौलिया डी क्लास हल्दूचौड़ निवासी दिव्यांशु (20) की लाश सात दिसंबर को एफटीआई के जंगल में लटकी मिली थी। इस मामले में अलकनंदा कॉलोनी सांई मंदिर तल्ली हल्द्वानी निवासी दोस्त सुमित यादव के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। महात्मा गांधी इंटर कॉलेज के छात्र रहे सुमित यादव ने 12वीं में फेल होने पर पढ़ाई छोड़ दी थी। उसके पिता मंडी में ठेला लगाते हैं।

सुमित ने पुलिस की ओर से की गई पूछताछ में बताया कि किसी वजह से दिव्यांशु से उसकी दोस्ती टूट गई थी। इसी वजह से दोनों में तकरार हो गई। नौबत यहां तक पहुंच कि सुमित ने दिव्यांशु का फोन उठाना और मेसेज का जवाब देना भी बंद कर दिया। हालांकि जब दोनों में गहरी दोस्ती थी तो वे एफटीआई के जंगल में मिलते थे। सात सितंबर को दिव्यांशु जंगल में पहुंचा, जहां वे पहले मिला करते थे। दिव्यांशु ने जंगल से सुमित को फोन किया और कहा कि उसके लिए जंगल में एक सरप्राइज है। पुरानी मिलने वाली जगह के पास आ जा।

सुमित ने बताया कि जब वह जंगल में पहुंचा तो पेड़ से दिव्यांशु की लाश लटक रही थी। दिव्यांशु ने फंदा बनाने के लिए उस लाल टी-शर्ट का इस्तेमाल किया।

तराई में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, बूंदाबांदी के आसार

रुद्रपुर, एजेंसी। तराई में हल्के पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बूंदाबांदी के आसार बन रहे हैं। मौसम में बदलाव के बाद से कोहरा और शीतलहर की संभावना प्रबल हो गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक बीते दो वर्षों से अक्तूबर और नवंबर का महीना सूखा जा रहा है। आम तौर पर नवंबर में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होता है और तराई में पांच से 10 मिमी बारिश होती है। इधर दो वर्षों में मौसम का बदलाव ऐसा रहा कि अक्तूबर और नवंबर में बारिश नहीं हुई।

मौसम में आए बदलाव का असर रबी सीजन पर भी पड़ रहा है। खेतों की नमी तेजी से उड़ रही है। इससे खेतों की भराई में जहां ज्यादा समय लग रहा है।

लोहियाहेड पावर हाउस में तीन सप्ताह बाद बिजली उत्पादन शुरू

खटीमा, एजेंसी। तीन सप्ताह से भी अधिक समय से बंद शारदा नहर में बनबसा बैराज से पानी छोड़ दिया है। शारदा नहर में करीब साढ़े तीन हजार क्यूसेक पानी उपलब्ध होने से करीब 13 मेगावाट बिजली उत्पादन शुरू हो गया है। शारदा नहर में पानी कम उपलब्ध होने के कारण अभी सिर्फ एक ही टरबाइन मशीन शुरू की गई है।

उत्तर प्रदेश क्षेत्र में शारदा नहर के मरम्मत कार्य के चलते नवंबर के दूसरे सप्ताह से बनबसा बैराज से पानी बंद कर दिया गया था। पहले 30 नवंबर तक शारदा नहर में पानी की आपूर्ति को बंद किया जाना था लेकिन तय समय तक नहर की मरम्मत का कार्य पूरा न होने से तिथि को आगे बढ़ा दिया गया। इसके चलते कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाले झनकईया मेले में भी श्रद्धालुओं को गंगा स्नान के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल सका था। नहर में पानी नहीं होने के कारण 41.4 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता वाले लोहियाहेड पावर हाउस में तीन सप्ताह से भी अधिक समय से बिजली का उत्पादन ठप रहा। तीनों टरबाइन मशीनें बंद होने के कारण पीलीभीत और सितारगंज ग्रिड से बिजली ली जा रही थी।

रोडवेज बस से लालकुआं के व्यवसायी का सामान चोरी

लालकुआं, एजेंसी। विवाह समारोह से लौट रहे लालकुआं के होटल व्यवसायी का सामान से बस चोरी हो गया। पीड़ित के अनुसार सामान के साथ करीब चार लाख के जेवर भी चोर ले गए हैं। पीड़ित ने पडरौना कोतवाली में तहरीर सौंपी है।कोतवाली पडरौना में दी गई तहरीर में प्रकाश कुमार ने कहा कि वे अपने परिवार के साथ अपने जन्म स्थान साकिन जंगल सिसवा थाना कुबेर जिला कुशीनगर (यूपी) में एक शादी में आए थे। चार दिसंबर को परिवार समेत पडरौना बस स्टेशन से रोडवेज बस (यूपी 52 बीटी 5387) से लालकुआं आ रहे रहे थे। आरोप है कि कसया-पडरौना के बीच उनका समान और रुपये चोरी हो गए। कसया बस स्टेशन पर सामान और रुपये चोरी होने की जानकारी मिली तो ड्राइवर और कंडक्टर को घटना की सूचना दी। पीड़ित ने कहा कि कोतवाली पुलिस ने अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की है, जिस पर उन्होंने सीएम पोर्टल पर शिकायत की है। अब पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

मूलचंद फ्लाईओवर के पास मोटरसाइकिल दुर्घटना में दो लोग घायल

नई दिल्ली, । दक्षिणी दिल्ली में मूलचंद फ्लाईओवर के पास सोमवार देर रात एक मोटरसाइकिल के सड़क किनारे लगे खंभे से टकरा जाने से उस पर सवार दो व्यक्ति घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शिवम और गोविंद, विवाह समारोहों में वेटर का काम करते हैं और उनके मेडिकल परीक्षण के अनुसार, दुर्घटना के समय वे शराब के नशे में थे। रात करीब दो बजे डिफेंस कॉलोनी पुलिस थाने को इस घटना की सूचना मिली। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ह्यह्ययह दुर्घटना उस समय हुई जब तेज गति से आ रही मोटरसाइकिल सड़क किनारे लगे खंभे से टकरा गई। घायलों की पहचान शिवम (29) पुत्र सहदेव और गोविंद (27) के रूप में हुई है। उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया ह्वह्व पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि शिवम और गोविंद दोनों ही विवाह समारोहों में वेटर का काम करते हैं। पुलिस ने कहा कि उनकी मेडिकल जांच से दुर्घटना के समय उनके शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई है।

अभी तक की जांच में 3800 में से 1800 मतदाता जीवित और अपने पते पर रहते पाए गए हैं : संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने भाजपा के वोट काट घोटाले को लेकर मंगलवार को एक नया खुलासा किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने भाजपा के इस साजिश का खुलासा करते हुए कहा कि शाहदरा के अलावा आरके पुरम विधानसभा में भी भाजपा ने 3800 से ज्यादा मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से काटने के लिए आवेदन किया है। अब तक की जांच में पता चला है कि इन 3800 में से 1800 मतदाता जीवित हैं और अपने पते पर ही रह रहे हैं। ह्लआपह्व जिन बूथों पर हमेशा जीतती आई है, सबसे ज्यादा वही के वोट काटने के लिए आवेदन किया गया है। भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर बेईमानी का सहारा लेकर आम आदमी पार्टी से दिल्ली का चुनाव लड़ना चाहती है। कई विधानसभाओं में आप समर्थकों के वोट गलत तरीके से कटवाकर भाजपा ने यह बता दिया है कि वह चुनाव हार चुकी है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में पार्टी की नेता रीना गुप्ता और पूर्व पार्षद धीरज टोकस के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता की। संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कुछ दिन पहले विस्तार से इस बारे में बताया था कि किस तरह से बड़े पैमाने पर जो लोग मौजूद हैं, मतदाता हैं, उनके वोट कटवाए जा रहे हैं। मई के महीने में लोकसभा का चुनाव हुआ था, उसके बाद 28 अक्टूबर को विधानसभाओं की एक ह्यसमरी रिवीजनह्व की सूची सामने आई। इसमें मतदाताओं के नाम की सूची आई। नवंबर में जब जानकारी सामने आई कि कितने लोगों के वोट कटवाने के लिए आवेदन डाले गए हैं तो लोगों के होश उड़ गए। दिल्ली के आरके पुरम विधानसभा से आम आदमी पार्टी की मौजूदा विधायक प्रमिला टोकस ने जब देखा कि 3800 वोट कटवाने का आवेदन पड़ा है, तो आम आदमी पार्टी के सारे कार्यकर्ता यह जानने में लग गए कि आखिर वे कौन लोग हैं जिनका नाम कटवाया जा रहा है। इसके बाद पता चला कि 1800 लोग अपनी जगह पर मौजूद हैं। वे आज से नहीं बल्कि कई वर्षों से उसी जगह पर रह रहे हैं। वे मतदाता हैं और उनका नाम कटवाने का आवेदन दिया गया है। संजय सिंह ने आगे कहा कि अभी तक 3800 में से 1800 लोगों की पड़ताल हो चुकी है और यह 1800 लोग कह रहे हैं कि उनका आवेदन किसने डाल दिया? कहां से पड़ गया, जबकि ये लोग तो अपनी जगह पर मौजूद हैं। यहां के मतदाता हैं। फिर भी उनका नाम काटने के लिए किसने आवेदन डाला है? इसका मतलब है कि भारत का निर्वाचन आयोग, प्रधानमंत्री मोदी और पूरी भाजपा चुनाव घोटाला करके लोगों के नाम कटवाकर आम आदमी पार्टी से चुनाव लड़ना चाहती है। लेकिन देश और दिल्ली के सामने हम इस बात का खुलासा करेंगे। संजय सिंह ने कहा कि आरके पुरम से आम आदमी पार्टी की विधायक प्रमिला टोकस के पति धीरज टोकस, जो वहां से पार्षद रह चुके हैं, उन्होंने जब कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर उन 1800 लोगों की पहचान की, तो लोगों ने बताया कि वे आरके पुरम विधानसभा के मतदाता हैं और कई वर्षों से उसी स्थान पर रह रहे हैं। तो फिर ये वोट कौन कटवा रहा है? इसका मतलब भाजपा चुनाव से पहले ही हार मान चुकी है। इसका मतलब ये लोग चुनाव से पहले ही मैदान छोड़कर भागने की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि इन्हें तो हार दिख रही है, बल्कि हर विधानसभा में इनको एक्सपोज करेंगे। इसके बाद जब पड़ताल की गई कि वे 3800 लोग कौन हैं, जिनका नाम कटवाया गया, तो वे बूथ मिले जहां से आम आदमी पार्टी चुनाव जीतती है। इसमें बूथ नंबर 100, 98, 19, 20, 21, 22, 23 शामिल हैं जहां से आम आदमी पार्टी चुनाव जीतती आ रही है। यहां से लोगों ने नाम कटवाए जा रहे हैं। इनका खेल खुला है। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी भी है और सबसे बेईमान पार्टी भी है। चुनाव का फ्रॉड करने वाली पार्टी भी है। चुनाव का घोटाला करने वाली पार्टी भी है और हारा हुआ चुनाव देखकर महाराष्ट्र और हरियाणा का प्रयोग दिल्ली में करना चाहते हैं। यहां मतदाताओं के नाम लिस्ट से कटवाकर अपने लोगों के नाम जुड़वाकर फर्जी वोट डलवाना चाहते हैं। लेकिन आम आदमी पार्टी, अरविंद केजरीवाल जैसे नेता के नेतृत्व वाली पार्टी है। यहां हम इनका यह खेल नहीं चलने देंगे।

बच्चों के विकास में अहम कड़ी है डीयूडब्ल्यूए (डुआ) का प्ले स्कूल: प्रो. योगेश सिंह

● दिल्ली यूनिवर्सिटी वुमन्स एसोसिएशन का डायमंड जुबली समारोह आयोजित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली यूनिवर्सिटी वुमन्स एसोसिएशन का डायमंड जुबली समारोह मंगलवार को धूमधाम से आयोजित हुआ। छात्र मार्ग स्थित दिल्ली विश्वविद्यालय के डीयूडब्ल्यूए (डुआ) परिसर में आयोजित इस समारोह में डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति ने अपने उद्घाटन संबोधन में डीयूडब्ल्यूए (डुआ) के 60 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए कहा कि इस संस्था की स्थापना बहुत ही अच्छे भाव से और अच्छे मन से हुई, इसलिए अच्छे-अच्छे काम किए जा रहे हैं। प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि डीयूडब्ल्यूए (डुआ) द्वारा चलाया जा रहा प्ले स्कूल बहुत ही सराहनीय कदम है। यह स्कूल बच्चों के विकास में अहम कड़ी का काम करता है। कुलपति ने कहा कि आज शिक्षा में अच्छे मन बनाने पर काम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 5-7 साल के छोटे बच्चों के मन बनाने पर न घर में काम होता है और न स्कूलों में। यही कारण है कि जब 20-22 साल की उम्र में वह बच्चा व्यावहारिक जीवन में उतरता है तो उसे दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। शिक्षकों को इस पर काम करना चाहिए। शिक्षकों को गहराई और समझदारी की अपेक्षा की जाती है। कुलपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के नारे का उदाहरण देते हुए कहा कि ये वाक्य छोटा है पर इसका प्रभाव बहुत ज्यादा है। बेटियों से ही समाज का विकास होता है। प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय ने भी बेटियों के लिए सम्मान प्रकट करते हुए प्रत्येक कक्षा में सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए एक-एक सीट का आरक्षण किया है। कुलपति ने आश्वासन दिया कि बेटियों के लिए डुआ अगर कोई कार्य करना चाहता है तो दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से हरसंभव मदद दी जाएगी। इस अवसर पर डुआ प्ले स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों ने मुंशी प्रेमचंद की कहानी ह्यईदगाहह्व के एक हिस्से पर आधारित ह्यहामिद का चिमटाह्व नामक स्कीट की प्रस्तुत देकर सबका मन मोह लिया। इसके साथ ही डुआ से जुड़ी महिलाओं ने भी अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह के आरंभ में डीयूडब्ल्यूए (डुआ) अध्यक्ष प्रो. गीता सहारे ने कुलपति एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के समापन पर डीयूडब्ल्यूए (डुआ) सचिव डॉ. रितुश्री कुकरेती ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डुआ से जुड़ी अनेकों महिलाएं एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मनीष सिसोदिया ने किलोकरी के अंगूरी देवी मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ कर जंगपुरा विधानसभा में किया चुनाव प्रचार का आगाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को किलोकरी स्थित अंगूरी देवी मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ कर जंगपुरा विधानसभा में चुनाव प्रचार का आगाज किया। इस दौरान उन्होंने बजरंग बली से प्रार्थना की कि हर समय हमारे दिल में इंसानियत की ज्योति जलती रहे। हम जहां भी रहें, जो भी करें, सब ईश्वर के स्मरण के साथ ही करें। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि ये लोग जब वोट मांगने जाते हैं तो जनता केजरीवाल के बनाए शानदार स्कूल और बिजली के जीरो बिल दिखाकर कहती है कि हम आपको क्यों वोट दें? साथ ही, यह भी पूछती हैं कि दिल्ली में कानून व्यवस्था इतनी खराब क्यों है, हर तरह दहशत का माहौल क्यों है? तो उनके पास कोई जवाब नहीं होता है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मीडिया से बातचीत में कहा कि एक शिक्षा मंत्री और उप-मुख्यमंत्री के तौर पर पूरी दिल्ली का प्यार मुझे मिला है। अरविंद केजरीवाल को पूरी दिल्ली का प्यार मिला है। चुनाव कहां से लड़ते हैं, यह मायने नहीं रखता है। मैं जब पटपड़गंज से विधायक और दिल्ली का उपमुख्यमंत्री था, तब भी जंगपुरा के लिए खूब काम किया। जंगपुरा में जितने स्कूल बने, मैंने खुद खड़े होकर बनवाए। आज जंगपुरा के लोग मुझे विधायक के रूप में चुनेंगे फिर भी पूरी दिल्ली के लिए काम होगा और पूरी दिल्ली के लिए ही काम होना है। उसमें कोई फर्क नहीं पड़ता है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा वाले बेचारे फंस गए हैं। वो जनता के पास वोट मांगने जाते हैं, जनता कहती है कि अरविंद केजरीवाल ने हमारे लिए इतने स्कूल बनवाए। लोग उन्हें अपने बच्चों के वीडियो दिखाते हैं कि देखो हमारे बच्चे इतने बढ़िया स्कूल में पढ़ रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने हमारे बच्चों के लिए इतने बढ़िया स्कूल बनवा दिए हैं। फिर लोग उन्हें बिजली के जीतो बिल दिखाते हैं कि देखो हमारे बिजली के बिल जीरो आ रहे हैं तो हम आपको क्यों वोट दें। तो ये अरविंद केजरीवाल का घर दिखाने लगते हैं। अरविंद केजरीवाल के घर पर थोड़ी ना चुनाव हो रहा है। स्कूल, अस्पताल का चुनाव है। यह बताओ कि तुमने गुजरात में क्या किया? गुजरात में 24 घंटे बिजली क्यों नहीं आ रही है? यह बताओ कि हरियाणा में सरकारी स्कूल ठीक क्यों नहीं हुए? यह बताओ कि उत्तर प्रदेश में इतना झंझट क्यों चल रहा है? यह बताओ कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की इतनी खराब स्थिति क्यों है? बच्चे स्कूल जाते हैं तो अभिभावक डर रहे हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित लौटेगा या नहीं। व्यापारी डर रहे हैं। हर गली मोहल्ले में घूमते हुए लोग डर रहे हैं कि पता नहीं कहां से कोई गुंडा आएगा और गोली चला देगा। लोग इस बात से डर रहे हैं। इनका जवाब भाजपा वालों के पास नहीं है। जनता पूछती है कि कानून-व्यवस्था इतनी खराब क्यों है? वो कहते हैं कि केजरीवाल के पास बंगला क्यों है? मनीष सिसोदिया ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जंगपुरा विधानसभा से चुनाव प्रचार का आगाजङ्गबजरंगबली महाराज के चरणों में हनुमान चालीसा के पाठ के साथ। ह्लजय जय हनुमान गोसाई, कृपा करहु गुरुदेव की नाई ह्व हे हनुमान जी महाराज, आपके चरणों में यही विनती है कि हम जो भी करें, उसमें आप गुरु की भांति हम पर कृपा बनाए रखें। हर समय हमारे दिल में इंसानियत की ज्योति जलती रहे। हम जहां भी रहें, जो भी करें, सब ईश्वर के स्मरण के साथ ही करें। ऐसी कृपा हम पर सदैव बनाए रखें

धोखाधड़ी के मामले में दिल्ली की अदालत ने अभिनेता धर्मेंद्र को तलब किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली की एक अदालत ने गरम धरम ढाबा फ्रेंचाइजी से संबंधित धोखाधड़ी के एक मामले में फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र और दो अन्य को तलब किया है। शिकायतकर्ता के वकील ने यह जानकारी दी। वकील डी डी पांडे ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट यशदीप चहल ने दिल्ली के व्यवसायी सुशील कुमार की शिकायत पर 89 वर्षीय इन अभिनेता के खिलाफ यह आदेश पारित किया। सुशील कुमार ने आरोप लगाया था कि उन्हें फ्रेंचाइजी में निवेश का प्रलोभन दिया गया था। न्यायाधीश ने पांच दिसंबर को पारित आदेश में कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य प्रथम द्दष्टया संकेत देते हैं कि आरोपी व्यक्तियों ने अपनी साझा मंशा के तहत शिकायतकर्ता को निवेश के लिए प्रेरित किया। अदालत ने कहा कि साक्ष्यों से धोखाधड़ी के अपराध का खुलासा होता है। न्यायाधीश ने कहा कि प्रथम द्दष्टया यह धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र का मामला प्रतीत होता है। न्यायाधीश ने आरोपियों को 20 फरवरी को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद दस्तावेज गरम धरम ढाबा से संबंधित हैं और आशय पत्र पर उक्त रेस्तरां का ह्यलोगोह्व भी लगा हुआ है। अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट है कि पक्षों के बीच लेन-देन गरम धरम ढाबा से संबंधित है और आरोपी धरम सिंह देओल (धर्मेंद्र) की ओर से सह-आरोपी द्वारा यह लेन-देन किया जा रहा था। शिकायत के अनुसार, अप्रैल 2018 में सह-आरोपी ने धरम सिंह देओल (धर्मेंद्र) की ओर से उनसे संपर्क किया था और उत्तर प्रदेश में एनएच-24/एनएच-9 पर गरम धरम ढाबा की फ्रेंचाइजी खोलने का प्रस्ताव दिया था। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसने सितंबर 2018 में 17.70 लाख रुपये की राशि का चेक सौंपा। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इसके बाद आरोपी ने उन्हें जवाब देना बंद कर दिया।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार के खिलाफ उच्चायोग के निकट प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में मंगलवार को नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्च आयोग के निकट तीन मूर्ति चौक पर बड़ी संख्या में दिल्ली सिविल सोसाइटी तथा 200 से अधिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के बैनर तले आक्रोश प्रदर्शन किया गया। इस दौरान समाज के कई प्रतिष्ठित संतों और ख्याति प्राप्त हस्तियों, पूर्व पुलिस एवं सैन्य अधिकारियों ने भारत सरकार से हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की और बांग्लादेश को इस मुद्दे पर चेताया। इस दौरान विरोध प्रदर्शन में साध्वी ऋतंभरा, पूर्व पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव, बांग्लादेश में पूर्व उच्चायुक्त वीना सीकरी, पत्रकार अशोक चव्हाणके, पश्चिम बंगाल के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय और और विभिन्न मत पंथ संप्रदायों के साधु-संतों ने भाग लिया। विरोध मार्च में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे, जिन्होंने ह्यहिन्दुओं का नरसंहार बंद करोह्व, ह्यनहीं सहेंगे अब अत्याचार बांग्लादेश कर ले विचारह्व जैसे नारे लगाए। वहां मौजूद लोगों ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग तथा एमनेस्टी इंटरनेशनल से भी हिंदुओं पर हो रहे हैं अत्याचारों पर मौन धारण करने पर सवाल खड़े किए। विभिन्न संस्थाओं के बैनर तले हजारों की संख्या में लोग त्रिमूर्ति चौक पर एकत्र हुए। इस अवसर पर साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि गृह युद्ध की स्थिति होने पर सबसे ज्यादा मार साधु-संतों और महिलाओं को झेलनी पड़ती है। बांग्लादेश में साधु-संतों जैसे चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी महाराज को जेल में डाला जा रहा है। महिलाओं को सामूहिक बलात्कार जैसी घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इस दौरान मानवाधिकार के लिए काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि छोटे-छोटे विषयों को उठाने वाली यह संस्थाएं आज हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चुप क्यों हैं। इस दौरान बौद्ध संत भंते राहुल ने बांग्लादेश में बौद्ध संतों और समाज पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया। राज्यसभा सांसद एवं कोलकाता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने इस दौरान कहा कि बांग्लादेश में अप्रत्याशित ढंग से हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है और वह बांग्लादेश के कट्टरपंथियों को इस संदर्भ में चेतावनी देते हैं। बांग्लादेश में भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीना सीकरी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के लिए कट्टरपंथियों को दोषी ठहरना ही काफी नहीं होगा। बांग्लादेश सरकार को चला रहे मोहम्मद यूनुस को भी जिम्मेदारी उठानी होगी। केवल कट्टरपंथियों को दोषी ठहराने से बांग्लादेश सरकार अपनी जिम्मदारी से नहीं भाग सकती।

आप प्रमुख केजरीवाल को जल्द ही सरकारी आवास आवंटित किया जाएगा : खट्टर

नई दिल्ली,। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल को जल्द ही सरकारी आवास आवंटित किया जाएगा क्योंकि एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रमुख होने के नाते वे इसके हकदार हैं। संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में खट्टर ने कहा कि एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष होने के नाते केजरीवाल टाइप-7 बंगले के हकदार हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि फिलहाल कोई भी टाइप-7 बंगला खाली नहीं है। खट्टर ने कहा, फिलहाल हमारे पास केवल टाइप-5 और टाइप-6 बंगले उपलब्ध हैं, लेकिन टाइप-7 बंगला उपलब्ध नहीं है। उपलब्ध होते ही केजरीवाल को टाइप-7 बंगला आवंटित कर दिया जाएगा। आम आदमी पार्टी (आप) केजरीवाल के लिए केंद्रीय आवास की मांग कर रही है। उसका कहना है कि एक राष्ट्रीय पार्टी के संयोजक होने के नाते केजरीवाल इसके हकदार हैं। पार्टी ने हाल ही में केंद्रीय आवास मंत्रालय को एक पत्र भेजकर इस मांग को दोहराया है। सितंबर में दिल्ली के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने वाले केजरीवाल अक्टूबर में आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल के 5 फिरोजशाह रोड स्थित आधिकारिक आवास में चले गए थे।

निर्वाचन आयोग की भाजपा के साथ मिलीभगत: आप का आरोप

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलीभगतका आरोप लगाया और दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूचियों से मतदाताओं के नाम हटाए जाने के अपनी पार्टी के दावे को दोहराया। राज्यसभा सदस्य सिंह ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आरके पुरम विधानसभा में 3,800 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का आवेदन किया गया है और ये नाम उन बूथ से संबंधित हैं जहां आम आदमी पार्टी चुनाव जीतती रही है। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पार्टी के अन्य नेता आरोप लगा रहे हैं कि अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। सिंह ने कहा, ह्यह्यहमें पता चला कि आरके पुरम विधानसभा क्षेत्र में 3,800 मतदाताओं के नाम हटाने के लिए आवेदन किया गया है। जब हमारे कार्यकताओं और स्थानीय विधायक ने इन मतदाताओं का सत्यापन किया, तो पाया कि उनमें से 1,800 अभी उसी स्थान पर रह रहे हैं और पात्र मतदाता हैं। उन्होंने कहा, आवेदन में जिन मतदाताओं के नाम हैं, वे उन बूथ से संबंधित हैं जहां आप पहले जीतती रही है। पिछले सप्ताह केजरीवाल ने दावा किया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने शाहदरा निर्वाचन क्षेत्र में 11,000 से अधिक मतदाताओं के नाम हटाने के लिए दिल्ली में निर्वाचन आयोग में आवेदन दायर किया है। सिंह ने भारत निर्वाचन आयोग पर भाजपा के साथ मिलीभगतह्व का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त से अनुरोध किया कि आवेदन में जिन मतदाताओं के नाम हैं, उनसे जाकर मिलें और पता लगाएं कि वे पात्र मतदाता हैं

दिल्ली : विरोध मार्च के मद्देनजर बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली,। पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों को कथित तौर पर निशाना बनाये जाने के खिलाफ मंगलवार को नागरिक समाज के सदस्यों के प्रस्तावित विरोध मार्च के मद्देनजर यहां बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत, उत्तर रेलवे, निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा करते हैं।

1	निविदा संख्या	274889
2	कार्य का नाम और कार्य स्थान	"किसी भी स्थान से किसी भी स्थान तक रेलवे सामग्री का परिवहन"
3	अनुमानित लागत	रुपये 1,62,08,615/- जीएसटी @ 18% सहित
4	बयाना राशि	रु. 2,31,100/-
5	निविदा फार्म का मूल्य	शून्य
6	कार्य अवधि	अवधि कार्य आरंभ होने से बारह महीने
7	निविदा प्रपत्र जमा करने की तथा खुलने की तिथि व समय	दिनाक 31.12.2024 खुलने का समय 15:00 बजे।
8	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साईट पर उपलब्ध है जो कि है **www.ireps.gov.in**
9	यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।	

पत्र सं. : 274889 दिनांक: 10.12.2024 3789/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दिल्ली चुनाव को लेकर केजरीवाल की पहली गारंटी, सरकार बनने पर हर ऑटोवाले का करेंगे 10 लाख का लाइफ और 5 लाख का एक्सीडेंट इंश्योरेंस

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगवार को अपनी पहली गारंटी दी। यह गारंटी उन्होंने दिल्ली के सभी ऑटो चालकों को दी है। इसके अंतर्गत उन्होंने पांच वादे किए, जिन्हें फरवरी में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सरकार बनने के बाद हर ऑटोवाले का 10 लाख का लाइफ और 5 लाख का एक्सीडेंट इंश्योरेंस किया जाएगा। ऑटोवाले को बेटी की शादी करने के लिए एक लाख रुपए, वर्दी के लिए साल में दो बार 2500 रुपए दिए जाएंगे और बच्चों की प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग का खर्च हमारी सरकार उठाएगी। साथ ही, ऑटोवालों की मांग पर ह्लपूछो एपह्व को दोबारा चालू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहला चुनाव जिताने में ऑटोवालों ने बहुत सहयोग दिया था। मुझे यकीन है कि इस बार भी अपनी हर सवारी से आम आदमी पार्टी को वोट देने के लिए तैयार करेंगे। दरअसल, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपनी धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ न्यू कोंडली निवासी ऑटो चालक नवनीत सिंह के घर खाना खाने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने नवनीत सिंह के परिवार के साथ बैठकर खाना खाया और दिल्ली के सभी ऑटो चालकों के कल्याण के लिए अपनी पहली गारंटी दी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के ऑटोवालों के साथ मेरा बहुत पुराना रिश्ता है। मुझे आज भी याद है, 2013 में हमारी नई-नई पार्टी बनी थी। उस वक्त दिल्ली में कांग्रेस की सरकार थी। दिल्ली में ऑटोवालों को लोग दुत्कारा करते थे कि मीटर से नहीं चलते हैं, बद्तमीजी करते हैं, लूटते हैं। सबसे पहले मुझे याद है कि मैंने दिल्ली के रामलीला मैदान में ऑटोवालों की एक बहुत बड़ी सभा की थी। मैं उस सभा में देश का पहला पॉलिटिशयन था, जब मैं ऑटोवालों के समर्थन में खड़ा हुआ था। मैंने कहा था कि अगर ऑटोवाले लूटते हैं, डाका डालते हैं, तो यह तो अपनी बड़ी-बड़ी कोठियां बना लेते। यह लोग सिस्टम के पीड़ित हैं। मैंने कहा था कि अगर हमारी सरकार बनी तो हम इन लोगों के लिए सिस्टम ठीक करेंगे। मुझे बेहद खुशी है कि हमारी सरकार बनने के बाद हमने कई कदम उठाए। डिम्स, सिम की फीस माफ की। कई तरह के अलग-अलग ट्रायल होते थे, उन्हें बंद किया। बहुत सारे कदम उठाए। पांच नंबर वाले तंग करते थे, वो खत्म हो हुआ। पुलिस तंग करती थी, वो खत्म हुआ। इनके बच्चों के लिए स्कूल बनाए, मोहल्ला क्लिनिक बनाए। बिजली फ्री की। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि सोमवार को मैंने अपने घर पर ऑटो वाले भाइयों को चाय पर आमंत्रित किया था। उसमें नवनीत भी आए थे। इन्होंने मुझे कहा था कि आप हमारे घर खाने पर आइए। तो आज मैं इनके घर खाने पर आया। नवनीत की धर्मपत्नी ने बहुत ही स्वादिष्ट खाना खिलाया। मैं इन दोनों का बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। आज मैं कह सकता हूं कि मैंने ऑटो वालों का नमक खाया है। इस नमक का कर्ज उतारना मेरा फर्ज है। इसलिए आज मैं दिल्ली के ऑटो वालों के लिए पांच बड़े ऐलान करना चाहता हूं। फरवरी में जब हमारी दोबारा सरकारी बनेगी, तो यह पांच चीजें लागू की जाएंगी। अरविंद केजरीवाल ने ऑटो वालों को पहली गारंटी देते हुए कहा कि ऑटो वाले बहुत गरीब हैं। जब ये बेटी की शादी करते हैं, तो इन्हें तकलीफ होती है। अगर किसी भी ऑटो वाले की बेटी की शादी होगी तो सरकार की तरफ से उनकी बेटी की शादी के लिए 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। दूसरा, सरकार ने कहा है कि ऑटोवालों को वर्दी पहनना अनिवार्य है। एक ऑटो वाले के लिए अपनी कमाई में से वर्दी बनाना मुश्किल हो जाता है। तो साल में दो बार, होली और दीपावली पर वर्दी बनवाने के लिए ढाई-ढाई हजार रुपए हर ऑटोवाले को दिए जाएंगे। तीसरा, हर ऑटोवाले का 10-10 लाख रुपए का लाइफ इंश्योरेंस और 5-5 लाख रुपए का एक्सीडेंटल इंश्योरेंस करवाया जाएगा। चौथी गारंटी है कि हम चाहते हैं कि ऑटोवालों के बच्चे बड़े होकर आगे बढ़ें। आईएएस, आईपीएस, वकील, डॉक्टर बनें। तो अगर इनके बच्चों को किसी भी प्रतिस्पर्धी परीक्षा के लिए कोचिंग की जरूरत है तो उस कोचिंग की फीस सरकार देगी। ताकि इनके बच्चे आगे बढ़ें। पांचवीं गारंटी पूछो एप की है। ऑटोवालों की डिमांड है कि पूछो एप को दोबारा चालू किया जाए, तो इस एप को दोबारा चालू किया जाएगा। यह पांच ऐलान मैं सभी ऑटोवाले भाइयों के लिए करना चाहता हूं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे याद है कि हमें पहला चुनाव जीताने में ऑटो वालों ने बहुत सहयोग किया था। मुझे इस बार भी पूरा यकीन है कि दिल्ली के सारे ऑटोवाले हर सवारी से बात करेंगे। एक ऑटोवाला दिन में 10-15 सवारियों को बैठाता है। तो ऑटोवाला 10-15 लोगों को कंविंस कर सकता है कि आम आदमी पार्टी अच्छी पार्टी है, उसे वोट दीजिए।

कृष्ण पाल गुर्जर ने छतरपुर में शुरू किया बीजेपी का नया अभियान, दिल्ली सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर एक नया अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत पार्टी ने दिल्ली के सभी कार्यकर्ताओं के घर पर पार्टी के झंडे, नेम प्लेट, गले में पटका और आई कार्ड वितरित करने की योजना बनाई है। यह अभियान पार्टी की उपस्थिति को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने दिल्ली के छतरपुर में अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के तहत कृष्ण पाल गुर्जर ने मेहरौली जिला के अध्यक्ष रणवीर तंवर को पटका पहनाया और उनके घर पर नेम प्लेट लगवाकर इस मुहिम से जोड़ा। इस मौके पर उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं और उनका सम्मान करना पार्टी की प्राथमिकता है। आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली की राजनीति ने कई मोड़ लिए हैं, लेकिन अब दिल्लीवासियों को बदलाव चाहिए। उन्होंने कहा, ह्लकेजरीवाल नए चेहरे बदलकर अपनी पार्टी के चरित्र को नहीं बदल सकते। उनका चरित्र दिल्ली के लोगों ने देख लिया है और अब वह कितने भी चेहरे बदलें, कुछ नहीं होने वाला और अब आप और केजरीवाल का दिल्ली की सत्ता सा जाना तय है। भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत को बताया सुनिश्चित : गुर्जर ने यह भी कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित है। उन्होंने बताया कि जिस तरह से महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा ने तीसरी बार ऐतिहासिक जीत प्राप्त की है, ठीक उसी तरह दिल्ली में भी भाजपा को एक बड़ी जीत मिलेगी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, शिवाजी ब्रिज, नई दिल्ली दो पैकेट पद्धति ई–निविदा के आधार पर नीचे लिखे हुए कार्य के लिए निविदा आमंत्रित करते है।

1.	कार्य का नाम व स्थल	उत्तर रेलवे के दिल्ली–रेवाड़ी खण्ड पर बिजवासन में कोचिंग एवं माल ढुलाई हैण्डलिंग टर्मिनल के विकास, जल आपूर्ति व्यवस्था सहित आर.सी.सी. ओवरहेड टैंक का निर्माण, 800 किलोलिटर प्रतिदिन अपशिष्ट जल और रीसाईक्लिंग प्लांट, एफ्लुएन्ट ट्रीटमेन्ट प्लांट की स्थापना, भूमिगत टैंक, सड़क कार्य, जल निकासी, चारदीवारी, मिट्टी का भराव कार्य और सी/डब्लू के विकास तथा अन्य संबद्ध विविध कार्य के संबंध में ।
2.	कार्य पूरा होने की अवधि	09 (नौ) माह
3.	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 4607.12 लाख
4.	धरोहर राशि (जो कि ऑनलाइन जमा की जानी है)	रु. 24,53,600/–
5.	ई–निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खुलने की तिथि और समय	निविदा दस्तावेज 11:30 बजे दिनांक 10.12.2024 से 03.01.2025 तक आईआरईपीएस की वेबसाइट अर्थात् **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे।
6.	निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि/समय	03.01.2025 को 11:30 बजे तक निविदाकर्ता द्वारा 20.12.2024 से 03.01.2025 तक आईआरईपीएस की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर निविदा दस्तावेज अपलोड की जा सकती है।
7	ई–निविदा खुलने की तिथि एवं समय	11:30 बजे दिनांक 03.01.2025 को खोली जाएंगी। उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी विस्तृत सूचना देखी जा सकती है

No-533-Acs/Misc/BWSN/CSB Dated- -12.2024 3777/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मनीष सिसोदिया ने मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ कर किया चुनाव प्रचार का आगाज, दरगाह और गुरुद्वारे में भी टेका मत्था

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को किलोकरी स्थित अंगूरी देवी मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ कर जंगपुरा विधानसभा में चुनाव प्रचार का आगाज किया। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि ये लोग जब वोट मांगने जाते हैं तो जनता केजरीवाल के बनाए शानदार स्कूल और बिजली के जीरो बिल दिखाकर कहती है कि हम आपको क्यों वोट दें? साथ ही, यह भी पूछती हैं कि दिल्ली में कानून व्यवस्था इतनी खराब क्यों है, हर तरफ दहशत का माहौल क्यों है? तो उनके पास कोई जवाब नहीं होता है। मनीष सिसोदिया मंदिर के साथ-साथ जंगपुरा इलाके में बने निजामुद्दीन दरगाह और गुरुद्वारा भी पहुंचे और उन्होंने वहां पर मत्था टेका। मनीष सिसोदिया ने कहा कि जंगपुरा विधानसभा, भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आध्यात्मिक धरोहर का अद्भुत मिश्रण है। यहाँ 1917 में संत हरिनपुष्प जी महाराज ने एक आश्रम की स्थापना की थी, जिससे ह्वआश्रमह्व और हरि नगर जैसे नाम जुड़े। यह क्षेत्र पांडव कालीन शिव मंदिर (जलविहार), पवित्र हजरत निजामुद्दीन दरगाह, और ऐतिहासिक दमदमा साहिब गुरुद्वारा जैसे तीर्थ स्थलों का घर है। उन्होंने कहा, आज, जंगपुरा में चुनाव प्रचार शुरू करने के साथ, मैंने इन पवित्र स्थलों पर जाकर आध्यात्मिक ऊर्जा और आशीर्वाद प्राप्त किया। इन स्थानों ने न केवल मुझे प्रेरित किया, बल्कि यहाँ के लोगों की सेवा के लिए मेरे संकल्प को और मजबूत किया। जंगपुरा की यह विरासत हमें सिखाती है कि विकास और जनकल्याण का रास्ता अध्यात्म, इतिहास और आधुनिकता के संतुलन से गुजरता है। यह सिर्फ अतीत की कहानी नहीं, बल्कि भविष्य की उम्मीद है। मुझे विश्वास है कि आपके समर्थन और सहयोग से, हम इस क्षेत्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं जंगपुरा के हर परिवार की भलाई, हर बच्चे की शिक्षा, हर महिला की सुरक्षा, और हर नागरिक के सम्मान के लिए काम करूँ। यह यात्रा केवल चुनाव की नहीं, बल्कि जंगपुरा को विकास और उम्मीद की नई पहचान देने की है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि एक शिक्षा मंत्री और उप-मुख्यमंत्री के तौर पर पूरी दिल्ली का प्यार मुझे मिला है। अरविंद केजरीवाल को पूरी दिल्ली का प्यार मिला है। चुनाव कहां से लड़ते हैं, यह मायने नहीं रखता है। मैं जब पटपड़गंज से विधायक और दिल्ली का उपमुख्यमंत्री था, तब भी जंगपुरा के लिए खूब काम किया। जंगपुरा में जितने स्कूल बने, मैंने खुद खड़े होकर बनवाए। आज जंगपुरा के लोग मुझे विधायक के रूप में चुनेंगे फिर भी पूरी दिल्ली के लिए काम होगा और पूरी दिल्ली के लिए ही काम होना है। उसमें कोई फर्क नहीं पड़ता है। मनीष सिसोदिया ने कहा, भाजपा वाले बेचारे फंस गए हैं। वो जनता के पास वोट मांगने जाते हैं, जनता कहती है कि अरविंद केजरीवाल ने हमारे लिए इतने स्कूल बनवाए। लोग उन्हें अपने बच्चों के वीडियो दिखाते हैं कि देखो हमारे बच्चे इतने बढ़िया स्कूल में पढ़ रहे हैं। फिर लोग उन्हें बिजली के बिल दिखाते हैं कि देखो हमारे बिजली के बिल जीरो आ रहे हैं तो हम आपको क्यों वोट दें? तो ये अरविंद केजरीवाल का घर दिखाने लगते हैं। अरविंद केजरीवाल के घर पर थोड़ी ना चुनाव हो रहा है। स्कूल, अस्पताल का चुनाव है। उन्होंने आगे कहा कि यह बताओ कि तुमने गुजरात में क्या किया? गुजरात में 24 घंटे बिजली क्यों नहीं आ रही है? हरियाणा में सरकारी स्कूल ठीक क्यों नहीं हुए? उत्तर प्रदेश में इतना झंझट क्यों चल रहा है? दिल्ली में कानून-व्यवस्था की इतनी खराब स्थिति क्यों है? बच्चे स्कूल जाते हैं तो अभिभावक डर रहे हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित लौटेगा या नहीं। व्यापारी डर रहे हैं। हर गली मोहल्ले में घूमते हुए लोग डर रहे हैं कि पता नहीं कहां से कोई गुंडा आएगा और गोली चला देगा। लोग इस बात से डर रहे हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव : ऑटो वालों को अरविंद केजरीवाल ने दी 5 गारंटियां

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी घोषणाएं करनी शुरू कर दी है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के ऑटो ड्राइवर के लिए दोबारा सरकार बनने पर उनके लाभ की पांच महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया के जरिए जारी अपने पोस्ट में लिखा, दिल्ली में आम आदमी पार्टी की दोबारा सरकार बनती है तो हर ऑटो चालक का 10 लाख तक का जीवन बीमा और 5 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा करवाया जाएगा। ऑटो ड्राइवर की बेटी की शादी में 1 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। उनकी वर्दी के लिए साल में दो बार 2,500 रुपए उनके खाते में डाले जाएंगे। ऑटो ड्राइवर के बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग का खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी। इसके साथ ही पूछो ऐप फिर से चालू होगा। हम उनके साथ पहले भी खड़े थे और आगे भी खड़े रहेंगे। दरअसल, विधानसभा चुनाव को लेकर अरविंद केजरीवाल ने पदयात्रा, जनसभा के साथ-साथ अपने पुराने कोर वोटर को साधना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को ऑटो वालों को अपने घर बुलाया था और उनके साथ ह्वचाय पर चर्चाह्व की थी। मंगलवार को भी अरविंद केजरीवाल ने एक ऑटो ड्राइवर के निमंत्रण पर उसके घर खाने पर जाने की बात कही। अरविंद केजरीवाल का कहना है कि ऑटो चालकों के साथ उनका रिश्ता दिल से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान में मैंने ऑटो वालों का साथ दिया था और कहा था कि यह लोग व्यवस्था के पीड़ित हैं। आज ऐसा है कि पुलिस वाले ऑटो वालों को डंडा मारते हैं, पांच नंबर वाले डंडा मारते हैं और महीने के अंत में उनके पास कुछ नहीं बचता। जब से दिल्ली में हमारी सरकार आई है, हमने व्यवस्था को बदल दिया है। 2013 से 2024 तक 11 साल हो गए हैं और हमने ऑटो वालों का साथ नहीं छोड़ा है। अरविंद केजरीवाल ने यह भी बताया कि पुरानी सरकारों में ऑटो वाले हर तीसरे-चौथे दिन हड़ताल करते थे। लेकिन, 11 साल में एक भी हड़ताल नहीं हुई है।

न्यू अशोक नगर इलाके में पड़ोसी की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली,। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोकनगर इलाके में पत्नी को भगाने के शक में एक युवक ने 35 साल के शख्स की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। मृतक की पहचान बेचू राम उर्फ बच्चन के तौर पर हुई है। वह मूल रूप से यूपी के सुल्तानपुर का रहने वाला था और न्यू अशोक नगर इलाके के गली नंबर 10 के एक मकान में कमरा किराए पर लेकर पत्नी, मां और दो बच्चों के साथ रहता था। बेचू राम नोएडा की एक कंपनी में काम करता था। बताया जा रहा है कि सोमवार रात तकरीबन 10 बेचू राम अपने कमरे में था तभी इलाके में ही किराए पर रहने वाला सूरज उसके घर में घुसा और बेचू राम पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल हालत में उसे कल्याणपुरी के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपी सूरज की पत्नी कुछ दिनों से गायब है। उसे शक है कि उसकी पत्नी को भगाने में बेचू राम का हाथ है। जिसकी वजह से उसने बेचू राम की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल का क्राइम सीन और फोरेंसिक टीम से जांच कराया गया है। हत्या का मुकदमा दर्ज का जांच की जा रही है। घटना के बाद से ही आरोपी फरार है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीम का गठन किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है की फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जा रहा है। जल्दी से गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बांग्लादेश पर पलटवार की तैयारी: दिल्ली एलजी सचिवालय ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र, कहा- कड़ी कार्रवाई शुरू करें

नई दिल्ली,। दिल्ली में रहने वाले अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। उपराज्यापाल सचिवालय ने मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को इस संबंध में पत्र लिखा है। पत्र में राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा है। इसके तहत दो महीने तक विशेष अभियान शुरू करने के आदेश दिए हैं, जिसमें अवैध प्रवासियों की पहचान कर समयबद्ध तरीके से नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने की बात कही गई है। इससे पहले दरगाह हजरत निजामुद्दीन, बस्ती हजरत निजामुद्दीन के प्रमुख उलेमाओं सहित शहर के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। साथ ही एलजी से मांग रखी थी कि दिल्ली में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही मांग की गई थी कि अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को किराए पर मकान नहीं दिए जाने चाहिए। जिन लोगों ने पहले से ही अपने परिसर या मकान किराए पर दे रखे हैं, उन्हें खाली कर देना चाहिए। उन्हें किसी भी प्रतिष्ठान में रोजगार तक नहीं देने की बात कही गई थी।

जिन बिल्डिंगों में फायर एनओसी नहीं होगा वहाँ किसी भी प्रकार की कमर्शियल गतिविधि की इजाजत नहीं दी जाएगी:सीएम आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सीएम आतिशी ने मंगलवार को राजौरी गार्डन के रेस्टोरेंट में लगी आग के घटनास्थल पर जाकर निरीक्षण किया। इस मौके पर सीएम आतिशी ने कहा कि, राजौरी गार्डन के एक रेस्टोरेंट में कल बड़ी आग लगी। इस रेस्टोरेंट के ऊपर कोचिंग सेंटर है। जहाँ आग से बचने के लिए बच्चों को कूद कर बाहर निकलना पड़ा था। जैसे ही आग लगी तुरंत यहाँ पर दिल्ली अग्निशमन विभाग के 11 दमकल वाहन मौके पर पहुँचे और कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने कहा कि, घटना में किसी की भी जान नहीं है लेकिन कोचिंग सेंटर से निकलते हुए कूदकर गिरने से एक महिला का पैर फ्रैक्चर हो गया। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। सीएम आतिशी ने कहा कि, इस रेस्टोरेंट का फायर एनओसी अग्निशमन विभाग द्वारा कैंसिल कर दिया गया था क्योंकि फायर सेफ्टी क्लीयरेंस के लिए हर रेस्टोरेंट के 2 निकासी होने जरूरी है। लेकिन यहाँ एक निकासी रेस्टोरेंट द्वारा बंद कर दिया गया था। इसलिए विभाग द्वारा इसका एनओसी कैंसिल कर दिया गया था। एमसीडी ने भी इस रेस्टोरेंट को बंद करने के आदेश दे दिए थे इसके बावजूद भी रेस्टोरेंट के किचन में क्या हो रहा था इसकी जांच दिल्ली पुलिस कर रही है। उन्होंने कहा कि, इस आग लगने के लिए जो भी दोषी है उसपर सख्त से सख्त कारवाई की जाएगी। साथ ही दिल्ली फायर सर्विस को निर्देश दिए है कि, ऐसी घटनाओं से बचने के लिए पूरी दिल्ली में एक बार एक फायर सेफ्टी ऑडिट किया जाए और कहीं भी ऐसे रेस्टोरेंट चल रहे है तो उनपर कारवाई की जाए। दिल्ली में कहीं भी ऐसी आग न लगे इसके लिए जिस बिल्डिंग में भी फायर एनओसी नहीं होगा वहाँ किसी भी प्रकार की कमर्शियल गतिविधियां नहीं चलने दी जाएगी। सीएम आतिशी ने अपने एक्स(ट्विटर) हैंडल से पोस्ट करते हुए कहा कि, कल राजौरी गार्डन के एक रेस्टोरेंट में आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। आज घटनास्थल पर जाकर निरीक्षण किया। उचित निकासी न होने के कारण पहले ही टउऊ और फायर डिपार्टमेंट ने रेस्टोरेंट का ठडउ कैंसिल कर इसे बंद करने के आदेश दिए थे। फिर भी आग लगने की घटना क्यों हुई, इसकी पुलिस जांच कर रही है। इसके दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं, इसके लिए फायर डिपार्टमेंट को पूरी दिल्ली में फायर सेफ्टी ऑडिट के निर्देश दिए हैं।

केजरीवाल ने ऑटो वालों के लिए बड़ी घोषणा की, चालक नवनीत के घर किया लंच

नई दिल्ली,। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ऑटो वालों के लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने दिल्ली में एक बार फिर सरकार बनने पर ऑटो वालों को पांच गारंटी दी हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में दोबारा आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर हर ऑटो चालक का 10 लाख तक का जीवन बीमा और 5 लाख का एक्सीडेंट इंश्योरेंस होगा। बेटी की शादी में एक लाख की सहायता दी जाएगी। वर्दी के लिए साल में 2 बार 2500 रुपये दिए जाएंगे। ऑटो वालों के बच्चों को कॉम्पिटिशन के एग्जाम की तैयारी के लिए कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। ह्वपूछो ऐपह्व फिर से चालू होगा। बता दें कि इससे पहले अरविंद केजरीवाल और उनकी पत्नी सुनीता ने कोंडली में ऑटो ड्राइवर नवनीत कुमार के घर पर लंच किया था। नवनीत ऑटो चालक ने बताया कि अरविंद केजरीवाल हमारे घर आए, इसकी हमें बहुत खुशी हुई। हमने उनके के लिए देसी खाना बनाया और उन्होंने वही खाया। उनके साथ घर परिवार वाली बातचीत हुई। हमने सोचा नहीं था कि हमारे दर्द को दर्द होने से पहले कोई जानेगा। अरविंद केजरीवाल ने पहले ही निवारण कर दिया। उन्होंने कहा कि हम उनके परिवार के सदस्यों की तरह हैं। ऑटो चालक की पत्नी पूजा देवी ने बताया कि अरविंद केजरीवाल हमारे घर आए, हमें बहुत अच्छा लगा। अरविंद केजरीवाल हमारे घर आए हमें एक सपने जैसा लग रहा था। लेकिन वे हमारे घर आए और उन्होंने लंच किया। बता दें कि दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कल (सोमवार को) एक ऑटो चालक रमेश कुमार की कहानी सुनकर दिल खुश हो गया। उनकी बेटी ने दिल्ली के सरकारी स्कूल से पढ़ाई कर टीचर बनने का अपना सपना पूरा किया है। ये बाबा साहब के उस सपने की जीत है जिसमें उन्होंने शिक्षा से गरीब परिवारों की तकदीर बदलने का सपना देखा था।

विश्व विकलांग दिवस समारोह का आयोजन

नई दिल्ली, । आज पूर्वांचल विचार मंच द्वारा सभागार में विश्व विकलांग दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिलीप पांडेय, सदस्य, दिल्ली विधानसभा मुख्य अतिथि और प्रोफेसर, सदानंद प्रसाद, प्राचार्य डॉ भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में विषय प्रवेश के रूप में पूर्वांचल विचार मंच के अध्यक्ष, डॉ राकेश रमण झा ने बतलाया कि दिव्यांगों को समान अधिकार और निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करने के लिए समाज और सरकार को सम्मिलित रूप से कार्य करने की आवश्यकता है। दिव्यागता अधिनियम 2016 के प्रावधानों को लागू करने करने के लिए दिव्यांगों की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर डॉ झा ने बल दिया। कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस के दिव्यांग जवान, अस्पताल के दिव्यांग डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टॉफ, दिव्यांग छात्र, छात्राएं, पत्रकारों और सामाजिक संगठन के अधिकारियो को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में अरुण शर्मा, जतन कुमार शुक्ला, कोरिया से आए मेहमान पार्क ही सूं, सुश्री जू, साजिद चौधरी, सुनहरी लाल यादव, सुनील झा, विजय वर्मा, कमांडर बलबीर, शशि किरण झा, नजर अहमद करीमी, नफीस अहमद, अंकुर शुक्ला, के डी पाठक, संतोष कुमार राय, अमित यादव आदि ने सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की।

दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को ओवैसी ने टिकट दिया, भाजपा ने दी तीखी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी दल अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर रहे हैं। इसी क्रम में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को चुनावी मैदान में उतार दिया है। एआईएमआईएम ने ताहिर हुसैन को मुस्तफाबाद विधानसभा सीट से अपना प्रत्याशी बनाया है। इसकी जानकारी खुद असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया के जरिए दी। मंगलवार को ताहिर हुसैन ने अपनी पत्नी और बेटे के साथ एआईएमआईएम चीफ ओवैसी से उनके घर पर मुलाकात की। असदुद्दीन ओवैसी ने इस मुलाकात की फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, एमसीडी पार्षद ताहिर हुसैन एआईएमआईएम में शामिल हो गए हैं और आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र से हमारे उम्मीदवार होंगे। उनके परिवार के सदस्य और समर्थक आज मुझसे मिले और पार्टी में शामिल हुए।ह्व उधर, ताहिर हुसैन को एआईएमआईएम द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए टिकट देने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखी प्रतिक्रिया दी। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ओवैसी ने मुस्तफाबाद से ताहिर हुसैन को अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनाया है। यह वही ताहिर हुसैन है, जिसने यमुना पार में दंगे किए, बेकसूर लोगों को मारा, हिंदुओं के घरों को जलाया और आईबी के अधिकारी अंकित शर्मा का कत्ल किया। ओवैसी ने एकदम स्पष्ट किया है कि ये उन लोगों को सम्मानित कर रहे हैं, जो हिंदुओं के घर जला रहे हैं, हिंदुओं को मार रहे हैं। यह बहुत ही स्पष्ट है कि उन लोगों को उत्साहित किया जा रहा है उन लोगों को इनाम दिया जा रहा है। ओवैसी के द्वारा ऐसे लोगों को विधायक और सांसद बनाया जाएगा। ये नफरत भरी राजनीति है। चुनाव आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए।

दिल्ली में आप के अंदर अंतर्कलह शुरू : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सीट बदलने को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, पूरी दिल्ली में आम आदमी पार्टी के अंदर सिर फुटव्वल हो रहा है। मनीष सिसोदिया ने सीट बदली नहीं है, बल्कि वह पटपड़गंज छोड़कर भाग गए हैं। लेकिन वह कहीं भी चले जाएं, जो उन्होंने शराब के ठेके खोले थे, वे उनका पीछा नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने दिल्ली के युवाओं को नशे में धकेलने का काम किया था, नशे के कारण जिन माताओं-बहनों का घर बर्बाद हुआ, वे उसका हिसाब मांगेंगी। उन्होंने आगे कहा कि आप के अंदर अंतर्कलह की शुरूआत हो गई है। वहां पर अपनी पार्टी के कार्यकताओं को देने के लिए टिकट नहीं है। अब हम दिल्ली में उनकी सरकार बदल कर रहेंगे। आप ने दिल्ली विधानसभा की 70 में से 31 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। इनमें आधे से ज्यादा नए चेहरे हैं। इस सवाल पर सचदेवा ने कहा, वे सीट बदल-बदल कर भाग रहे हैं। वे उन लोगों को ले रहे हैं, जिनको अपने दल में टिकट नहीं मिल रहा था। उनकी जो स्थिति बन रही है, उससे पता चलता है कि यहां पर भाजपा का मुख्यमंत्री बनेगा। आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पूर्व सीएम हाउस का सचदेवा ने वीडियो शेयर किया है। उन्होंने बताया, भ्रष्टाचार इस चुनाव का मुख्य मुद्दा है और हम बार-बार कहते आए हैं कि 10 साल तक उन्होंने दिल्ली को लूटने का काम किया है। केजरीवाल के आवास का वीडियो जारी होने को लेकर भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, उनके दोहरे चेहरे का यह सबसे बड़ा सबूत है। उन्होंने गरीब आदमी बनकर जनता को लूटा है। ऐसी फोटो सद्दाम हुसैन के घर, लीबिया के कर्नल गद्दाफी और कुछ दिन पहले श्रीलंका के राष्ट्रपति के घर की आई थी। उनके एक स्पा के कमरे में कई करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए। ऐसे अमीरों वाले शौक के चलते उन्होंने जनता को लूटा है और बाहर निकलते हैं तो गरीबों के

हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, । सीमापुरी थाने की क्रैक टीम ने ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 302 ग्राम हेरोइन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी याकूब है। पुलिस ने इसके पास से हेरोइन और एक स्कूटी बरामद की है। शाहदरा जिला डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह ओबेरॉय की देखरेख में गठित टीम ने 9 दिसंबर को 70 फुटा रोड, नई सीमापुरी, पर हेरोइन के अवैध परिवहन के बारे में कार्रवाई की जानकारी मिली। टीम ने एक व्यक्ति को स्कूटी पर सवार देखा गया। मुखबिर की पहचान के आधार पर, टीम ने पुष्टि की कि यह व्यक्ति हेरोइन की आपूर्ति में शामिल था। टीम ने तुरंत संदिग्ध को पकड़ लिया, जिसकी पहचान याकूब के रूप में हुई, तलाशी लेने पर 302 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

देश की राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री, मंत्री, विदेशी राजदूत और सांसद रहते हैं, जो आज अपराधों का गढ़ बनती जा रही है- सन सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने दिल्ली में बढ़ते अपराध और जनप्रतिनिधियों को मिल रही धमकियों पर एक प्रस्ताव देकर राज्यसभा में चर्चा कराने की मांग की है। उन्होंने दिए प्रस्ताव में कहा है कि देश की राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री, मंत्री, विदेशी राजदूत और सांसद रहते हैं, जो आज अपराधों का गढ़ बनती जा रही है। अभी पिछले सप्ताह दिल्ली के 44 स्कूलों में बम विस्फोट की धमकी मिली, जिससे राष्ट्रीय राजधानी की प्रतिष्ठा पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। साथ ही, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर पदयात्रा के दौरान कथित हमले ने सार्वजनिक सुरक्षा की खामियों को उजागर कर दिया है। दरअसल, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने दिल्ली में बढ़ते अपराधों और जनप्रतिनिधियों को मिल रही धमकियों पर तत्काल चर्चा चर्च करने के लिए नियम 267 के तहत कार्य स्थगन का आग्रह किया है। संजय सिंह ने राज्यसभा के महासचिव को भेजे प्रस्ताव में कहा है कि मैं आपका ध्यान देश की राजधानी दिल्ली में बढ़ते अपराधों और बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। दिल्ली, जहां प्रधानमंत्री, मंत्री, विदेशी राजदूत और सांसद निवास करते हैं, आज अपराधों का गढ़ बनती जा रही है। हाल ही में शालीमार बाग में एक निर्दोष बच्चे की निर्मम हत्या ने दिल्लीवासियों के दिलों को झकझोर दिया। इसके पश्चात, प्रशांत विहार में हुए बम विस्फोट ने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाए हैं। विस्फोट की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि रोहिणी के एक स्कूल को धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ, जिससे बच्चों और अभिभावकों के बीच असुरक्षा और भय का माहौल बना हुआ है। संजय सिंह ने आगे कहा है कि पिछले सप्ताह राजधानी के 44 स्कूलों में इस प्रकार की धमकियां प्राप्त होने से दिल्ली की प्रतिष्ठा पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। इससे पहले, शाहदरा में एक व्यवसायी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई, जो अपराधियों के बढ़ते मनोबल का संकेत है। वहीं, 30 नवम्बर 2024 को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर पदयात्रा के दौरान कथित हमले ने न केवल राजनीतिक तनाव को बढ़ाया, बल्कि राजधानी की सार्वजनिक सुरक्षा की खामियों की भी उजागर किया। देश की राजधानी में इस प्रकार की घटनाएँ तब घट रही हैं।

आम आदमी पार्टी के शासन में नगर निगम का हुआ बंटाधार : राजा इकबाल सिंह

नई दिल्ली, । दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली नगर निगम की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के शासनकाल में दिल्ली नगर निगम की व्यवस्था सोचनीय हो गई है और माननीय न्यायालय के दिशानिर्देशों का पालन न कर पाने की सूरत में दिल्ली नगर निगम पर कई बार माननीय न्यायालय ने जुमार्ना भी लगाया है। सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि अभी हाल ही में राष्ट्रीय हरित आयोग ने दिल्ली नगर निगम पर एक लाख रुपए का जुमार्ना ठोका है जोकि दिखाता है कि आम आदमी पार्टी के शासनकाल में दिल्ली नगर निगम की संपूर्ण व्यवस्था चरमरा गई है। सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि अनुभवहीन आम आदमी पार्टी की विभाजनकारी राजनीति के चलते अब तक दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति का निर्माण भी अटका हुआ है जिसके चलते दिल्लीवासियों की भलाई के कार्य अटके हुए हैं। सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि निगम चुनाव के समय जनता से झूठे वादे एवं गारंटी देकर निगम की सत्ता तो हथिया ली लेकिन अब आप पार्टी के नकारापन के कारण दिल्ली की जनता त्रस्त है।

दिल्ली के कई इलाकों में 12 दिसंबर को नहीं आएगा पानी, पहले से कर लें अपना इंतजाम

नई दिल्ली,। दिल्ली में इन दिनों कई इलाकों में पानी की किल्लत देखी जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार, 12 दिसंबर को भी पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड की तरफ से इस बात की जानकारी दी गई है। अधिकारियों की तरफ से कहा गया है कि दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा चलाए जा रहे कार्य के कारण दिल्ली के कई इलाकों के लोगों के घरों में पानी की सप्लाई नहीं हो पाएगी। जानकारी के अनुसार, दिल्ली जल बोर्ड ने एमबी रोड पर वायुसेनाबाद गेट-तीन और मदनगीरी टी-प्वाइंट के निकट नई मोबाइल जल लाइनों को स्थापित करने की योजना बनाई है। इस योजना के अंतर्गत 900 मिमी और 600 मिमी व्यास की नई एमएस जल लाइनों को संगम विहार की मुख्य जल लाइन (1200/900/600 मिमी व्यास) से जोड़ने का कार्य किया जाएगा यह मुख्य जल लाइन ईएसआई अंडरग्राउंड रिजर्वायर और बूस्टिंग पंपिंग स्टेशन से जुड़ी हुई है। इस महत्वपूर्ण इंटरकनेक्शन कार्य के कारण, 12 दिसंबर को कई क्षेत्रों में जल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इन इलाकों में नहीं आएगा पानीः दिल्ली जल बोर्ड के अनुसार प्रभावित क्षेत्र में तुगलकाबाद, संगम विहार, अंबेडकर नगर और देवली विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। विशेष रूप से तुगलकाबाद गांव, तुगलकाबाद एक्सटेंशन, नॉर्दर्न कैंप बस्ती, वायुसेना स्टेशन, तिगरी गांव और तिगड़ी डीडीए फ्लैट्स जैसे क्षेत्र जल आपूर्ति की कमी का सामना करेंगे। इसके अलावा, खानपुर गांव, खानपुर एक्सटेंशन, जेजे कॉलोनी खानपुर, दुग्गल कॉलोनी, और अन्य निकटवर्ती क्षेत्रों में भी पानी की कमी हो सकती है। निवासियों से अपीलः दिल्ली जल बोर्ड ने प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों से अपील की है कि वे इस अवधि में जल संचय करें और जल का विवेकपूर्ण उपयोग करें। इस कार्य के पूरा होने के बाद जल आपूर्ति में जल्दी ही सुधार होगा।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को किलोकरी स्थित अंगूरी देवी मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ कर जंगपुरा विधानसभा में चुनाव प्रचार का आगाज किया। इस दौरान उन्होंने बजरंग बली से प्रार्थना की कि हर समय हमारे दिल में ईंसानियत की ज्योति जलती रहे। हम जहां भी रहें, जो भी करें, सब ईश्वर के स्मरण के साथ ही करें। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि ये लोग जब वोट मांगने जाते हैं तो जनता केजरीवाल के बनाए शानदार स्कूल और बिजली के जीरो बिल दिखाकर कहती है कि हम आपको क्यों वोट दें? साथ ही, यह भी पूछती हैं कि दिल्ली में कानून व्यवस्था इतनी खराब क्यों है, हर तरफ दहशत का माहौल क्यों है? तो उनके पास कोई जवाब नहीं होता है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मीडिया से बातचीत में कहा कि एक शिक्षा मंत्री और उप-मुख्यमंत्री के तौर पर पूरी दिल्ली का प्यार मुझे मिला है। अरविंद केजरीवाल को पूरी दिल्ली का प्यार मिला है। चुनाव कहां से लड़ते हैं, यह मायने नहीं रखता है। मैं जब पटपड़गंज से विधायक और दिल्ली का उपमुख्यमंत्री था, तब भी जंगपुरा के लिए खूब काम किया। जंगपुरा में जितने स्कूल बने, मैंने खुद खड़े होकर बनवाए। आज जंगपुरा के लोग मुझे विधायक के रूप में चुनेंगे फिर भी पूरी दिल्ली के लिए काम होगा और पूरी दिल्ली के लिए ही काम होना है। उसमें कोई फर्क नहीं पड़ता है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा वाले बेचारे फंस गए हैं। वो जनता के पास वोट मांगने जाते हैं, जनता कहती है कि अरविंद केजरीवाल ने हमारे लिए इतने स्कूल बनवाए। लोग उन्हें अपने बच्चों के वीडियो दिखाते हैं कि देखो हमारे बच्चे इतने बढ़िया स्कूल में पढ़ रहे हैं। फिर लोग उन्हें बिजली के बिल दिखाते हैं कि देखो हमारे बिजली के बिल जीरो आ रहे हैं तो हम आपको क्यों वोट दें। तो ये अरविंद केजरीवाल का घर दिखाने लगते हैं। अरविंद केजरीवाल के घर पर थोड़ी ना चुनाव हो रहा है। स्कूल, अस्पताल का चुनाव है। यह बताओ कि तुमने गुजरात में क्या किया? गुजरात में 24 घंटे बिजली क्यों नहीं आ रही है? यह बताओ कि हरियाणा में सरकारी स्कूल ठीक क्यों नहीं हुए? यह बताओ कि उत्तर प्रदेश में इतना झंझट क्यों चल रहा है? यह बताओ कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की इतनी खराब स्थिति क्यों है? बच्चे स्कूल जाते हैं तो डर रहे हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित लौटेगा या नहीं। व्यापारी डर रहे हैं। हर गली मोहल्ले में घूमते हुए लोग डर रहे हैं कि पता नहीं कहां से कोई गुंडा आएगा और गोली चला देगा। लोग इस बात से डर रहे हैं। इनका जवाब भाजपा वालों के पास नहीं है। जनता पूछती है कि कानून-व्यवस्था इतनी खराब क्यों है? वो कहते हैं कि केजरीवाल के पास बंगला क्यों है? मनीष सिसोदिया ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जंगपुरा विधानसभा से चुनाव प्रचार का आगाजह्वबजरंगबली महाराज के चरणों में हनुमान चालीसा के पाठ के साथ। ह्वजय जय हनुमान गोसाईं, कृपा करहु गुरुदेव की नाईं।ह्व हे हनुमान जी महाराज, आपके चरणों में यही विनती है कि हम जो भी करें, उसमें आप गुरु की भांति हम पर कृपा बनाए रखें। हर समय हमारे दिल में ईंसानियत की ज्योति जलती रहे। हम जहां भी रहें, जो भी करें, सब ईश्वर के स्मरण के साथ ही करें। ऐसी कृपा हम पर सदैव बनाए रखें।

हरियाणा राज्यसभा उपचुनावः बीजेपी प्रत्याशी रेखा शर्मा ने दाखिल किया नामांकन

प्रातः किरण संवाददाता

चंडीगढ़। राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व प्रमुख और भाजपा उम्मीदवार रेखा शर्मा ने मंगलवार को हरियाणा से राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया। रेखा शर्मा का निर्विरोध चुना जाना तय है क्योंकि वह मैदान में अकेली उम्मीदवार हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्य भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडोली, मंत्री कृष्ण लाल पंवार उन लोगों में शामिल थे, जब शर्मा ने यहां हरियाणा विधानसभा सचिवालय में उपचुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र जमा किया था।

नामांकन के बाद क्या बोलीं?

अपना नामांकन दाखिल करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, रेखा शर्मा ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, अमित शाह जी, जेपी नड्डा जी, मनोहर लाल और नायब सिंह सैनी जी को एक बार फिर से

देश की सेवा करने का मौका देने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा लाई गई कई पहलों और योजनाओं का भी जिक्र किया।

शर्मा के नामांकन दाखिल करने के बाद मुख्यमंत्री सैनी ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि आपकी जीत के लिए अग्रिम बधाई और शुभकामनाएं।

गौरतलब है कि भाजपा ने सोमवार को 20 दिसंबर को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए शर्मा के नाम की घोषणा की थी। वहीं, विपक्ष ने उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है। कृष्ण लाल पंवार ने खाली की थी सीट

90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में, भाजपा को 48 सदस्यों के साथ बहुमत प्राप्त है, कांग्रेस के पास 37 सीटें हैं, इनेलो के पास दो सीटें हैं जबकि तीन निर्दलीय हैं। नायब सिंह सैनी सरकार को निर्दलीयों का भी समर्थन है। बता दें कि हरियाणा में राज्यसभा सीट तब खाली हो गई थी, जब अक्टूबर में हुए राज्य विधानसभा चुनावों में विधायक के रूप में चुने जाने के बाद भाजपा के कृष्ण लाल पंवार ने अपनी सीट छोड़ दी थी। पंवार अब हरियाणा की भाजपा सरकार में विकास एवं पंचायत मंत्री हैं।

बता दें कि आधिकारिक बयान में पहले कहा गया था कि हरियाणा से खाली होने वाली एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए कार्यक्रम 3 दिसंबर को अधिसूचित किया गया था और नामांकन 10 दिसंबर तक दाखिल किए जा सकते थे। नामांकन पत्रों की जांच 11 दिसंबर को रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय द्वारा की जाएगी। नामांकन 13 दिसंबर को दोपहर 3 बजे तक वापस लिए जा सकते हैं। पहले बयान में कहा गया था कि यदि आवश्यक हुआ तो मतदान 20 दिसंबर को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच हरियाणा सचिवालय में होगा। विशेष रूप से, हरियाणा की पांच राज्यसभा सीटों में से, सुभाष बराला, राम चंदर जांगड़ा और किरण चौधरी भाजपा सदस्य हैं, जबकि रेखा शर्मा का भी निर्विरोध चुना जाना तय है। वहीं, कार्तिकेय शर्मा एक स्वतंत्र सदस्य हैं।

पुलिस ने जलती चिता से निकलवाया अधजला शव

छात्रा की मौत के बाद घरवाले कर रहे थे अंतिम संस्कार

प्रातः किरण संवाददाता

सोनीपत। गांव जुआं में 11वीं कक्षा की छात्रा की हत्या की सूचना पर पुलिस श्मशान स्थल पहुंची और चिता की आग को बुझवा कर अधजला शव निकलवाया। संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने के बाद स्वजन ने अंतिम संस्कार कर रहे थे।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि किशोरी की हत्या हुई है, जिसके बाद पुलिस ने अग्निशमन की गाड़ी बुलाकर चिता की आग बुझाकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए खानपुर मेडिकल में भिजवाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने अग्निशमन विभाग की टीम को बुलाया मोहाना थाना पुलिस सूचना मिली थी कि जुआं गांव में एक किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। इसमें हत्या का अंदेशा जताया गया था। पुलिस टीम गांव में पहुंची तो किशोरी का अंतिम संस्कार किया जा रहा था। इस पर पुलिस ने अग्निशमन विभाग की टीम को बुलाया। अग्निशमन कर्मियों ने चिता की आग पर पानी डालकर उसे बुझाया। इसके अधजले धड़ और सिर को कब्जे में लिया गया। अन्य अवशेष भी कब्जे में लिए गए। पुलिस शव को लेकर नागरिक अस्पताल में पहुंची है, जहां पर पोस्टमार्टम नहीं हो सका।

शव को खानपुर कलां स्थित मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में रेफर कर दिया। जहां शाम को पोस्टमार्टम कराया जा सका। जांच के लिए बिसरा लैब में भेजा गया है। वहां से रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

स्वजन और पूर्व सरपंच ने पुलिस को ये बताया

स्वजन और पूर्व सरपंच विनोद ने पुलिस को बताया कि 15 वर्षीय किशोरी 11वीं कक्षा में पढ़ती थी। रविवार देर शाम अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। उसे लगातार उल्टियां हो रही थी। स्वजन ने पूर्व सरपंच को बताया कि किशोरी ने शायद कोई जहरीला पदार्थ निगल लिया होगा, इस कारण उसकी तबीयत खराब हो गई।

स्वजन उसे अस्पताल ले जाने लगे तो उसकी मौत हो गई। इस पर स्जवन शव को घर ले गए। रिश्तेदारों के आने के बाद स्वजन और ग्रामीण सोमवार सुबह शव का गांव के श्मशान स्थल में ले जाकर अंतिम संस्कार करने लगे, लेकिन तब तक पुलिस मौके पर पहुंच गई। किशोरी को जहरीला पदार्थ खिलाया गया? सूचना मिली थी कि किशोरी को जहरीला पदार्थ खिलाया गया है, जिसके चलते उसकी तबीयत बिगड़ी। हालांकि स्वजन व अन्य लोगों के बयानों में सामने आया है कि उसने पता नहीं क्या खा लिया था जिससे उसे उल्टियां होने लगी।

गुरुग्राम में निकाय चुनावों की तैयारी तेज

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। नगर निगमों एवं नगर परिषद के चुनाव की तैयारी जिला प्रशासन ने तेज कर दी है। किस तरह से तैयारी करनी है, इस बारे में राज्य निर्वाचन आयुक्त धनपत सिंह ने सोमवार को जिले के अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संवाद किया। उन्होंने कहा कि छह जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाना है। इससे पहले सूची को पूरी तरह अपडेट कर लें।

अपडेट सूची का किया जाएगा वितरण

जिले में नगर निगम गुरुग्राम, नगर निगम मानेसर और नगर परिषद पटौदी जटौली मंडी और नगर पालिका फरुखनगर के चुनाव होने हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त के साथ हुई बैठक के बाद अधीनस्थ अधिकारियों से उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि 16 दिसंबर तक पूर्व में प्रकाशित की गई अंतिम मतदाता सूची का वितरण किया जाएगा। संबंधित मतदाता सूची के आधार पर ही लोकसभा व विधानसभा के चुनाव करवाए जा चुके हैं।

अब निकाय स्तर पर सभी बूथों पर

17 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक ड्राफ्ट रखवाया जाएगा। जिससे कि वोटर मतदाता सूची में अपना नाम, पता, फोटो आदि विवरण को देख सकेंगे। इस प्रारंभिक ड्राफ्ट के आधार पर मतदाता सूची में संशोधन करवाने के लिए नए वोट बनवाने, वोट कटवाने तथा शुद्धि करवाने के लिए 23 दिसंबर तक फार्म जमा करवा सकते हैं।

लिस्ट पर आपत्ति हो तो 31 दिसंबर तक कर सकते हैं अपील

हरियाणा म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन चुनाव नियम के तहत 27 दिसंबर तक दावे और आपत्तियों के तौर पर जमा हुए सभी आवेदनों का सक्षम अधिकारियों द्वारा निपटारा किया जाएगा। मतदाता को किसी निर्णय पर आपत्ति है तो वह 31 दिसंबर तक उपायुक्त के समक्ष अपील कर सकता है।

छह जनवरी को होगा मतदाता सूची का आखिरी प्रकाशन

इन अपीलों का निवारण तीन जनवरी, 2025 तक कर दिया जाएगा। इसके बाद छह जनवरी को नई मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। संशोधित मतदाता सूची के आधार पर निकाय चुनाव करवाए जाएंगे। चुनाव का कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा। राजनीतिक पार्टियों ने भी शुरू की तैयारी राज्य निर्वाचन आयोग की सक्रियता को देखते हुए भाजपा एवं कांग्रेस ने भी सक्रियता बढ़ा दी है। दोनों पार्टियां चुनाव लड़ने वालों की पहचान कर रही हैं। भाजपा अपने सदस्यता अभियान के माध्यम से मजबूती से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की पहचान कर रही है।

भाजपा जिलाध्यक्ष कमल यादव का कहना है कि पार्टी हमेशा चुनावी मोड में रहती है। नगर निगम गुरुग्राम एवं मानेसर चुनाव को लेकर पार्टी तैयार है। उम्मीदवारों की पहचान का काम चल रहा है।

क्लबों के बाहर फेंके बम, क्षतिग्रस्त हुई स्कूटी; लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिली थी धमकी

गुरुग्राम। चंडीगढ़ में 15 दिन पहले रंगदारी को लेकर क्लबों के बाहर किए गए धमाके के बाद अब मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे गुरुग्राम के दो क्लबों के बाहर दो देसी बम फेंककर दहशत फैलाई गई। सूत्रों के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के नाम पर यहां मौजूद दो क्लबों से रंगदारी मांगी गई थी। हमले में एक स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई और क्लब का बोर्ड जल गया। हालांकि, कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। यहां मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने साहस का परिचय देते हुए आरोपित को पकड़ लिया। इसके पास से दो बम भी बरामद किए गए। सेक्टर 29 की मार्केट में एक साथ एक दर्जन से ज्यादा पब-बार व क्लब संचालित हो रहे हैं।

क्लब के बाहर खड़ी एक स्कूटी जल गई बताया जाता है कि 15 दिन पहले यहां मौजूद टॉय बॉक्स के नाम से संचालित पब-बार के मालिक को रंगदारी के लिए धमकी दी गई थी। मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे इसी क्लब के पास दो बम फेंके गए। दोनों बम इस पब के 20 फीट दूर आगे ह्यूमन क्लब के बाहर आकर गिरे। क्लब के बाहर खड़ी एक स्कूटी जल गई। इस क्लब का बोर्ड भी क्षतिग्रस्त हो गया। आरोपी की पहचान मेरठ निवासी सचिन के रूप में हुई उधर, टॉय बॉक्स के पास पहले से तैनात गुरुग्राम पुलिस की क्राइम ब्रांच व स्वैट टीमों ने साहस का परिचय देते हुए एक व्यक्ति को बम व हथियार सहित पकड़ लिया। इसके पास से एक कंट्री मेड पिस्टल बरामद की गई है। इसकी पहचान उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी सचिन के रूप में की गई है। दोनों बमों को निष्क्रिय किया वहीं, प्राथमिक जांच में पाया गया कि घटना के समय वह नशे की हालात में था और इसके द्वारा दो देसी बम फेंके जा चुके थे। दो बम इसके द्वारा और फेंके जाने थे, इससे पहले ही गुरुग्राम पुलिस ने इसे बम सहित पकड़ लिया। बम डिस्पोजल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दोनों बमों को निष्क्रिय किया। बता दें कि आगामी जांच के लिए आरोपित से क्राइम ब्रांच और एसटीएम टीम गहनता से पूछताछ कर रही है। इसने किसके कहने पर यहां बम फेंके और कहां से बम लेकर आया था। इसके साथ और कौन-कौन है। इसके बारे में पुलिस टीम पता लगा रही है। एनआइए करेगी मामले की जांच सूत्रों के अनुसार, मामला लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा होने पर सुबह ही इसकी जानकारी खुफिया विभाग ने चंडीगढ़, दिल्ली के कई विभागों को दी। वहीं, घटना के बाद डीसीपी क्राइम राजेश फौगाट, एसीपी क्राइम वरुण दहिया, क्राइम ब्रांच और एसटीएफ टीम ने भी यहां का जायजा लिया। एनआइए भी दोपहर बाद शहर पहुंची और बम विस्फोट की जांच अपने हाथ में ले ली। सेक्टर 29 मार्केट में क्लब के बाहर देसी बम से हमला किया गया है। कोई जानी नुकसान नहीं है। एक आरोपित को पकड़ा गया है। क्राइम ब्रांच, एसटीएफ टीम इससे पूछताछ कर रही है। यह किस गिरोह से संबंधित है, इसके बारे में जानकारी ली जा रही है। जल्द ही और जानकारी साझा की जाएगी। - वरुण दहिया, एसीपी क्राइम

ट्रैक्टर-ट्रॉली से सरकार को..., हुड्डा ने किसानों को दिल्ली जाने से रोकने पर जताई कड़ी आपत्ति

प्रातः किरण संवाददाता

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किसानों को दिल्ली जाने से रोकने पर कड़ी आपत्ति जताई है। हुड्डा ने कहा कि पहले किसानों के ट्रैक्टर-ट्रॉली से दिल्ली जाने पर सरकार को दिक्कत थी। तब सरकार ने किसानों से कहा था कि वे पैदल या निजी वाहनों से दिल्ली जा सकते हैं। किसानों ने सरकार की बात मानी तो उन्हें पैदल भी दिल्ली जाने से रोका जा रहा है।

किसानों को अपनी बात सरकार तक पहुंचाने का अधिकार है, यदि वे कानून हाथ में लेते हैं तो यह उचित नहीं है। नई दिल्ली में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए हुड्डा ने सरकार द्वारा किसानों को एमएसपी देने के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस बार तो धान भी एमएसपी पर नहीं बिका।

पूर्व सीएम बोले, किसान ट्रैक्टर-ट्रालियों की बजाय पैदल जा रहे, फिर क्यों रोक रही सरकार। एमएसपी के सरकार के दावे पर उठाए सवाल, कहा-धान भी एमएसपी पर नहीं बिका।

राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार नहीं खड़ा करेगी कांग्रेस पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने राज्यसभा के चुनाव में कांग्रेस की ओर से उम्मीदवार खड़ा करने से इन्कार किया है। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस के पास नंबर (विधायक) पूरे नहीं हैं। इसलिए वह चुनाव नहीं लड़ेगी। हुड्डा के इस ऐलान के बाद भाजपा के राज्यसभा सदस्य में किसी तरह का राजनीतिक गतिरोध नहीं रहा है। हुड्डा ने कहा, हर बार बीजेपी निकाय चुनाव में देरी करती है। कांग्रेस चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। भाजपा को तुरंत निकाय चुनाव कराने चाहिए। राहुल गांधी को संभल जान से रोकने को भी हुड्डा ने अलोकतंत्रिक करार दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र में विपक्ष की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है और उसकी बात को सुना जाना चाहिए। राहुल गांधी अकेले पीड़ित परिवारों से मिलने जाना चाहते थे। बावजूद इसके उनको रोकना पूरी तरह उनके संवैधानिक अधिकारों की अवहेलना है। बता दें कि किसानों के दिल्ली कूच को लेकर एक बार फिर से टीकरी बॉर्डर को सील करने की तैयारी हो गई है। अगर किसानों का पैदल कूच टीकरी बॉर्डर के रास्ते होता है तो यहां पर बॉर्डर सील किया जा सकता है। फिलहाल दिल्ली पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। पुलिस की ओर से दिल्ली सीमा में बॉर्डर पर बेरिकेडिंग शुरू कर दी गई है।

मौसम में हो सकता है बड़ा बदलाव, रात में लगेगी कड़ाके की ठंड

प्रातः किरण संवाददाता

रोहतक। मौसम में इस सप्ताह बदलाव हो सकता है, जिसके चलते रात्रि में ठंड बढ़ने के आसार जताए जा रहे हैं। मौसम विभाग की ओर से यह पूवार्नुमान लगाया गया है। हालांकि, अगले दिनों में आसमान साफ रहने की संभावना जताई जा रही है।

लेकिन न्यूनतम तापमान चार से पांच डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। उधर, मौसम के बदलाव के साथ ही हवा की गुणवत्ता में भी वृद्धि देखी जा रही है और बुधवार को रोहतक का एयर क्वालिटी इंडेक्स 75 तक आ गया, जो कि पिछले करीब 10 दिनों अच्छा माना जा रहा है।

जिला का पिछले दिनों का तिथिवार एक्यूआई

तिथि : एक्यूआई

तीन दिसंबर : 108

दो दिसंबर : 193

एक दिसंबर : 141

30 नवंबर : 198

29 नवंबर : 262

28 नवंबर : 220

38 दिन बाद मौसम हुआ साफ

बहादुरगढ़ में 38 दिन बाद प्रदूषण की दृष्टि से मौसम साफ हुआ है। 38 दिन बाद प्रदूषण का स्तर सबसे कम दर्ज किया गया है। रेड, ऑरेंज से प्रदूषण का स्तर येलो श्रेणी में आ पहुंचा है। इन दिनों यह स्थिति काफी ठीक मानी जाती है।

दिन में अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस होने और 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के कारण प्रदूषण उड़ गया। ऐसे में बुधवार को औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 121 माइक्रोग्राम दर्ज किया गया है।

इससे पहले गत 26 अक्टूबर को औसतन एक्यूआइ 118 माइक्रोग्राम था। इसके बाद प्रदूषण की स्थिति खराब हुई। प्रदूषण का स्तर कभी ऑरेंज तो कभी रेड श्रेणी में पहुंचा। गत 18 नवंबर को इस साल का सबसे प्रदूषित दिन भी दर्ज किया गया।

हालांकि अभी तक ठंड के मौसम का शुरूआती दौर है। इसके बावजूद नगर के बाजारों में गर्म रेडिमेड वस्त्रों की मांग अच्छी खासी बनी हुई है। विशेषकर नगर के मैन बाजार से लेकर पुराने बस स्टैंड, तहसील रोड, फोरलेन के दोनों ओर के बाजारों में रेडिमेड कपड़ों के छोटे बड़े शोरूमों, दुकानों, पटरी बाजारों पर खासी भीड़ देखी जा रही है।

इसी के साथ साथ हर साल की तरह प्रवासी तिब्बतियों ने भी स्थानीय घिकाड़ा रोड पर गर्म कपड़ों की स्टालें लगानी शुरू कर दी हैं।

फरीदाबादः दुकान में दम घुटने से हुई युवक की मौत

फरीदाबाद। फरीदाबाद में पेंट की दुकान में सोमवार रात आग लगने से फैले धुंए में दम घुटने से एक युवक की मौत हो गई। व्यक्ति खुद को आग से बचाने के लिए बाथरूम में जा छिपा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवा दिया है। मृतक की पहचान बुद्ध पाल निवासी आदर्श नगर कॉलोनी के तौर पर हुई है। वह चार बच्चों और अपनी पत्नी के साथ रहता था। 45 वर्षीय बुद्ध पाल मूल रूप से यूपी के मिजार्पुर का रहने वाला था। उसके परिजनों के बयान दर्ज करने के बाद आज शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। जानकारी के अनुसार सोमवार देर शाम को बल्लभगढ़ के मलेरना रोड के पास एक पेंट की दुकान में आग लग गई थी। उस समय दुकान में वेल्डिंग का काम चल रहा था। वैल्डिंग की चिंगारी से दुकान में आग भडक गई थी। आग से दुकान के अंदर रखा सारा सामान जल गया था। आग पर काबू पाने के बाद देर रात को दुकान में सर्च किया गया तो बाथरुम में एक युवक का शव पड़ा मिला। इसकी पहचान वैल्डिंग का काम कर रहे बुद्ध पाल के तौर पर हुई। वह आग लगने के बाद खुद को बचाने के लिए बाथ रुम में जा छिपा था। कुछ देर बाद यहां आग का धुआं भर गया। बुद्धपाल की इसमें दम घुटने से तौत हो गई। मृतक के शव को रात को ही अस्पताल पहुंचाया गया था। वहीं अब परिवार वालों ने आरोप लगाया कि इसमें दुकान मालिक की लापरवाही की वजह से बुद्धपाल की मौत हुई है।

सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर लौटी सृष्टि

गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

गुरुग्राम। दौलताबाद गांव की पहलवान सृष्टि ने सीनियर नेशनल रैसलिंग चैंपियनशिप बेंगलुरु (कर्नाटक) 6 से 8 दिसंबर 2024 के बीच हुई 68 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता है। श्री पवन पुत्र व्यायामशाला में इंटरनेशनल कोच प्रदीप मलिक के मार्गदर्शन में रैसलिंग की बारीकियां सीखकर सृष्टि ने हमेशा देशी-विदेशी धरती पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इससे पहले जुलाई 2024 में थाईलैंड में एशिया में गोल्ड मेडल, स्पेन में गत ममाह वर्ल्ड चैंपियनशिप जूनियर में ब्रॉन्च मेडल, 2023 में अंडर-17 में जॉर्डन में एशिया में गोल्ड मेडल, अंडर-17 में ही वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। पुणे में जनवरी 2024 में पुणे में हुई सीनियर रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल, अप्रैल-2024 में फेडरेशन कप बनारस में गोल्ड मेडल जीता। सरकार की ओर से कोच राजेश मलिक, संदीप सांगवान एनआईएस कोच ने भी सृष्टि की प्रतिभा को तराशने में मेहनत की है। सृष्टि की इस उपब्धि पर परिवार, गांव व गुरुग्राम में खुशी की लहर है। प्रतिभाशाली बेटी को बधाई देने के लिए लोगों का घर पर तांता लगा रहा। बड़े-बुजुर्गों ने सृष्टि को जीत की बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। अखाड़ा अध्यक्ष करण देव ने भी बेटी सृष्टि को आशीर्वाद देकर कहा कि बेटियों पर हमें नाज है। हमारी बेटियों ने सदा हमारे देश, प्रदेश का सम्मान बढ़ाया है। बेटियों को खेल ही नहीं हर क्षेत्र में आगे बढ़ाकर प्रदेश के हजारों परिवारों ने समाज में कीर्तिमान बनाए हैं। उन्होंने हर हरियाणवी से आग्रह किया कि बेटियों को उनकी रुचि के अनुसार उस क्षेत्र में जाने के लिए भरपूर मदद करें। सुविधाएं उपलब्ध कराएं। बेटियां हर समाज का गर्व और गौरव हैं।

फरीदाबाद में दस लाख की फिरौती मांगने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद में दुकानदार से दस लाख की फिरौती मांगने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। ये कार्रवाई अपराध शाखा उंचा ने की है। मामला थाना आदर्श नगर में दर्ज किया गया था। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि पांच दिसंबर को केशव जैन सुभाष कालोनी की शिकायत के मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त फरीदाबाद सौरभ सिंह ने पुलिस उपायुक्त अपराध, मकसूद अहमद और सहायक पुलिस अपराध, अमन यादव को तुरंत कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिए थे। जिस पर अपराध शाखा उंचा गांव टीम ने मामले में कुलदीप और नितिन को 12 घंटे के अंदर ही पकड़ लिया था। टीम ने षड्यंत्र में शामिल तीसरे आरोपी राहुल (24) गांव छीछरवाड़ी कामा जिला भरतपुर राजस्थान को भी गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि तीनों आरोपी दोस्त हैं, नितिन शिकायतकर्ता के पड़ोस में रहता है। राहुल और कुलदीप दोनों सुभाष कॉलोनी में रहते हैं। नितिन और राहुल दोनों एक कंपनी में काम करते हैं।

धान लदे ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल

प्रातः किरण संवाददाता

सैदनगली। थाना क्षेत्र के गांव ब्रह्मबाद निवासी सलीम गांव के पिंटू के साथ गजरौला रेलवे स्टेशन पर टिकट बुक कराने जा रहा था। मंगलवार दोपहर बाद जैसे ही उनकी बाइक कोतवाली क्षेत्र के गजरौला मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास पहुंची तो सामने से आ रहे धान लदे ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार दोनों लोग बुरी तरह घायल हो गए। आनन-फानन घायलों को नगर में निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। सलीम की हालत गंभीर देख चिकित्सक ने मेरठ रेफर किया। पुलिस ने धान लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली व बाइक को कब्जे में लिया है। कस्बा इंचार्ज संदीप मलिक ने बताया कि हादसे के संबंध में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई होगी।

रोहतक पुलिस ने 33 दिनों में किए तीन बड़े एनकाउंटर, अपराधियों को चेतावनी, प्रदेश छोड़ दें या अंजाम भुगतें

प्रातः किरण संवाददाता

रोहतक। एसपी नरेंद्र बिजारणिया ने चार नवंबर यानी 33 दिन पहले रोहतक का चार्ज संभाला था। इतने दिन में ही जिले में पुलिस ने तीन बड़े एनकाउंटर कर क्राइम नेटवर्क की कमर तोड़कर रख दी है। पुलिस का खौफ बदमाशों में दिखाई देने लगा है।

पहला एनकाउंटर आठ नवंबर को कलानौर के बसाना रोड पर हुआ था, जिसमें बदमाश व पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। दूसरा एनकाउंटर तीन दिसंबर को आइएमटी के नोनंद आउटर बाईपास पर हुआ था, जिसमें गैंगस्टर राहुल बाबा समेत तीन को गोली लगी, जिसमें एक की मौत हो गई थी। तीसरा एनकाउंटर जींद बाईपास समीप निमार्णाधीन गोहाना रोड पर हुआ, जिसमें हिमांशु भाऊ गैंग के शार्प शूटरों को गोलियां लगीं। जिनका उपचार पीजीआइ के ट्रामा सेंटर में चल रहा है। गैंगवार को खत्म करने के लिए जारी है पुलिस का एक्शन

इन तीन बड़ी कार्रवाई के दौरान पुलिस के भी पांच जवानों को गोलियां लगी, इस दौरान बुलेट प्रूफ जैकेट ने उनकी जान को बचा लिया। अब पुलिस गैंगवार को खत्म करने के लिए पूरी सख्ती बरत रही है और ऐसे में एसपी नरेंद्र बिजारणिया सीधी ने कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

सोमवार को हुई मुठभेड़ के दौरान पुलिस की टीम को सबसे पहले बदमाशों का इनपुट मिला कि वह जींद रोड के आसपास बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। ऐसे में एसपी के नेतृत्व में ही रात को

एसटीएफ व सीआइए-1 की स्पेशल टीम तैयार की गई। जिसमें सीआइए-1 प्रभारी निरीक्षक कुलदीप के नेतृत्व में ऑपरेशन चलाया गया।

08 नवंबरः कलानौर के बसाना रोड पर बदमाश व पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में सीनियर उप-निरीक्षक विनोद दलाल की बुलेट प्रूफ जैकेट पर गोली लगी, इससे एसआइ की जान बच गई।

बता दें कि पुलिस को वीरवार को सूचना मिली कि गुढ़ाण गांव निवासी प्रदीप तोमर की दो नवंबर को पीट-पीटकर हत्या करने के मामले आरोपित बसाना रोड स्थित एक कोटड़े में हथियार सहित छिपा है। इसके बाद कंट्रोल रूम में आठ नवंबर को रात करीब साढ़े नौ बजे सूचना दी गई। इसके बाद सीआइए-1 पुलिस की टीम को इस मिशन पर लगाया और फिर आरोपित को पहले वार्निंग दी गई।

03 दिसंबरः एसटीफ व सीआइए-2 को सूचना मिली थी कि गैंगस्टर राहुल बाबा निवासी सांघी, दीपक उर्फ फुतीर्ला उत्तर प्रदेश के जिला बागपत के बालिनी गांव व आयुष जींद बाईपास निवासी रोहतक के नौनंद आउटर बाईपास पर एक पल्सर बाइक पर सवार होकर हथियार सहित किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने जा रहे हैं।

इसके बाद मंगलवार रात ही एसटीएफ व सीआइए-2 की टीम ने आरोपितों का पीछा किया, जिसमें पुलिस टीम ने जैसे ही आरोपितों को रोकने का प्रयास किया तो दीपक उर्फ फुतीर्ला ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस व गैंगस्टर के बीच मुठभेड़ हो गई थी।

जिसमें तीनों आरोपितों के पैर में गाली मारी गई। जिसमें दीपक को पांच गोली टांग पर राहुल बाबा को तीन गोली टांग पर व आयुष को एक गोली टांग पर लगी।

इसके बाद उन्हें पीजीआइ के ट्रामा सेंटर ले जाया गया जहां उपचार के दौरान दीपक ने दम तो दिया था। घायलों का अभी पीजीआइ ट्रामा सेंटर में उपचार चल रहा है। जिन हाई सिक्योरिटी सेल में रखा गया है।

पुलिस ने गैंगवार को खत्म करने के लिए प्लानिंग तैयार कर ली है और इसके लिए इंटरनेट मीडिया पर साइबर टीम लगातार नजर रखे हुए है। अगर कोई क्राइम की गतिविधि नजर आई तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई आगे तक जारी रहेंगी।

हार के दो महीने बाद भी नहीं थम रही कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई

प्रातः किरण संवाददाता

चंडीगढ़। प्रदेश में कांग्रेस की हार के कारण खोजने में उलझे पार्टी नेता अब एक दूसरे पर दोषारोपण करने पर उतर आए हैं। मतगणना वाले दिन 14 विधानसभा सीटों पर ईवीएम में गड़बड़ी के संदेश को लेकर पार्टी प्रभारी दीपक बाबरिया और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान आमने-सामने हो गए हैं।

बाबरिया ने दो दिन पहले कहा था कि उन्हें ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत संबंधी जो संदेश मोबाइल पर मिला था, उसे प्रदेश अध्यक्ष के फोन पर उसी समय फारवर्ड कर दिया गया था। बाबरिया के दावे को चौधरी उदयभान ने खारिज किया है। उन्होंने कहा कि मुझे उनका कोई मैसेज नहीं मिला।

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की बैठक में पूछे गए ये सवाल

कांग्रेस दिग्गजों की इस लड़ाई के बीच सोमवार को नई दिल्ली में पार्टी की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की बैठक हुई, जिसमें कांग्रेस उम्मीदवारों से चार

सवाल पूछे गए।

पहला सवाल था कि चुनाव हारने की वजह क्या थी, आपकी विधानसभा में किन नेताओं ने दौरे किये, आपने किस स्टार प्रचारक को बुलाया था और कौन स्टार प्रचारक आपने विधानसभा क्षेत्र में आया, चौथा सवाल था कि चुनाव में ईवीएम का क्या रोल रहा, आपने किसी से कोई शिकायत की थी या नहीं।

फैक्ट फाइडिंग कमेटी की बैठक के बाद कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा कि कमेटी के सामने सभी ने अपने फैक्ट रख दिए हैं। जल्दी ही इसकी रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी जाएगी। बाबरिया और उदयभान के बीच चल रही है तानातनी

दीपक बाबरिया और उदयभान के बीच कांग्रेस की हार के बाद से तनातनी चल रही है। उदयभान ने आरोप लगाया था कि दीपक बाबरिया ने संगठन नहीं बनने दिया तथा उनके पास ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायतें आ गई थी, मगर बाबरिया ने उसे दबाए रखा। इस आरोप पर बाबरिया ने लंबे समय बाद शनिवार को कहा था कि उन्होंने अपने मोबाइल पर आए संदेश को उदयभान के पास फारवर्ड कर दिया था। उन्होंने यहां तक कहा था कि टिकटों के आवंटन में भी कांग्रेस में गलती हुई है।

प्रभारी के इस बयान पर प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने पलटवार करते हुए कहा कि मुझे कोई मैसेज नहीं मिला। मेरे पास जो मैसेज आया, वह अधूरा था। उसमें आधा सच और आधा झूठ था। मुझे नौ अक्टूबर को दोपहर तीन बजे कांग्रेस नेता जगदीप धनखड़ के फोन से मैसेज भेजा गया था। बाबरिया पर निशाना साधते हुए उदयभान ने कहा कि टिकट वितरण पर सवाल उठाना ठीक नहीं है।

वन टू वन हुई बातचीत

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की बैठक के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने बताया कि यह बैठक नहीं, वन टू वन बातचीत थी। कमेटी अब बैठक करेगी। उन्होंने कहा कि मैंने भी चुनाव में हुई कमियों को दूर करने की बात कही है।

हरियाणा में अभी भी कांग्रेस मजबूत है, बस सुधार होने की जरूरत है। फैक्ट फाइंडिंग कमेटी में शामिल छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल और राजस्थान के कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने खुद बैठकर जूम मीटिंग के जरिए हर नेता से वन टू वन बात की है।

फरीदाबादः दहेज हत्या मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

फरीदाबाद। दहेज हत्या के मामले में डबुआ पुलिस की टीम ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि थाना डबुआ में सुमित वासी छाता मथुरा उत्तर प्रदेश ने एक शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया कि उसकी बहन गायत्री उर्फ चंचल की शादी जून 2020 में मुकुल (25) डबुआ फरीदाबाद में हुई थी। गायत्री का एक लड़का (2) भी है। शादी के बाद से ही पति मुकुल, सास कविता, ससुर हरिसिंह, देवर हेमन्त बहार बहन की ससुराल के द्वारा दहेज के लिए गायत्री उर्फ चंचल को प्रताड़ित करने लग गए थे। दहेज प्रताड़ना के कारण गायत्री ने आत्महत्या कर ली थी। जिसकी शिकायत पर थाना डबुआ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना डबुआ की टीम ने आरोपी पति मुकुल को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

टीबी उन्मूलन राष्ट्रीय स्वास्थ्य के लिए जरूरी

टीबी उन्मूलन के लिए भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करने के लिए, इस योजना के तहत मासिक सहायता को नवम्बर 2024 से मौजूदा 500 से दोगुना करके 1,000 प्रति माह कर दिया गया है। एक और महत्वपूर्ण पहलू - टीबी मुक्त भारत अभियान ने न केवल पोषण की चुनौती का समाधान करने में मदद की है, बल्कि सामुदायिक एकजुटता को भी बढ़ाया है। इस कार्यक्रम ने एक जन आंदोलन बनाने के लिए विभिन्न सामुदायिक हितधारकों को भी एकजुट किया है ताकि जागरूकता बढ़ाई जा सके और टीबी रोगियों को पोषण, व्यावसायिक और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की जा सके।

श्री जगत प्रकाश नड्डा
लेखक

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश से टीबी को खत्म करने का स्पष्ट आह्वान किया। उनके नेतृत्व में टीबी की देखरेख का एक नया मॉडल अपनाया गया और भारत ने पिछले कुछ वर्षों में टीबी की रोकथाम, निदान और उपचार में महत्वपूर्ण बदलाव लाने के लिए अनेक नये तरीके अपनाने का बीड़ा उठाया। डब्ल्यूएचओ की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2024 के निष्कर्षों ने अब तक अपनाए गए चिकित्सकीय उपचार की प्रभावशीलता को स्वीकार किया। इसने 2015 से 2023 तक भारत में टीबी की घटनाओं में 17.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की - जो वैश्विक स्तर पर देखी गई गिरावट की दर से दोगुनी है। इतना ही नहीं, देश में 25.1 लाख रोगियों का निदान किया गया, जिससे देश में उपचार कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जो 2015 के 59 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 85 प्रतिशत हो गई है। प्रधानमंत्री की कल्पना से प्रेरित होकर, 7 दिसम्बर को, भारत ने अपनी टीबी उन्मूलन ननीति में एक और परिवर्तनकारी कदम उठाया। सरकार ने टीबी से लड़ने की अपनी ोशिश में तेजी लाने के लिए पंचकूला से 100-दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया, जिसमें 347 ऐसे जिले शामिल थे जहां टीबी के मामले सबसे अधिक थे। यह पहल कमजोर आबादी तक सक्रिय रूप से पहुंचकर और उन्हें समय पर, जरूरत के मुताबिक और गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान करके हर टीबी रोगी की जल्द पहचान करने के हमारे संकल्प को मजबूत करती है। जनभागीदारी की सच्ची भावना में, हम सभी - निर्वाचित प्रतिनिधि, स्वास्थ्य चिकित्सक, नागरिक समाज, कॉरपोरेट और समुदाय - ने अभियान को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए सहयोग किया है। राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के सक्रिय सहयोग से, यह नया अभियान भारत की टीबी उन्मूलन यात्रा में एक और उपलब्धि साबित होगा। टीबी उन्मूलन के लिए भारत का सामाजिक दृष्टिकोण विस्तारित निदान प्रयासों को पूरा करने और टीबी रोगियों के पूर्ण स्वास्थ्य लाभ में सहायता करने के लिए, भारत ने पोषण सहायता योजना झ्र नि-क्षय पोषण योजना (एनपीवाई) की अवधारणा बनाई और उसे क्रियान्वित किया। अप्रैल 2018 से, हमने एनपीवाई के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 1.16 करोड़ लाभार्थियों को 3,295 करोड़ वितरित किए हैं। टीबी उन्मूलन के लिए भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करने के लिए, इस योजना के तहत मासिक सहायता को नवम्बर 2024 से मौजूदा 500 से दोगुना करके 1,000 प्रति माह कर दिया गया है। एक और महत्वपूर्ण पहलू - टीबी मुक्त भारत अभियान ने न केवल पोषण की चुनौती का समाधान करने में मदद की है, बल्कि सामुदायिक एकजुटता को भी बढ़ाया है। इस कार्यक्रम ने एक जन आंदोलन बनाने के लिए विभिन्न सामुदायिक हितधारकों को भी एकजुट किया है ताकि जागरूकता बढ़ाई जा सके और टीबी रोगियों को पोषण, व्यावसायिक और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की जा सके। जन भागीदारी की भावना में सरकार और नागरिकों के बीच सामंजस्य ने देश भर में रोगियों को भोजन के 21 लाख पैकेट प्रदान करने के लिए 1.75 लाख नि-क्षय मित्रों को प्रेरित किया है। टीबी को खत्म करने के लिए नवाचार को बढ़ावा देना पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने उपचार की सफलता दर में सुधार के लिए बेडाक्विलाइन और डेलामैनिड जैसी नई दवाएँ पेश की हैं। दवा-प्रतिरोधी वैरिएंट वाले रोगियों के लिए उपचार पूरा करने में चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, हमने बीपीएएलएम-उपचार, जिसमें चार-दवा संयोजन शामिल हैं, को अपनाने की अनुमति दी है जो मौजूदा उपचारों की तुलना में अधिक प्रभावी है। जबकि हमारे पास पारंपरिक 19-20 महीने के उपचार के साथ-साथ 9-11 महीने का छोटा उपचार उपलब्ध है, बीपीएएलएम उपचार के साथ रोगी अब केवल छह महीने में उपचार पूरा कर लेंगे! हमने लगातार यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि सभी रोगियों का जल्द से जल्द पता लगाने और उनका इलाज करने के लिए जमीनी स्तर पर उन्नत उपकरण उपलब्ध हों। इसे सक्षम करने के लिए, हमने अधिक कुशल और सटीक निदान उपकरण झ्र मौलीक्यूलर परीक्षण किए। 2014-15 में कुछ सौ मशीनों से, अब हमारे पास सभी जिलों में 8,293 मौलीक्यूलर निदान मशीनें उपलब्ध हैं। वास्तव में, ह्यमेक इन इंडिया पहल से प्रेरणा लेते हुए, स्वदेशी मौलीक्यूलर परीक्षणों का क्षेत्र- परीक्षण किया गया है और उन्हें शुरू किया गया है। हम न केवल जिला और ब्लॉक स्तर पर टीबी का पता लगाने में लगने वाले समय को कम करने में सक्षम हुए हैं, बल्कि परीक्षण और उपचार की लागत में भी भारी कमी ला सके हैं। हमारे स्वदेशी मौलीक्यूलर परीक्षणों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मंजूरी मिल चुकी है और दुनिया भर में उनका उपयोग किया जा रहा है। इन पहलों ने भारत को वैश्विक टीबी प्रतिक्रिया में एक सच्चे नेता के रूप में स्थापित किया है। हमें इस बात पर भी गर्व होना चाहिए कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) 2018 1 से लगातार दुनिया भर में टीबी अनुसंधान के शीर्ष सार्वजनिक वित्तपोषकों में से एक रहा है। हम मरीज के नजदीक किए जाने वाले अधिक कुशल चिकित्सा परीक्षणों सहित नए उपकरण तेजी से विकसित करने और उन्हें पेश करने के लिए निवेश करना जारी रखेंगे। भविष्य के बारे में सोचना टीबी उन्मूलन की दिशा में भारत की यात्रा विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने और त्वरित तरीके से सिद्ध तकनीकों को उपलब्ध कराने में इसके नेतृत्व का प्रमाण है। अग्रणी अनुसंधान से लेकर उन्नत निदान और उपचार तक, सार्वभौमिक सामाजिक सहायता प्रावधानों की शुरूआत तक, भारत वैश्विक टीबी प्रतिक्रिया में सबसे आगे है। समय की मांग है कि टीबी की पहचान, निदान, उपचार और रोकथाम में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। तीव्र 100-दिवसीय अभियान टीबी को खत्म करने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है। मुझे विश्वास है कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में और सभी हितधारकों की भागीदारी के साथ, हम मानवता के इस महान दुश्मन को हरा देंगे और सभी के लिए एक स्वस्थ भविष्य का निर्माण करेंगे।

विधान सभा चुनाव में इंडी गठबंधन ने कोई करिश्मा नहीं दिखा सका

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

इंडी गठबंधन बनने के बाद राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और झारखंड में विधान सभा चुनाव हुआ, लेकिन विपक्ष ने कोई करिश्मा नहीं दिखा सका। इसका मतलब हुआ कि विपक्ष के गठबंधन में एकता नहीं है, क्योंकि कांग्रेस ने अपने सहयोगी दलों को चुनाव में तरजीह नहीं दिया है। इसी का परिणाम हुआ है कि विपक्षी पार्टियों ने कांग्रेस के साथ जहां जहां मिलकर चुनाव में अपने उम्मीदवार खड़ा किया वहां उन लोगों ने विपक्ष का ही वोट काटा है, जिसके कारण एनडीए को सीटों में बढ़त मिली। एकता का मूल मंत्र लगता है विपक्षी पार्टियां भूल रहा है और इसका थोपड़ा विपक्षी दलों के सहयोगी पार्टियां सीधे सीधे कांग्रेस पर फोड़ रही है, जबकि विगत वर्ष जुलाई महीने में बेगलुरु में मोदी सरकार और भाजपा के विरुद्ध विपक्षी गठबंधन इंडी बनाते समय मंच पर बैनर लगा था ह्यूनाइटेड वी स्टैंडङ्क। ह्यूनाइटेड वी स्टैंडङ्क का अर्थ होता है एकता में ही शक्ति है। लेकिन इंडी गठबंधन बनते ही गठबंधन के सूत्रधार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपना पाला बदल लिया, फिर भी लोकसभा आम चुनाव 2024 में एनडीए को इच्छित बहुमत नहीं मिली। चार राज्यों जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव परिणाम में एनडीए और इंडी गठबंधन के बीच बराबर-बराबर रहा। एनडीए को हरियाणा, महाराष्ट्र और इंडी गठबंधन को जम्मू-कश्मीर, झारखंड में बहुमत मिली। अगर सही ढंग से देखा जाए तो इंडी गठबंधन की उम्मीदों को जबर्दस्त झटका लगा है। हरियाणा और महाराष्ट्र में इंडी गठबंधन की पराजय से ऐसा लगता है कि विपक्षी पार्टियां अपना ही सूत्र वाक्य भूल रहे हैं। महाराष्ट्र चुनाव के बाद सपा ने महायुति छोड़ने का ऐलान कर दिया है। वहीं महाराष्ट्र लोक सभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन इंडी ने एनडीए को 48 में से मात्र 17 सीटी पर ही समेट दिया था, लेकिन विधानसभा चुनाव परिणाम चौकाने वाले आए। देखा जाए तो, हरियाणा और महाराष्ट्र आर्थिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण राज्य हैं। लोकसभा चुनाव में हरियाणा में इंडी गठबंधन का टक्कर बराबरी की थी इसलिए हरियाणा और महाराष्ट्र के विधान सभा चुनाव में इंडी गठबंधन के लिए हार बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि इन दोनों राज्यों में इंडी गठबंधन को जीत का विश्वास था। इंडी गठबंधन बनने के बाद कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में हार देखी। इन तीनों राज्यों में कांग्रेस की हार के कई कारण होंगे, लेकिन सहयोगी दलों के उम्मीदवार को तरजीह नहीं देना भी एक कारण रहा। जम्मू- कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद एनडीए ने चुनावी माहौल बनाया था लेकिन परिणाम निराशाजनक रहा। वहीं झारखंड में हरसंभव कवायद करने के बावजूद एनडीए सत्ता की दहलीज के आसपास भी नही पहुंच पाई यह एनडीए के लिए चिंता का विषय है। फिर भी, एनडीए ने हरियाणा और महाराष्ट्र की जीत में जम्मू-कश्मीर और झारखंड की हार को बखूबी छिपा लिया, जबकि इंडी गठबंधन ने आपस में ही तलवार भांज रहे है। इंडी गठबंधन में राजनीतिक हितों के टकराव से बनीं गांठे पुरानी हैं, जिन्हें बड़ी राजनीतिक मजबूरी के गठबंधन छिपाने की कोशिश कर रही है।

डिजिटल क्राइम से हो रहा मानवाधिकार उल्लंघन

समाज में बह रहे सूचनाओं के प्रवाह में हर दूसरी खबर मनुष्यता के अधिकारों के हनन से संबंधित होती है। यह समस्या एक देश, एक समाज एवं वर्ग विशेष की नहीं, बल्कि विश्वभर में रह रहे हर मनुष्य के साथ जुड़ी हुई है। आज जो आर्थिक एवं डिजिटल तौर पर सक्षम है, वो सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक तौर पर कमजोर वर्ग को नियंत्रित करने की कोशिश करता है। वैश्विक स्तर पर इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध एवं यूक्रेन व रूस युद्ध के मूल कारणों पर चर्चा की जाए तो मूल कारण नियंत्रण ही है। लेकिन इस नियंत्रणकारी नीति का खामियाजा आम जनता को ही भुगतना पड़ता है, जो शायद पूरी तरह से युद्ध के कारणों व परिस्थितियों से रूबरू भी नहीं है। इस परिस्थिति में आम जनता के अधिकार विनाशकारी तरीके से रौंद दिए जाते हैं। यह कोई नई बात नहीं, द्वितीय विश्व युद्ध के अत्याचारों ने मानव अधिकारों के महत्व को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अहम मुद्दा बना दिया था। इसी गंभीरता को समझते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को 10 दिसंबर 1948 को अपनाया था। इसलिए हर वर्ष यह दिन विश्व मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके अंतर्गत समानता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, भेदभाव से आजादी का अधिकार, अभिव्यक्ति का अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं भोजन का अधिकार आदि शामिल हैं जो व्यक्ति को समाज में हक एवं बिना किसी दबाव के जीने का अधिकार देते हैं। इस साल मानवाधिकार दिवस की थीम हमारे अधिकार, हमारा भविष्य रखी गई है। इसी के अंतर्गत डिजिटल सुरक्षा अधिकार को भी जोड़ा जाना चाहिए। भारत के संदर्भ में बात की जाए तो देश के संविधान में मौलिक अधिकारों का प्रावधान किया गया है। लेकिन इन अधिकारों की अनुपालना व अवहेलना सब परिस्थितियों के हिसाब से हो रही है जो वाकई में चिंता का विषय है। वर्तमान में ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में डिजिटल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए काम तो किया जा रहा है, लेकिन डेटा प्रोटेक्शन की कमी के कारण बढ़ती डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं ने मानवीय अधिकारों के भविष्य पर व्यापक चर्चा शुरू कर दी है। इस मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मन की बात कार्यक्रम में व्यापक चर्चा कर चुके हैं। डिजिटल अरेस्ट एक नया धोखाधड़ी करने का तरीका है जिसमें कोई अफसर बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से किसी भी धोखाधड़ी में फंसाकर रुपयों की मांग करता है। यह धोखाधड़ी शहरों से लेकर गांवों तक हर वर्ग में पहुंच चुकी है। हद तो तब हो गई जब पढ़ा-लिखा वर्ग भी डिजिटल अरेस्ट का शिकार हो रहा है। अभी हाल में ही नोएडा में सेवानिवृत्त मेजर जनरल को उनके नाम पर भेजे गए पार्सल में ड्रग्स होने की जांच के नाम पर पांच दिन डिजिटल अरेस्ट रखकर दो करोड़ की ठगी, सोनीपत में सेवानिवृत्त अधिकारी को व्हाट्सऐप पर नकली वारंट भेजकर डिजिटल अरेस्ट कर सरकारी खाते बताकर 1.78 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। ये संख्या बहुत लंबी है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 2020 से 2024 तक 582000 केस के अंतर्गत 3207 करोड़ के धोखाधड़ी मामलों की जानकारी है, यानी कि कई हजार केस तो पंजीकृत या प्रकाश में ही नहीं आए। वर्तमान में रुपयों का लेन-देन काफी हद तक डिजिटल हो चुका है। ऐसे में साइबर अपराध के माध्यम से मानवाधिकारों को सुरक्षित करना बहुत बड़ी चुनौती बन चुका है। जहां वर्ष 2014 में देश में 25 करोड़ इंटरनेट यूजर थे, जो 2024 में बढकर 95 करोड़ हो चुके हैं। दुनिया भर के कुल डिजिटल ट्रांजैक्शन का 46 प्रतिशत वर्तमान में भारत में हो रहा है। ऐसे में बड़ी संख्या में ठगों की नजर सीधा बैंक खातों पर रहती है। हालांकि सरकार द्वारा केन्द्रीय गृह मंत्रालय के तहत साइबर क्राइम हेल्प लाइन नंबर 1930 और रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर जाकर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। लेकिन कितनी शिकायतें दर्ज होती हैं और कितनी का निपटारा होता है, ये अपने आप में एक बहुत बड़ा सवाल है। आज के समय में डिजिटल तकनीक के माध्यम से मानवाधिकार हनन एक ज्वलंत मुद्दा है। इससे बचने का एकमात्र उपाय जागरूकता ही है। व्यक्तिगत तौर पर स्वयं भी और अपने आसपास साइबर अपराध से बचने के तरीकों को जानिए और बताइए सामाजिक स्तर पर फैल रही ज्वलंत फेक न्यूज, साइबर अपराध, सरकारी मशीनरी की जानकारी, कानून और विशेषकर ठगी होने पर शिकायत जरूर दर्ज करवाएं। सरकार को भी चाहिए कि टेलिकॉम ऑपरेटर और बैंकिंग सिस्टम को भी उपभोक्ताओं के निजी डाटा के प्रति जवाबदेह बनाएं ताकि अपराध होने पर ठगी करने वाला और जिस माध्यम से हो रहा है, दोनों को सजा दी जाए।

क्यों किसी को सुने तत्काल सुप्रीम कोर्ट?

सीजेआई संजीव खन्ना साहब के इस निर्णय से प्रभावित होने वाले कुछ भी सोचने के लिए स्वतंत्र है। वे इस फैसले को जन विरोधी भी बता सकते है। उसका समर्थन भी कर सकते है। मौन भी रह सकते हैं। अदालत शायद इसका बुरा नहीं मानेगी और तत्काल इसे अवमानना का मामला भी नहीं मानेगी। वैसे आपको याद रखना चाहिए की हमारे देश का सर्वोच्च न्यायालय किसानों के मामले में सरकार को और सरकार के मामले में किसानों को भी लताड़ चुका है अवधि के समान समय है। बहरहाल बात किसानों की है।

राकेश अचल
लेखक

दुनिया में हर कोई चमड़े का सिक्का चलाना चाहता है, फिर चाहे वो कोई राष्ट्रपति हो, प्रधानमंत्री हो या अतीत का कोई सम्राट, कोई तुगलक या कोई और। सब जानते हैं कि जिंदगी न मिलेगी दुबारा। देश के मुख्यन्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने भी सुप्रीम कोर्ट में तत्काल सुनवाई की आदिकालीन व्यवस्था पर रोक लगकर यही सब किया है। उन्होंने किसानों के मुद्दे को भी तत्काल सुनने से इंकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से असंख्य लोग निराश होंगे। मै भी इन्हीं में से एक हूँ। सुप्रीम कोर्ट हर तरह से सुप्रीम है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना द्वारा कुछ मामलों की तत्काल सुनवाई पर लगाई रोक से पहले सुप्रीम कोर्ट ने अनेक मामलों को तत्काल सुना है। कोर्ट आधीरात को भी खुला है और अवकाश के दिनों में भी। लेकिन ये सब मुख्य न्यायाधीश के पद पर आसीन व्यक्ति के ऊपर निर्भर रहता है कि वो किस तरह की व्यवस्था से न्याय का रास्ता प्रशस्त करे। तत्काल सुनवाई को लेकर मत भिन्नता हो सकती है। अपवादों को छोड़कर साम्य तौर पर सुप्रीम कोर्ट में तत्काल सुनवाई नहीं होना चाहिए क्योंकि माननीय सुप्रीम कोर्ट में लाखों मामले हैं जो कम से कम पांच साल से लंबित है। पहले इन्हें सुना जाना चाहिए, लेकिन देश में कभी-कभी ऐसे मुद्दे और मामले भी आते हैं जब उन पर तत्काल सुनवाई और फैसले जरूरी माने जाते हैं। लेकिन अब ये रास्ता फिलहाल बंद कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में समदृष्टि रखता है। उसने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मामले को भी तत्काल सुनने से इंकार किया था और अब किसानों के आंदोलन को देखते हुए किसानों के मामले में भी तत्काल सुनवाई से इंकार कर दिया है। अपने अधिकारों के लिए पिछले चार साल से आंदोलनरत किसान कोई 700 किसानों की बलि दे चुके हैं किन्तु उनके मामले को सुप्रीम कोर्ट यदि तत्काल सुनवाई के लायक नहीं समझता तो ये किसानों का दुर्भाग्य है, सुप्रीम कोर्ट का नहीं। देश में किसी किसान का बेटा शायद अब तक मुख्य न्यायाधीश की कुर्सी तक नहीं पहुंचा है अन्यथा उनके मामले को तत्काल सुनने से इंकार नहीं किया जाता। इस सर्वोच्च पद पर पहुँचने के लिए भी विरासत चलती है। आपके पिता, चाचा या और कोई रिश्तेदार यदि न्यायिक सेवा में रहे हैं तभी आपको यहां तक पहुँचने का रास्ता मिलता है।

आपको बता दें कि जिस तरह से दुनिया में हमारा लोकतंत्र सबसे पुराना है उसी तरह हमारी सर्वोच्च अदालत भी दूसरे देशों की अदालतों के मुकाबले सर्वशक्तिमान है। इसके पीछे कई कारण हैं.भारत की 73 साल पुरानी अदालत कार्यकारी अधिनियमों, संसदीय कानूनों और संविधान में संशोधन को रद्द कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट के कोई तीन दर्जन न्यायाधीश लगभग 70 हजार अपीलों और याचिकाओं का भार संभालते हैं और हर साल लगभग एक हजार फैसले देते हैं। एक पुराना आंकड़ा है कि नवंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट में 40 फीसदी मामले पाँच साल से अधिक समय से लंबित थे, जबकि आठ फीसदी दूसरे अन्य मामले 10 साल से अधिक समय से लंबित थे. साल 2004 में पाँच साल से अधिक समय से लंबित मामले सात फीसदी थे। मामलों को ट्रायल कोर्ट में शुरू होने से लेकर सुप्रीम कोर्ट के निपटारे तक औसतन लगभग 13 साल और छह महीने लग गए. इस दौरान शीर्ष अदालत की कार्यवाही में कुल समय का एक तिहाई समय लगा जो न्यायपालिका के प्रत्येक स्तर पर औसत अवधि के समान समय है। बहरहाल बात किसानों की है। किसानों के मामले पर तत्काल सुनवाई से इंकार करने से किसान भले ही विचलित हों लेकिन केंद्र सरकार ने तो सचमुच राहत महसूस की होगी। माननीय अदालत ने कहा है की उसके पास पहले से किसानों कि मामले में जनहित याचकाएँ लंबित हैं। इसलिए किसी नई याचिका पर तत्काल कोई सुनवाई नहीं हो सकती। इस मामले में सीजीआई के निर्णय पर कोई किन्तु-परन्तु नहीं कह सकता। कोई सबसे बड़ी अदालत के सबसे बड़े न्यायधीश से स्पष्टीकरण नहीं मांग सकता। कोई उनके फैसले के खिलाफ कहीं जाकर अपील नहीं कर सकता। किसान हों या केजरीवाल, अदालत को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उसे तो एक नयी लकीर खींचना है। एक नयी नजीर बनाना है। सुप्रीम कोर्ट अपना काम कर रही है। किसान अपना काम करें। कोई किसी को रोक तो नहीं रहा। सरकार भी अपना काम कर ही रही है। भले ही आज की सरकार बैशाखियों पर चलने वाली सरकार है। सुप्रीम कोर्ट में वकील अब किसी मामले की तत्काल लिस्टिंग और सुनवाई मौखिक नहीं करा सकते। सीजेआई संजीव खन्ना ने निर्देश दिए हैं कि वकीलों को इसके लिए ईमेल या लिखित आवेदन देना होगा। दरअसल, खन्ना साहब ने ये सब ज्यूडिशियल रिफोर्म के लिए सिटिजन सेंट्रिक एजेंडे] की रूपरेखा के तहत किया है। सीजेआई के फैसले से किसान ही नहीं सुप्रीम कोर्ट के वकील भी चकित हैं, क्योंकि उनका धंधा भी तो इस फैसले से प्रभावित हुआ है। जस्टिस संजीव खन्ना ने 11 नवंबर को देश के 51वें चीफ जस्टिस की शपथ ली थी। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई थी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर्ड हो चुके हैं। सीजेआई संजीव खन्ना के तत्काल सुनवाई के मामले में दिए गाये निदेर्शों पर अभी फिलहाल 13 मई 2025 तक तो पुनर्विचार नहीं हो सकता। अब जो भी होगा खन्ना साहब के सेवानिवृत्त होने के बाद होगा। तब तक किसान हों या केजरीवाल को इन्तजार करना होगा तत्काल सुनवाई के मामले मे। यदि कोई वकील माननीय सुप्रीम कोर्ट को लिखित में संतुष्ट करा दे तो अदालत तत्काल सुनवाई कार भी सकती है, लेकिन ये आसान काम नहीं है।

वैश्विक दक्षिण में भारत का नेतृत्व

डॉ .सुधाकर कुमार मिश्रा

वैश्विक दक्षिण, जिसे तीसरी दुनिया(3ए) के नाम से जाना जाता है, विकासशील नवोदित राष्ट्र झ्र राज्यों जो वित्त, शासकीय तकनीकी विशेषज्ञता, तकनीकी शोध एवं नवोन्मेष में पिछड़े हुए हैं, का समूह है। मौलिक स्तर पर ये राष्ट्र- राज्य गरीबी, बीमारी, आतंकवाद और उग्रवाद से पीड़ित हैं। विकसित राष्ट्र झ्र राज्यों के द्वारा जलवायु न्याय के लिए अत्याचार, वैश्विक दादाओ(पुतिन जी और जिनपिंग जी) और वैश्विक दरोगा (संयुक्त राज्य अमेरिका) के भौकाल के चुंगुल से आर्थिक स्वायत्तता की आवश्यकता है। समकालीन वैश्विक परिदृश्य में मोदी जी जैसे दूरदर्शी और राजनय में पारंगत और इच्छा से परिमार्जक ने इन विकासशील राष्ट्र- राज्यों को नेतृत्व दिया है। भारत सुरक्षा और संरक्षा में ह्य बड़े भाई ह्य की भूमिका में नेतृत्व कर रहा है तो विकासशील राष्ट्र झ्र राज्यों को औषधि के क्षेत्र में सहयोगी राज्य प्रत्यय की भूमिका का निर्वहन कर रहा है. कोविद-19 के दौरान औषधि, मास्क और मानवीय सहयोग के द्वारा उस ने अपनी उपादेयता सिद्ध की है। भारत(वर्तमान में) वैश्विक उत्तर और वैश्विक दक्षिण के खाई को पाटने का सफलतम और दूरदर्शी प्रयास कर रहा है। भारत इन राष्ट्र- राज्यों के लिए संरक्षक की भूमिका में भय और हताशा को हटाने का प्रयास कर रहा है जिससे जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास पर एकीकृत और सांगठनिक दृष्टिकोण का उन्नयन किया जा सके। भारत अपने नेतृत्व और उभरते व्यक्तित्व के द्वारा लोकतांत्रिक शासन(वैश्विक स्तर पर तानाशाही की समाप्ति), मानवाधिकार(प्रत्येक राष्ट्र झ्र राज्य अपने घरेलू नीतियों में मानवाधिकार का सुरक्षा और संरक्षण करें) एवं मानवाधिकार की सुरक्षा में अपना यथोचित सहयोग करें और विधि के शासन जो लोकतंत्र और संविधानवाद का अनन्य भाग है को बढ़ावा दे। बुनियादी ढांचे और औद्योगिक संरचना में निवेश को प्रोत्साहित करना है। भारत का विचार है कि अंतरराष्ट्रीय संगठनों को स्थानीय चुनौतियों का सामना एवं समाधान करने के लिए सबल करना है। वैश्विक दक्षिण की जटिल सामूहिक चुनौतियों के लिए लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, जलवायु और बहुपक्षीय शासन को संबोधित करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की वर्तमान में आवश्यकता है। वैश्विक दक्षिण के समूह राष्ट्र- राज्यों ने नवीकरणीय ऊर्जा, विकास क्षेत्र, टिकाऊ कृषि, वानिकी प्रथाओं, पारिस्थितिकी पर्यटन संरक्षण प्रयास, जलवायु लचीलापन और अनुकूलन पहल और हरित बुनियादी ढांचा विकास में पहल किया हैं। इन देशों ने डिजिटल परिवर्तन और नवाचार केंद्र बढ़ाने, आईटी, सॉफ्टवेयर उद्योग, मोबाइल भुगतान और वित्तीय समावेशन, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन बाजार, जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा में प्रबल उन्नति की हैं। इन सभी परिस्थितियों में भारत वैश्विक दक्षिण के राष्ट्र-राज्यों के लिए भारत का नेतृत्व समकालीन में आशा की किरण प्रतीत हुआ है जो अन्य राष्ट्र- राज्यों के लिए समान सहयोग और सतत विकास के लिए अनथक प्रयास कर रहा है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नाम) का नेतृत्व करने के अपने गरिमामई और उज्जवल इतिहास के साथ उभरता भारत समकालीन में वैश्विक भू झ्र राजनीति में एक गतिशील एवं ऊजार्वान भूमिका निभाने के लिए अपनी आर्थिक, सामाजिक, सामरिक सुरक्षा, संरक्षण और भू-राजनीतिऔर शक्ति की उपादेयता का उन्नयन कर रहा है। वैश्विक स्तर पर महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में सहयोग की संकल्पना दुर्लभ वस्तु हो चुकी है। कोविद-19 महामारी, रूस- यूक्रेन युद्ध, इसराइल संकट और वैश्विक स्तर पर गुटिकरण की राजनीति, आर्थिक एवं राजनीतिक संकटों ने वैश्विक दक्षिण की संकल्पना को प्रासंगिक बना दिया है। वैश्विक स्तर पर भारत दक्षिण वैश्विक के लिए प्रमुख राज्य कारक के रूप में उभर रहा है जो वैश्विक दक्षिण के राष्ट्र झ्र राज्यों के राष्ट्रीय हितों और भू झ्र राजनीति के मुद्दों को वैश्विक मंच पर जोरदार ढंग से उठा रहा हैं। वैश्विक स्तर पर सामाजिक आर्थिक असमानता, भुखमरी, आतंकवाद हथियारबंद, अंतर राज्य जुड़ाव की समस्याएं बढ़ी हैं। भारत ने विकसित राष्ट्र-राज्यों और विकासशील राष्ट्र झ्र राज्यों के मध्य सेतु के रूप में वैश्विक स्तर के संस्थानों को बहुपक्षवाद और बहुध्रुवीय दुनिया के रूप में तब्दील करने का दबाव डाला है। भारत में वर्ष 2023 में जी झ्र 20 की अध्यक्ष की मंच से वैश्विक दक्षिण की आवाज को बढ़ाया है। वैश्विक संबंधों में यह क्रांतिकारी अवसर संस्थाओं को समावेशी विश्व व्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण और उत्प्रेरक भूमिका निभा रहा है।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, बुधवार, 11 दिसंबर, 2024

संक्षिप्त खबरें

खेत में युवक का शव मिला

अमेठी। जिले के जामो थाना क्षेत्र के पूरे परमेश्वरी शिवपुर गांव के खेत में मंगलवार को एक 24 वर्षीय युवक का खून से लथपथ शव मिला है। पुलिस अधीक्षक अमेठी अनूप कुमार सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद बताया कि मठिया गांव के संजीव कुमार मिश्रा (24 साल) का शव पूरे परमेश्वरी शिवपुर के एक खेत में खून से लथपथ मिला है। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान है। एसपी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि एसओजी सहित कई पुलिस टीम लगाई गयी हैं और शीघ्र ही घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

खड़े टेंपो से टकराई मोटरसाइकिल, दो लोगों की मौत

बलिया। बलिया जिले के हल्दी थाना क्षेत्र के निरुपुर गांव में मंगलवार सुबह एक मोटरसाइकिल खड़े टेंपो से जा टकराई, जिससे दो युवकों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार, निरुपुर गांव में मंगलवार सुबह बलिया-बैरिया राजमार्ग पर खड़े टेंपो में एक मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई, जिसमें रमेश साहनी (38) तथा लखन साहनी (36) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के समय रमेश साहनी अपने भाई की शादी में रेवती थाना क्षेत्र के तुलसी छपरा में शामिल होकर आज सुबह अपने दोस्त लखन साहनी के साथ मोटरसाइकिल से अपने गांव लौट रहे थे। लखन साहनी बिहार के बक्सर जिले के रहने वाले थे। हल्दी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद टेंपो चालक वाहन सहित फरार हो गया। कुमार ने बताया कि इस मामले में टेंपो चालक के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

उप्र के फतेहपुर में नूरी मस्जिद के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के ललौली कस्बे में नूरी मस्जिद के अवैध निर्माण को मंगलवार को बुलडोजर से ढहा दिया गया। जिला प्रशासन ने नोटिस के बाद यह कार्रवाई की। इसके मद्देनजर मस्जिद और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्र ने मीडियाकर्मियों को बताया कि नूरी मस्जिद के अतिक्रमण वाले हिस्से को जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की मदद से हटा दिया गया है। मस्जिद और उसके आसपास के इलाकों में पांच सीओ, 10 थाना प्रभारी, निरीक्षक, 200 सिपाही, एक कंपनी पीएसी और एक प्लाटून आरएएफ मौजूद हैं। फतेहपुर जिले के बहराइच-बांदा मार्ग (एसएच-13) के एक हिस्से के चौड़ीकरण को लेकर लोक निर्माण विभाग किनारे के अवैध निर्माण को हटा रहा है। ललौली कस्बे में नूरी मस्जिद के प्रबंधन समिति को मार्ग पर अवैध निर्माण के संबंध में लोक निर्माण विभाग ने विगत 17 अगस्त को नोटिस दी थी। 24 सितंबर को ललौली कस्बे स्थित अवैध निर्माण को अभियान चलाकर लोक निर्माण विभाग ने हटा दिया था। इस दौरान सड़क पर मस्जिद वाले हिस्से के अतिक्रमण को हटाने के लिए मस्जिद प्रबंधन समिति ने कुछ वक्त मांगा था। मस्जिद प्रबंधन ने कहा था कि उक्त अवैध निर्माण को वे स्वयं ढहा देंगे, लेकिन उनके द्वारा अवैध निर्माण को हटाया नहीं गया। इस पर मंगलवार सुबह जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध निर्माण को बुलडोजर से ढहा दिया।

समय के अनुरूप खुद को तैयार नहीं करने वाले पीछे छूट जाते हैं : सीएम योगी

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कालचक्र किसी की परवाह नहीं करता है, उसका प्रवाह निरंतर चलता रहता है, इसलिए हमें खुद को समय की धारा के अनुरूप तैयार करना होगा। समय के अनुरूप खुद को सोचने और चलने की आदत डालनी होगी। समय के अनुरूप खुद को तैयार नहीं कर पाने वाले पिछड़कर पिछलग्गू हो जाते हैं। सीएम योगी मंगलवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम समय के अनुरूप समाज के प्रत्येक तबके को जोड़ते हुए टीम भावना के साथ समाज और देश हित के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएं। जब सामूहिकता की भावना और टीम वर्क से प्रयास किए जाएंगे तो परिणाम भी उसी के अनुरूप सार्थक आएंगे। परिणाम ही प्रयास और तैयारी के स्तर का वास्तविक परिचय देता है। टीम वर्क और परिणाम के बीच साम्य को समझाते हुए मुख्यमंत्री ने इंसेफेलाइटिस नियंत्रण की सफलता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पूर्वी उत्तर प्रदेश का बचपन इंसेफेलाइटिस के दुष्चक्र में 1977 से लेकर 40 साल तक फंसा रहा। पूर्वी उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में पचास हजार से अधिक बच्चों की मौत हो गई। पहले उपचार की व्यवस्था नहीं थी। उपचार की व्यवस्था हुई, वैक्सीन आया तो वायरस ने अपना नेचर चेंज कर लिया। 2017 में जब हमारी सरकार आई तो प्रदेश और केंद्र सरकार ने टीम भावना के साथ, डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ और अन्य संगठनों के सहयोग तथा सरकार के विभिन्न विभागों के समन्वय से मिलकर लड़ाई लड़ी। इसका परिणाम रहा कि 40 साल की समस्या का समाधान 2 साल में हो गया। इंसेफेलाइटिस नियंत्रण की सफलता कठिन चुनौतियों का सामना करने से लेकर टीम भावना से परिणाम प्राप्त करने की यात्रा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने आज की पीढ़ी के मोबाइल फोन के इस्तेमाल में अत्यधिक समय बिताने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी मोबाइल के उपयोग में अनावश्यक अत्यधिक समय बिताने से बचे। अपना समय प्रकृति के बीच, रचनात्मक कार्यों, अध्ययन और कौशल विकास की गतिविधियों में बिताएं। हमें यह ध्यान रखना होगा कि तकनीकी हमसे संचालित हो, हम तकनीकी से संचालित न हों। नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के जीवन से सीख लेने की बात करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी रुचि के अनुसार लीक से हटकर कुछ नया करने का प्रयास करना चाहिए। यह क्षेत्र समाज सेवा, सामाजिक चेतना, महिला एवं बाल उत्थान, अन्नदाता किसानों के जीवन में परिवर्तन या समाज से जुड़ा कुछ भी हो सकता है। हम किसी भी क्षेत्र को चुनकर आगे बढ़ सकते हैं। अपने क्षेत्र में, रुचि के अनुसार ईमानदारी और कठिन परिश्रम से कार्य करेंगे तो परिणाम अवश्य आएगा। जीवन शॉर्टकट का मार्ग नहीं है। जीवन में सफलता के सतत प्रवाह के लिए परिश्रम और ईमानदारी का कोई विकल्प नहीं है। यदि जीवन में अधूरी तैयारी होगी, विजन और एक्शन नहीं होगा तो कन्फ्यूजन की स्थिति बनी रहेगी। जीवन का उद्देश्य सिर्फ डिग्री और नौकरी हासिल करना नहीं हो सकता। जीवन का उद्देश्य विराट होना चाहिए। यदि हम विजन के अनुरूप निष्ठा और ईमानदारी से प्रयास करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने यही साबित किया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात समाज सुधारक और नोबल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का स्वागत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज ही के दिन दस वर्ष पूर्व उन्हें दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ था। कैलाश सत्यार्थी का जीवन प्रत्येक क्षेत्र के लोगों के लिए प्रेरक है, खासकर उन युवाओं के लिए जो किन्हीं कारणों से असमंजस की स्थिति में रहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपने संस्थापकों के मूल्यों और आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए 92 वर्षों से निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था और नागरिकों के मन में असमंजस की स्थिति थी, तब युवाओं में देश हित और स्वाभिमान की भावना को जगाने के लिए 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। देश और स्वाभिमान की प्रेरणा के प्रतीक महाराणा प्रताप के त्याग और बलिदान को केंद्र में रखकर राष्ट्रवादी शिक्षा का कार्य प्रारंभ किया। आज यह परिषद पूर्वी उत्तर प्रदेश में राष्ट्रवादी शिक्षा की गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाते हुए सेवारत है। संस्थापक सप्ताह के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नोबल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की उत्कृष्ट संस्थाओं, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। मंच से 200 पुरस्कार वितरित किए गए। करीब 800 पुरस्कार संस्थाओं के माध्यम से वितरित किए जाएंगे। संस्थापक समारोह के मुख्य महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नोबल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के हाथों एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में शिक्षा शास्त्र विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह की पुस्तक शिक्षा की भारतीय अवधारणा का विमोचन भी किया गया।

कौशांबी में अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के अलग-अलग इलाकों में एक दिन में तीन अलग-अलग सड़क हादसों में एक बुजुर्ग समेत पांच लोगों की मौत हो गई।

पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पहली दुर्घटना मंझनपुर थाना क्षेत्र के दिवारकोटारी गांव के पास हुई।

उन्होंने बताया कि छोगरियन का पुरवा निवासी प्रेमचंद (30) और उसका चचेरा भाई कक्कू (25) मोटरसाइकिल से सराय अकिल थाना क्षेत्र में अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार टैंकर ने पीछे से उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। श्रीवास्तव ने बताया कि प्रेमचंद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कक्कू ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि टैंकर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। दूसरी दुर्घटना मंझनपुर थाना क्षेत्र के टेंवा-नारा मार्ग पर हुई। श्रीवास्तव ने बताया कि जगन्नाथपुर गांव निवासी सुरेश सिंह (65) पश्चिमशरीरा में अपने रिश्तेदार के घर जा रहा था, तभी टेंवा के पास सामने से आ रहे ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। एसपी ने बताया, सुरेश को गंभीर चोटें आईं और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

तीसरी दुर्घटना सैनी थाना क्षेत्र के सिराथू में संत मलूक दास रेलवे ओवरब्रिज पर हुई। सोमवार देर रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने अजुवा नगर पंचायत निवासी दो युवकों अजय (25) और मुकेश (27) को ले जा रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। श्रीवास्तव ने बताया, अजय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मुकेश ओवरब्रिज से नीचे रेलवे ट्रैक पर गिर गया और उसकी मौत हो गई।

स्कॉर्पियो चालक वाहन छोड़कर भाग गया, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने दोनों अज्ञात चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में घर में घुसकर धारदार हथियार से दंपति की हत्या

बांदा । उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में टोडी फतेहपुर थाना क्षेत्र के कुटोरा गांव में मंगलवार सुबह एक व्यक्ति ने कथित तौर पर घर में घुसकर धारदार हथियार से एक दंपति की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

टोडी फतेहपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) देवेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि कुटोरा गांव में मंगलवार सुबह काशीराम ने घर में घुसकर पुष्पेंद्र (40) और उनकी पत्नी संगीता (35) पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे पुष्पेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई और गंभीर रूप से घायल पत्नी संगीता ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

उन्होंने बताया कि अब तक हत्या के कारणों का पता नहीं चला है। उनके अनुसार आरोपी काशीराम को गिरफ्तार कर घटना के बावत उससे पूछताछ की जा रही है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाया गया है।

भाकियू ने गन्ने से भरें वाहनों के साथ प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। भारतीय किसान यूनियन ने किसानों की शुगर मिल से सम्बंधित समस्याओं के समाधान कराने के लिए सोमवार को ब्लॉक कार्यालय और थाने पर गन्ने से भरे वाहन लाकर प्रदर्शन किया। किसानो और ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी गजेन्द्र सिंह टिकैत ने बताया कि आज होने वाले आंदोलन की तैयारी पूरी हो चुकी थी और तय समय और चेतावनी के अंतर्गत ब्लॉक और थाने में ये आंदोलन शुरू हुआ है और जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा यह आंदोलन अनिश्चितकालीन भी चल सकता है ज्ञापन के माध्यम से दी गई सभी समस्याओं के समाधान तक किसान आंदोलित रहेंगे। चौधरी गजेन्द्र सिंह कहा कि किसानों के साथ किसी की दशा में अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे। किसानों का हर तरफ से उत्पीड़न हो रहा है 1 महीने से ज्यादा शुगर फैक्ट्री प्रारंभ हुए हो गया लेकिन गन्ने के रेट घोषित नहीं हो सका है । सरकार पूर्व में किये गये अपने वायदे के मुताबिक 500 कुंतल गन्ने के रेट की घोषणा कर किसानों के साथ चुनाव से पहले किया वायदा पूरा करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मिल की तरफ से भी पर्याप्त पर्चियां उपलब्ध कराई जाएं। जिससे किसान अपना गन्ना मिल में डाल कर समयसे गेंहू की बुआई कर सके।

इस अवसर पर रामचरण ,सिंह गजराम सिंह, विजेंदर त्यागी,भूपेंद्र त्यागी ,यशपाल सिंह, आदी मौजूद रहे।

पोलियो अभियान में नही होने दी जाएगी कोई कोताही: डॉ. जुबैर

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। पोलियो को जड़ से खत्म करने के मकसद से सरकार द्वारा पुनः विशेष पोलियो अभियान शुरू किया गया है। जिसका शुभारंभ स्थानीय सी एच सी में रविवार को स्वास्थ्य विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर मुरादाबाद डॉ. आशु अग्रवाल और सी एच सी प्रभारी डॉ जुबैर अहमद द्वारा किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सी एच सी प्रभारी डॉ जुबैर ने बताया कि शासन के आदेशनुसार चल रहे इस 6 दिवसीय खास कार्यक्रम के अंतर्गत जहां रविवार को 151 बूथ बनाकर 0 से 5 साल तक के बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाई गई तो वहीं 8 दिसम्बर (रविवार) से डोर टू डोर जाकर एवं ईंट भट्टो पर रहने वाले बाहरी मजदूरों के बच्चों को भी डॉ .जुबैर और उनकी टीम ने पोलियो ड्राप पिलाकर पोलियो से बचाव के लिये रक्षा कवच दिया।

डा जुबैर ने बताया कि हमारा और इस काम में लगी पूरी टीम का मकसद यही है कि कोई बच्चा छूट न जाएं। डॉ. जुबैर ने सभी से अपील करते हुए कहा कि अपने बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए पोलियो ड्राप से जरूर पिलवाएँ। ताकि पोलियो जैसी भयंकर रोग से हमारे देश के बच्चे पूरी तरह सुरक्षित रह सकें और अपने मजबूत पैरों से अपना उज्जवल भविष्य बनाकर देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

नाबालिग लड़की से बलात्कार के जुर्म में व्यक्ति को 20 साल की सजा

प्रात : किरण संवाददाता

बरेली। जिले की एक स्थानीय अदालत ने नाबालिग लड़की से बलात्कार के जुर्म में 22 वर्षीय व्यक्ति को 20 साल की सजा सुनाई है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (शहर) मानुष पारीक ने बताया कि शुरू में आरोपी ने खुद के महिला किन्नर होने का दावा किया था, लेकिन अदालत के आदेश कराए गए मेडिकल परीक्षण में उसके जैविक रूप से पुरुष होने की पुष्टि हुई। उनके मुताबिक, नाबालिग से बलात्कार की यह घटना पिछले साल अगस्त में मीरगंज इलाके में हुई थी। अधिकारी ने बताया कि दोषी फरीन ने लड़की को टीवी दिखाने का झांसा देकर उसके साथ बलात्कार किया था और फिर घटना के बारे में किसी को बताने पर उसे नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी। पारीक ने बताया कि पुलिस ने तत्कालीन भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया था।

अधिकारी ने बताया कि सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए विशेष न्यायाधीश उमाशंकर खार ने फरीन को दोषी पाया। अदालत ने मेडिकल जांच रिपोर्ट और गवाहों के बयानों पर विचार किया। उनके मुताबिक, न्यायाधीश ने फरीन को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और उसपर 12,000 रुपये का जुमार्ना लगाया। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि जुमार्ने की राशि पीड़िता को दी जाए।

ट्रक और वैन के बीच टक्कर में तीन बच्चों समेत छह लोगों की मौत

हाथरस । हाथरस और सिकंदराराऊ के मध्य मंगलवार को एक ट्रक और वैन के बीच हुई टक्कर में तीन बच्चों समेत कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना हाथरस जंक्शन थाने के अंतर्गत जैतपुर गांव में हुई।

सिकंदराराऊ के क्षेत्राधिकारी (सीओ) श्यामवीर सिंह ने बताया कि ट्रक और वैन के बीच हुई टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि मृतकों में तीन बच्चे शामिल हैं। सिंह ने कहा, मृतकों के परिजनों को उनकी पहचान कराने के लिए बुलाया गया है।

मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्तों के घर चस्पा नोटिस

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। थाना स्योहारा में गत दिनों हुए मारपीट व लूट के मुकदमे में वांछित महिला सहित चार के घर पर सहसपुर चौकी प्रभारी यशदेव शर्मा के द्वारा नोटिस चस्पा किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लूट व मारपीट के थाना स्योहारा में हुए दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे एक महिला सहित चार आरोपियों के घर पर सहसपुर चौकी प्रभारी यश देव शर्मा ने धारा 82 के अंतर्गत नोटिस चस्पा किया है। बताते चले कि ग्राम मेवानवादा में वर्ष 2023 में दो पक्षो के बीच मारपीट की घटना हुई थी। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की थी। न्यायालय में विचाराधीन मुकदमे में न्यायालय द्वारा बार बार कोर्ट में पेश होने की सूचना देने पर भी पेश न होने पर चार आरोपियों के विरुद्ध धारा 82 के नोटिस चस्पा करने का आदेश दिया है। रविवार को थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार व एसआई यशदेव शर्मा ने रागिब पुत्र इकबाल, वाजिद पुत्र अब्दुल वहीद, शमशाद पुत्र रशीद निवासीगण ग्राम मेवानवादा व साइन पत्नी इकरार निवासी ग्राम किवाड़ स्योहारा के घर पर नोटिस चस्पा किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि नियत तिथि पर न्यायालय में पेश न होने पर कुर्की की कार्यवाई भी की जायेगी।

पहले किसानों पर पुलिस ने बरसाए फूल, अब दागे आंसू गैस के गोले

प्रात : किरण संवाददाता

चंडीगढ़। 101 किसानों का पहला जत्था फिर से दिल्ली के लिए अपना पैदल मार्च शुरू कर दिया है। लेकिन किसानों के लिए दिल्ली दूर नजर आ रही है। किसानों के सामने शंभू बॉर्डर पर हरियाणा पुलिस दीवार बन कर खड़ी है। लेकिन इस बीच शंभू बॉर्डर पर अनोखी वीडियो सामने आई है।

यह वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रही है। वीडियो में हरियाणा पुलिस प्रदर्शनकारी किसानों पर फूल बरसा रहे हैं। वहीं, कुछ देर बाद पुलिस ने किसानों पर आंसू गैस के गोले दाग दिए। 6 दिसंबर को भी पुलिस ने किसानों पर 20 से ज्यादा आंसू गैस के गोले दागे थे, जिसमें कई किसान घायल हो गए थे।

पुलिस ने किसानों को दी चाय

वहीं, हरियाणा पुलिस और प्रदर्शनकारी किसानों के बीच एक और अनोखी तस्वीर सामने आई है, जिसमें पुलिस किसानों को अदरक वाली चाय ऑफर कर रही है तो किसान उन्हें पानी की बोतल ऑफर कर रहे हैं। लेकिन जैसे ही किसान दिल्ली कूच की ओर आगे बढ़ रहे हैं तभी उनपर आंसू गैस के गोले दाग रहे हैं। फूल बरसाने पर क्या बोले किसान बैरिकेडिंग के पास बैठे कुछ किसानों का ने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार द्वारा फेंके गए फूल में केमिकल मिला हुआ था, इससे किसानों की तबीयत खराब हुई है। जिससे कई किसान घायल हुए हैं, अब तक कुल 4 किसान जख्मी हुए हैं जिन्हें राजपुरा के सिविल अस्पताल ले जाया गया है। मौके पर पहुंचे सरवण सिंह पंधेरकिसान नेता सरवण सिंह पंधेर मौके पर पहुंच गए हैं। वे किसानों को वापस लेने आए हैं। जिससे बैरिकेडिंग के नजदीक बैठे अब सभी किसान वापिस मोर्चा स्थल पर पहुंच गए हैं। सरवन सिंह पंधेर साढ़े चार बजे प्रेस वार्ता का एलान किया है, जिसमें वह आगे की रणनीति के बारे में स्पष्ट करेंगे।

बता दें कि हरियाणा पुलिस ने किसानों से पैदल मार्च निकालने के लिए अनुमति दिखाने को कहा। हरियाणा पुलिस ने पहले किसानों से आगे नहीं बढ़ने को कहा था और अंबाला प्रशासन द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत लगाए गए निषेधाज्ञा का हवाला दिया था।

अचानक भरभराकर गिरा लिंटर, बाल-बाल बचे मजदूर

हसनपुर ।डालते समय अचानक मकान का लिंटर भरभराकर गिर गया। मजदूर और मिस्त्री बाल-बाल बच गए। मौके पर काफी देर तक अफरातफरी मची रही। खासा नुकसान होने की बात कही जा रही है। कोतवाली क्षेत्र के गांव आगापुर उर्फ याकूबपुर में मंगलवार को मौलाना फुरकान के नवनिर्मित मकान की करीब दो हजार फीट छत का लिंटर डाला जा रहा था। मिस्त्री व मजदूर लिंटर डालने के काम में लगे थे। लिंटर डालने का लगभग सभी काम पूरा हो चुका था। अचानक लिंटर भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि मिस्त्री व मजदूर मलबे की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। फुरकान ने बताया कि लिंटर गिरने से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि कोई चोटिल नहीं हुआ। लिंटर गिरने का कारण तलाशा जा रहा है। प्रथम दृष्टया माना जा रहा है कि लिंटर की सपोर्ट हटने की वजह से हादसा हुआ।

महाकुंभ 2025 : आधुनिक तकनीक से दुनिया के सबसे बड़े हेडकाउंट की तैयारी

प्रात : किरण संवाददाता

महाकुंभनगर। जहां एक ओर महाकुंभ-2025 श्रद्धालुओं की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा, तो वहीं योगी सरकार मॉडर्न टेक्नोलॉजी की मदद से दुनिया का सबसे बड़ा हेडकाउंट कर नया इतिहास बनाएगी। ऐसा अनुमान है कि इस बार महाकुंभ में 40 से 45 करोड़ के बीच श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाने के लिए प्रयागराज आ सकते हैं। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं का सही आंकलन किया जा सके, इसके लिए योगी सरकार तकनीक के माध्यम से एक-एक श्रद्धालु का हेडकाउंट करने जा रही है। यह महाकुंभ ही नहीं, बल्कि किसी भी बड़े आयोजन में दुनिया के अंदर सबसे बड़ा हेडकाउंट हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मेला प्रशासन एआई तकनीक के साथ ही कई अन्य विधियों के जरिए इस उपलब्धि को हासिल करने का प्रयास करने में जुट गया है।प्रयागराज में जब भी कुंभ या महाकुंभ का आयोजन होता है तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने आते हैं। हालांकि, अब तक इनकी संख्या को काउंट करने की कोई सटीक तकनीक नहीं थी। इस बार योगी सरकार एआई कैमरों के साथ ही कई अन्य तकनीकों का सहारा ले रही है, ताकि महाकुंभ में आने वाले एक-एक श्रद्धालु की गिनती की जा सके और उन्हें ट्रैक भी किया जा सके। इस संबंध में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने बताया कि इस बार महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक लोगों के आने की संभावना है, जो अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड होगा। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की काउंटिंग और ट्रैकिंग के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। श्रद्धालुओं को ट्रैक करने के लिए मेला क्षेत्र के अंदर 200 स्थानों पर लगभग 744 अस्थायी सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, जबकि शहर के अंदर 268 स्थानों पर 1,107 स्थायी सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। यही नहीं, 100 से अधिक पार्किंग स्थलों पर 720 सीसीटीवी कैमरे इंस्टॉल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आईसीसीसी एवं पुलिस लाइन कंट्रोल रूम के अतिरिक्त अरैल एवं झूंसी क्षेत्र में भी व्यूइंग सेंटर्स बनाए गए हैं, जहां से श्रद्धालुओं की मॉनिटरिंग करने का प्रयास किया जा रहा है। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का हेडकाउंट बड़ी चुनौती है, लेकिन इसमें एआई का उपयोग बहुत महत्वपूर्ण होगा। एआई का उपयोग करते हुए ह्यक्राउड डेंसिटी अल्गोरिदमह्व से लोगों की काउंटिंग का भी प्रयास किया जा रहा है। एआई आधारित क्राउड मैनेजमेंट ह्यरियल टाइम अलर्ट जनरेटह्व करेगा, जिसके माध्यम से संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की काउंटिंग एवं ट्रैकिंग करना आसान होगा। मेला क्षेत्र में स्थापित आईसीसीसी में हेडकाउंट मॉडलिंग का कार्य देख रहे टेक्निकल स्टाफ के अनुसार हेडकाउंट में एक श्रद्धालु की बार-बार गिनती न हो, इसके लिए ह्यटर्नअराउंड साइकिलह्व महत्वपूर्ण होता है। इसको ट्रैक करने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है। घाट क्षेत्र में एक तीर्थयात्री द्वारा औसतन लिया गया समय ह्यटर्नअराउंड साइकिलह्व माना गया है। इसके तहत ह्यकोचरन्स फॉर्मूलाह्व के आधार पर सैंपल की संख्या निकाली जाती है। नॉन पीक दिनों में अनुमानित जनसंख्या 20 लाख और पीक दिनों में 10 करोड़ लेते हुए सैंपल काउंट किया जाता है।टर्नअराउंड समय निर्धारित तीन विधियों के माध्यम से प्राप्त सैंपल्स का औसत आंकड़ा होगा। इसमें पहला एट्रिब्यूट आधारित खोज होगा, जिसके तहत ह्यपर्सन एट्रिब्यूट सर्च कैमरेह्व के आधार पर ट्रैकिंग की जाएगी। दूसरा आरएफआईडी रिस्ट बैंड पर आधारित होगा, जिसमें प्रमुख स्नान के साथ-साथ महाकुंभ में प्रत्येक दिन आने वाले श्रद्धालुओं को रिस्ट बैंड प्रदान किए जाएंगे। आरएफआईडी रीडर के माध्यम से रिस्ट बैंड को ट्रैक किया जाएगा, जिससे पता चलेगा कि तीर्थयात्री ने मेला क्षेत्र में कितना समय बिताया, कितनी देर वह अंदर रहा और कितनी देर बाहर रहा। तीसरी विधि मोबाइल ऐप से ट्रैकिंग होगी, जिसमें तीर्थयात्रियों की सहमति पर मोबाइल ऐप के जीपीएस लोकेशन के जरिए लोकेशन ट्रैकिंग की जा सकेगी। इन सभी विधियों के माध्यम से हेडकाउंट की टेस्टिंग का कार्य प्रगति पर है।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के हेडकाउंट के लिए एआई कैमरों का वृहद स्तर पर उपयोग किया जा रहा है। यह कैमरे हर मिनट डाटा को अपडेट करेंगे। पूरा फोकस घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं पर होगा। यह सिस्टम सुबह 3 से शाम 7 बजे तक पूरी तरह एक्टिव रहेगा, क्योंकि स्नान का प्रमुख समय यही माना गया है। इससे पहले माघ मेला के दौरान भी इन विधियों का उपयोग किया गया था। इसके माध्यम से हेडकाउंट का 95 प्रतिशत तक सटीक अनुमान लगाया जा सकता है।

अधिशासी अधिकारी डॉ बृजेश कुमार ने किया फेकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। मंगलवार को अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार द्वारा पालिका के (एफ0एस0टी0पी0) फेकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण मे अधिशासी अधिकारी के साथ सेंटर फॉर साइंन्स एंड एनवायरनमेंट संस्था से आये हर्ष यादव साथ मे रहे। इस सम्बन्ध मे अधिक जानकारी देते हुए अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार द्वारा बताया गया कि स्वच्छ भारत मिशन शहरी के अंतर्गत शासन द्वारा नगर पालिका परिषद अमरोहा को एफ0एस0टी0पी0 (32 के0एल0डी0) के रूप में एक उपहार दिया गया है ।आज के निरीक्षण मे एफ0एस0टी0पी0 संचालन अपनी क्षमता के 50 % उपलब्ध मल गाद काट्रीटमेंट करता हुआ पाया गया। मेंजानकारी दी गयी। कि किस प्रकार से प्रतिदिन पालिका क्षेत्र के घरेलू/ वाणिज्यिक उद्यमों के मल टैंकों का मलबा (मल गाद) निकाल कर प्लांट तक पहुंचाया जाए। अधिशासी अधिकारी महोदय डॉ0 बृजेश कुमार द्वारा बताया गया कि कोई भी प्राइवेट ठेकेदार मल टैंकों का मलबा यदि पालिका प्लांट के अतिरिक्त खुले में अथवा किसी नाले/ तालाब में डालता है पाया गया तो उस पर जुमार्ने की राशि 5 से 25 हजार वसूली जाएगी। अधिशासी अधिकारी महोदय द्वारा समस्त नगर वासियो से अपील की गयीं की शौच टैंक का मलबा प्रत्येक तीन वर्ष बाद साफ करवा दें, क्यूंकि तीन वर्ष से अधिक पुराने मलबे मे हानिकारक बेक्टिरिया उत्पन्न हो जाते हैं जो मानव जीवन के लिए हानिकारक है, अतः समस्त नागरिक अपने अपने शौच टेंक को पालिका संयत्रो से साफ करवा दे एवं जागरूक नागरिक होने का परिचय दें। अमरोहा को सुन्दर व स्वच्छ बनाने मे पालिका का सहयोग करें।

संक्षिप्त खबरें

नोएडा की जेल में बंद आंदोलनकारी किसानों को मुफ्त में कानूनी मदद देंगे वकील

नोएडा, । समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव श्याम सिंह भाटी एडवोकेट के नेतृत्व में वकीलों का एक प्रतिनिधिमंडल ने जेल में बंद आंदोलनकारी किसानों से मुलाकात की और उनको हर संभव कानूनी मदद करने का भरोसा दिया। इस मौके पर श्याम सिंह भाटी एडवोकेट भाटी ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर में अपने अधिकारों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों को जेल भेजना दुर्भाग्यपूर्ण है। किसान अपनी न्याय संगत मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन शासन प्रशासन ने जिस तरह से दमनकारी नीति अपनाते हुए किसानों के साथ अपराधी जैसा बर्ताव किया है वह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि गौतमबुद्ध नगर जनपद के वकील आंदोलनकारी किसानों की लड़ाई न्यायालय में मुफ्त में लड़ेंगे और उन्हें हरसंभव कानूनी मदद प्रदान की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में ऋषि टाईगर एडवोकेट, पवन भाटी एडवोकेट, रवि भड़ाना एडवोकेट, सुमित बंसल एडवोकेट, दीपक नागर एडवोकेट, राकेश भाटी एडवोकेट, उम्मेद त्यागी एडवोकेट, सतेंद्र भाटी एडवोकेट, सोनम यादव एडवोकेट, सतीश भाटी एडवोकेट सहित अन्य अधिवक्ता शामिल रहें।

ग्रेटर नोएडा में गाड़ी में दिल्ली के छात्र का शव मिलने से मचा हड़कंप

ग्रेटर नोएडा, । ग्रेटर नोएडा के थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के शारदा पुश्ते के पास थार गाड़ी में एक छात्र का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। परिजनों का आरोप है कि छात्र की हत्या की गई है। वहीं नोएडा पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मृतक छात्रा के परिजनों द्वारा दिल्ली में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। ग्रेटर नोएडा के थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के शारदा पुश्ते के पास एक छात्र थार गाड़ी में अचेत अवस्था में मिलने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और अचेत व्यवस्था में मिले छात्र को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक छात्र की पहचान हर्ष शर्मा निवासी दिल्ली के रूप में हुई जिस गाड़ी में छात्र का शव मिला वह गाड़ी अंदर से लॉक थी। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में जांच की गई तो पता चला कि मृतक छात्र हर्ष शर्मा के परिजनों ने दिल्ली में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पहले बताया जा रहा था कि छात्र शारदा यूनिवर्सिटी का है लेकिन इस संबंध में जब शारदा यूनिवर्सिटी से पता किया गया तो वह छात्र उनकी यूनिवर्सिटी का नहीं निकला। वहीं छात्र के परिजनों का कहना है कि हर्ष पिछले कुछ दिनों से गायब था।

किशोर के हमलावरों को हिरासत में लिया

लोनी, । पुलिस ने किशोर पर कुल्हाड़ी से कातिलाना हमले के दो नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया है। एसीपी सूर्यबली मोर्या ने बताया कि 25 नवंबर को दोनों आरोपियों ने मिलकर एक किशोर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया था। हमले में पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया था। मामले में पीड़ित किशोर के पिता ने हमलावरों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। मंगलवार को दोनो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

गांजा तस्करी में दो आरोपी गिरफ्तार

लोनी, । पुलिस ने 19 किलो गांजे के साथ युवक और उसकी ममेरी बहन को गिरफ्तार कर किया है। गांजा आंध्रप्रदेश से तस्करी कर लाया गया था, जिसे बेचकर पूरा परिवार मुनाफा कमाता था। एसीपी सूर्यबली मोर्या ने बताया कि सोमवार रात ट्रॉनिका सिटी पुलिस ने शाहिद और उसकी बहन आफरीन को पकड़ा। दोनों विकास विहार गौरव मार्केट रामपार्क कॉलोनी के रहने वाले हैं। पूछताछ में आरोपी शाहिद ने बताया कि उसका मामा असगर उससे ऑर्डर पर आंध्रप्रदेश से गांजा मंगवाता है। वह ट्रकों से गांजा लाकर मामा असगर और मामी नौशाद बानो को देता था, जिसके बदले वह उसे पैसे देते थे। मामा, मामी, ममेरी बहन आफरीन और परवीन आदि सभी लोग गांजे को छोटी-छोटी पुड़िया में पैक कर राह चलते नशेड़ियों को बेचकर मोटा मुनाफा कमाते थे।

निगम की भूमि पर अवैध कब्जा व अनाधिकृत निमार्णों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाएगी

प्रात: किरण, संवाददाता

- निगमायुक्त ने प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़ी आधा दर्जन शिकायतों का कराया मौके पर समाधान
- मंगलवार को आयोजित समाधान शिविर में सुनीं कई शिकायतें

प्रात: किरण, संवाददाता

गुरुग्राम, । मंगलवार को निगमायुक्त की अध्यक्षता में आयोजित समाधान शिविर में प्रॉपर्टी टैक्स डाटा सुधार से संबंधित आई आधा दर्जन शिकायतों का मौके पर ही समाधान करवाया गया।
इनमें विशेष रूप से प्रॉपर्टी मालिक के नाम, पते या मोबाइल नंबर से संबंधित शिकायतें थी ।
जिनका समाधान संबंधित जोनल टैक्सेशन अधिकारियों द्वारा मौके पर ही कर दिया गया।
निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने अवैध कब्जा व अनधिकृत निमार्णों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई के दौरान एनफोर्समेंट विंग को निर्देश दिए कि वे इस मामले में प्रभावी कार्रवाई करें।

तथा निगम भूमि पर अवैध कब्जों को हटाने के साथ ही चारदीवारी आदि करके उसे सुरक्षित भी करें, ताकि दोबारा से वहां पर कब्जा ना होने पाए।
इसके साथ ही क्षेत्र में हो रहे अनाधिकृत निमार्णों के खिलाफ भी लगातार कार्रवाई करते रहें।
वहीं, सीवरेज मैनहोल के ढक्कन से संबंधित शिकायतों की सुनवाई के दौरान निगमायुक्त ने कहा कि संबंधित इंजीनियर यह सुनिश्चित करें कि एजेंसी द्वारा लगाए जाने वाले मैनहोल ढक्कन बेहतर गुणवत्ता के हों।
शिकायतकताओं ने बताया कि कई बार एजेंसी द्वारा ढक्कन लगाने के कुछ दिन बाद ही टूट जाते हैं।
इस पर निगमायुक्त ने कहा कि ढक्कनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ ही।
एजेंसी की जवाबदेही भी तय की जाए, ताकि इस प्रकार के मामलों की पुनरावृत्ति ना हो।
ढक्कन की एक समय सीमा निर्धारित की जाए ।
और इस समय सीमा के भीतर अगर ढक्कन टूटता है तो उसे बिना अतिरिक्त शुल्क बदलने की जिम्मेदारी एजेंसी की होगी।

बांग्लादेश में पीड़ित हिन्दुओं के लिए स्वायत्त क्षेत्र बनाया जाये: भारत भूषण

- गुरुग्राम विवि में हुई बांग्लादेश में सनातन धर्म पर हो रहे अत्याचार के विरोध में विचार गोष्ठी

प्रात: किरण, संवाददाता

गुरुग्राम, । बांग्लादेश में सनातन धर्म पर हो रहे अत्याचार के विरोध में विचार गोष्ठी में आरएसएस अखिल भारतीय सह-सम्पर्क प्रमुख भारत भूषण ने कहा कि जिस तरह से बांग्लादेश में हिंदुओं के हितों पर कुठाराघात हो रहा उसे किसी भी रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता है। उन्होंने हिंदुओं के हितों की रक्षा के लिए बांग्लादेश में स्वायत क्षेत्र बनाने की मांग करते हुए कहा कि बांग्लादेश में खुलाना व सिलीगुड़ी को स्वायत क्षेत्र घोषित किया जाए। इससे पूर्व डॉक्टर अशोक दिवाकर ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी। अनिल कश्यप ने मंच संचालन किया। इस गोष्ठी के बाद राष्ट्रपति के नाम जिला उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा गया। सनातन चेतना मंच के तत्वाधान में आयोजित की गयी इस गोष्ठी में भारत भूषण ने कहा कि बांग्लादेश में जिन क्षेत्रों में हिन्दुओं कि जनसंख्या 20 प्रतिशत से अधिक है। उन्हें चिन्हित करके स्वायत क्षेत्र बना दिया जाये, ताकि वे सुरक्षित अनुभव कर सकें। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज को मिटाने की ताकत किसी भी शक्ति में नहीं है। यह ठीक है कि हम जातियों में बटे हैं लेकिन आवश्यकता पड पर हिन्दू समाज एकत्रित होता है। जब यह उठ खड़ा होता है तो इतिहास साक्षी है कि फिर सनातन शौर्य के सामने कोई भी आसुरी शक्ति टिक नहीं पाई है। उन्होंने कहा कि इस घटना क्रम में पाकिस्तान जैसी शक्तिया भी शामिल हैं। बांग्लादेश को सुरक्षित करने के लिए भारत ने ही बांग्लादेश को पाकिस्तान से स्वतंत्रता दिलाई थी। यह बात जमायते इस्लामी जैसी कटरपंथी संस्थाओं को यह बात हजम नहीं हुई। पाकिस्तान के 93000 सैनिकों को भारत ने बंदी बना लिया था। यह विश्व कि एक ऐतिहासिक घटना थी जिसका मलाल पाकिस्तान को आज भी है। उस समय भी अनेक ऐसे कट्टरपंथी मानसिकता के लोग थे, जो पाकिस्तान से बांग्लादेश को अलग नहीं देखना चाहते थे। ऐसे ही लोगो ने मिल कर एक षड्यंत्र के चलते शेख हसीना को अपदस्थ करा दिया। उसके बाद से ही बांग्लादेश में जेहादी लोगों का नियंत्रण हो गया। आज वहां खुले रूप से मानवाधिकारों का उलंघन हो रहा है। उनके अनुसार इस घटनाक्रम के पीछे अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी की अपरोक्ष रूप से सहभागिता से इंकार नहीं किया जा सकता। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस तो केवल एक मुखौटा है। इसके पीछे मुस्लिम कटरपंथी संगठनों का षड्यंत्र है। यह दुर्भागयापर्ण है कि इस्कॉन जैसी शांति का सन्देश देने वाली संस्था को आतंकवादी संगठन बताया जा रहा है। यह विडम्बना ही है कि यह सब वहां कि सरकार के संरक्षण में ही हो रहा है। उन्होंने मोहम्मद यूनुस से नोबेल शांति पुरस्कार वापिस लेने की भी मांग की। विचार गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे ब्रह्मऋषि गीतानंद आश्रम के श्री श्री जयनन्द महाराज ने कहा कि कभी भारत से पूरा विश्व कांपता था, लेकिन हमारी आंतरिक फूट के कारण भारत कमजोर दिखाई देता है।

सेनिटेशन सिक्योरिटी फोर्स और अधिक प्रभावी रूप से करे कार्रवाई: डा. बलप्रीत सिंह

- एक सप्ताह में अवैध कचरा व मलबा डंपिंग करने वाले एक दर्जन वाहनों को किया जब्त

प्रात: किरण, संवाददाता

गुरुग्राम, । शहर में सार्वजनिक स्थानों, खाली जमीनों, ग्रीन बैल्ट, सडकों के किनारों आदि पर अवैध रूप से कचरा व मलबा डालने वालों की निगरानी व कार्रवाई के लिए निगम द्वारा सेनीटेशन सिक्योरिटी फोर्स का गठन किया गया है। फोर्स द्वारा पिछले एक सप्ताह के दौरान 24 घंटे निगरानी करते हुए एक दर्जन वाहनों को जब्त करके संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। मंगलवार को सैनिटेशन सिक्योरिटी फोर्स के सदस्यों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त निगमायुक्त डा. बलप्रीत सिंह ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फोर्स को और अधिक प्रभावी रूप से कार्रवाई करने की आवश्यकता है। हालांकि पिछले एक सप्ताह की कार्रवाई के दौरान कुछ हद तक अवैध डंपिंग करने वालों के हौंसले कम हुए हैं, लेकिन फोर्स के सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में 24 घंटे निगरानी बनाए रखें तथा लगातार गश्त करते रहें। उन्होंने कहा कि फोर्स के सदस्य बिना किसी भय और दबाव के कार्य करते रहें तथा जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए अपनी कार्रवाई जारी रखें। बैठक में सैनिटेशन सिक्योरिटी फोर्स के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि अगर कहीं पर किसी भी प्रकार की परेशानी आती है, तो संबंधित वरिष्ठ सफाई निरीक्षक तथा थाना अधिकारी को सूचित करें। इसके साथ ही पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल करें। उन्होंने कहा कि आप लोगों को किसी भी दबाव में आने की आवश्यकता नहीं है। शहर को स्वच्छ बनाने में आपकी भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि अवैध रूप से मलबा व कचरा डंपिंग के कारण शहर गंदा हो रहा है। हमें इसे पूरी तरह से रोकना है।

अन्तर्राज्यीय दुपहिया वाहन चोर गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार, 14 मोटर साइकिल व असलहा बरामद

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, । नोएडा पुलिस ने आज अन्तर्राज्यीय दुपहिया वाहन चोर गिरोह के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरोह के अन्य बदमाशों की पुलिस तलाश कर रही है। बंदी बनाये गए अभियुक्तों के कब्जे से थाना फेस-3 पुलिस ने 14 मोटरसाइकिल, देसी तमंचा, चाकू, 7 फर्जी नंबर प्लेट आदि बरामद किया है। इनका एक साथी फरार है। इन बदमाशों के खिलाफ एनसीआर के विभिन्न थानों में 22 मुकदमें दर्ज है। पुलिस उपायुक्त जोन द्वितीय शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना फेस-3 पुलिस ने एक सूचना के आधार पर सेक्टर-71 के पास से अन्तर्राज्यीय दुपहिया वाहन चोर गिरोह मोहित पुत्र मनोज कुमार निवासी ग्राम हरौला नोएडा तथा अजय पुत्र राजेश सिंह निवासी सेक्टर-67 को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनकी निशानदेही पर पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न जगहों से चोरी की गई 14 मोटर साइकिल, एक चाकू, एक देसी तमंचा और 7 फर्जी नंबर प्लेट बरामद किया है। उन्होंने बताया कि इनका एक साथी मौके से भाग गया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त भीड़भाड़ वाले क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी करने में माहिर है। अभियुक्तों द्वारा अन्य राज्यों हरियाणा, उत्तराखण्ड, दिल्ली व यूपी में भी वाहन चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दिया गया है।

नकली प्रोटीन बनाने वाली एक फैक्टरी का भंडाफोड, तीन लोग गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, । नोएडा के सेक्टर-63 स्थित जी ब्लॉक में असली के नाम पर नकली प्रोटीन (फूड सप्लीमेंट) बनाने की कंपनी चल रही थी। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने कंपनी पर छापा मारकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मौके से भारी मात्रा में नकली नकली प्रोटीन (फूड सप्लीमेंट) बरामद किया है। पुलिस का दावा है कि पकड़े गए आरोपी नकली फूड सप्लीमेंट को एनसीआर की विभिन्न दुकानों और जिम संचालकों को असली बताकर सप्लाई करते थे। आरोपी अब तक लाखों रुपये का फूड सप्लीमेंट सप्लाई कर चुके हैं। गाजियाबाद के रहने वाले हैं तीनों आरोपी सेन्ट्रल नोएडा डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना सेक्टर-63 पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र के सेक्टर-63 के जी-ब्लॉक स्थित एक कंपनी में नकली प्रोटीन (फूड सप्लीमेंट) बनाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने वहां छापेमारी की। पुलिस ने मौके से साहिल यादव पुत्र मुकेश यादव निवासी इंदिरापुरम गाजियाबाद, हर्ष अग्रवाल पुत्र प्रमोद अग्रवाल निवासी इंदिरापुरम गाजियाबाद और अमित चौबे पुत्र सुरेश चौबे निवासी साहिबाबाद गाजियाबाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 35 प्रोटीन के डिब्बे, 2050 छोटे कैप्सूल के डिब्बे, 10 पैकेट खाली रैपर, 5500 खाली डिब्बे, 10 बोरी पाउडर, एक नीले रंग का छोटा ड्रम, पैकिंग मशीन, प्रिंटिंग मशीन, तीन मुहर आदि बरामद किए हैं। पुलिस ने बरामद सामानों को कब्जे में लिया है। नामी कंपनियों के रैपर का करते थे उपयोग डीसीपी ने बताया कि पूछताछ में पुलिस को पता चला कि आरोपी लंबे समय से नकली प्रोटीन बनाकर एनसीआर में लोगों को सप्लाई कर रहे थे। ये लोग कई नामी कंपनियों के नाम पर नकली सामान बनाकर लोगों को सप्लाई करते थे। पुलिस इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। जांच में पुलिस को पता चला कि ये लोग दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में नकली प्रोटीन बनाकर विभिन्न दुकानों और जिम में काम करने वाले लोगों के जरिए बेचते थे। टीम ने सैंपल लेकर उनकी जांच की। पता चला कि डिब्बे में मात्रा लिखी थी। पाउडर में ऐसा कुछ नहीं था जो इस तरह भरा जा रहा था। यह पूरी तरह से नकली था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सनत सांगवान की पारी से भवानी यूथ क्रिकेट एकेडमी पांच विकेट से जीती

प्रात: किरण, संवाददाता

गाजियाबाद, । नेहरू स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए मैच में भवानी यूथ क्रिकेट एकेडमी ने सनत सांगवान की पारी की बदौलत जेम्स रीबॉक टीम को पांच विकेट से शिकस्त दी। मैन ऑफ द मैच सनत ने शानदार 120 रन की पारी खेली। नेहरू नगर स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आठवें कार्पेडियम बीआर शर्मा ट्रॉफी के मैच में जेम्स रीबॉक ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पूरी टीम 37.3 ओवर में 230 रन पर सिमट गई। उसकी तरफ से आशमन गुलाटी ने सर्वाधिक 59 रन की पारी खेली। जसकरण सिंह ने 45,राज गुप्ता ने 36 रन का योगदान दिया। भवानी यूथ के गेंदबाज यथार्थ सिंह ने सबसे ज्यादा चार और नीलमणि ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य को हासिल करने मैदान पर उतरी भवानी यूथ क्रिकेट एकेडमी ने सनत सांगवान के शानदार 120 रन बदौलत 34.1 ओवर में पांच विकेट पर 234 रन बनाकर मैच जीत लिया। टीम की तरफ से सिद्धांत के 34, शिवम के 23 रनों का योगदान दिया। रीबॉक के रवि को दो विकेट और हिमांशु को एक विकेट मिला। 120 रन की उम्दा पारी खेलने वाले सनत सांगवान को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त करने के लिए ड्राइव चलाएगा निगम: रेनू सोगन

नियमित कॉलोनियों में निर्माण के लिए नक्शा पास करवाना अनिवार्य

- नयमित कॉलोनियों में निर्माण के लिए नक्शा पास करवाना अनिवार्य
- निगम क्षेत्र में तीनों नियमित कॉलोनियों में नक्शा पास करवा कर ही निर्माण शुरू करें
- सीएम विंडो, पीजी पोर्टल, जनसंवाद आदि पोर्टल से प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान हो

प्रातः किरण संवाददाता,

गुरुग्राम, । नगर निगम आयुक्त रेनू सोगन ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में नियमित कॉलोनियों में भवन निर्माण से पहले नगर निगम की प्लानिंग ब्रांच से नक्शा पास करवाना अनिवार्य है। बिना नक्शा के निर्माण करने पर नगर निगम कार्रवाई करेगा। अगले सप्ताह से नगर निगम की टीम सरकारी जमीन को अवैध कब्जा से मुक्त करवाने के लिए स्पेशल ड्राइव चलाएगी। निगम आयुक्त ने मंगलवार को अपने कार्यालय में निगम अधिकारियों की मासिक बैठक में यह बात कही। इस दौरान उन्होंने निगम की ओर से करवाए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा भी की। आयुक्त ने इंफोर्समेंट शाखा के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि नगर निगम क्षेत्र में तीनों नियमित कॉलोनी गांव भांगरौला स्थित बी-7, गांव हयातपुर स्थित शहीद भगत सिंह कॉलोनी और वजीरपुर एन्क्लेव स्थित बी-44 में बिना नक्शा पास करवाए निर्माण कार्य न हो। निगम द्वारा नक्शा पास होने से निगम के पास कॉलोनियों में बने मकानों का पूरा ब्यौरा होगा। इसके अलावा आयुक्त ने इंफोर्समेंट विंग से जुड़े अधिकारियों को आदेश दिए कि अगले सप्ताह से निगम की जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त करवाने के लिए स्पेशल ड्राइव चलाएं। आयुक्त ने साथ ही कहा कि विभिन्न सरकारी पोर्टल जैसें सीएम विंडो, पीजी पोर्टल, जनसंवाद आदि पोर्टल से प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित हो। समाधान शिविर में नगर निगम से संबंधित शिकायतों का तय समय में निवारण करते हुए शिकायतकर्ता से संतुष्टि पत्र लेकर उसे पोर्टल पर अपलोड करें। बैठक में उनके साथ नगर निगम के उप-निगम आयुक्त विनोद नेहरा, एसई विजय ढ़ाका, एक्सईएन तुषार यादव, सीईओ बीबी कालरा, एसडीओ रविंद्र दहिया, विपिन बूरा, जेडटीओ देवेंद्र कुमार, सहायक उदय सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

वाहन चोरी करने वाले दो बदमाशों को दबोचा

नोएडा, । नोएडा में थाना फेज-3 पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि दोनों आरोपी अंतरराज्यीय दोपहिया वाहन चोर हैं। इनके पास से उनके पास से 14 मोटरसाइकिल और 7 फर्जी नंबर प्लेट बरामद की गई हैं। दोनों ने मिलकर उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और यूपी के अलग-अलग शहरों से बाइक चोरी की थीं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की है। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना फेज -3 पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सेक्टर-71 डंपिंग ग्राउंड से गिरफ्तार दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मोहित उर्फ पुदीना और अजय सिंह उर्फ सिनचौन के रूप में हुई है। दोनों मिलकर पहले भीड़भाड़ वाले इलाकों में खड़ी बाइकों की रेकी करते थे। इसके बाद मास्टर चाबी और अन्य साधनों की मदद से बाइक का लॉक खोलते और फिर उसे चुराकर भाग जाते थे। बाइक चोरी करते ही उसकी नंबर प्लेट बदल देते थे। ताकि अगर बाइक सर्विलांस या सीसीटीवी कैमरे से गुजर रही हो तो उसकी पहचान न हो सके। इसके बाद सुनसान इलाकों, पार्किंग और अन्य जगहों पर इसे छिपा देते थे। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि अगर कोई ग्राहक मिल जाता तो सस्ते दामों पर बाइक बेच देते। या फिर बाइक के पुर्जे अलग करवाकर बेच देते। इन दोनों के खिलाफ हरियाणा के पानीपत, दिल्ली, उत्तराखंड के हरिद्वार और यूपी के बागपत, नोएडा, गाजियाबाद में 22 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं।

नोएडा के सीईओ ने किया सेक्टर-62, 63 व एनएच-9 जंक्शन का निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता,

नोएडा, । नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-9 तथा सेक्टर-62 व 63 जंक्शन पर जाम से निजात दिलाने के लिए फुटओवर ब्रिज व सड़क के चौड़ीकरण के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने फुटपाथ का निर्माण करने के लिए खाली स्थान की लेवलिंग कर बांये मुड़ने का एलाइनमेंट तैयार करने के निर्देश दिए। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने मंगलवार को सेक्टर-62, 63 व एनएच-9 जंक्शन का निरीक्षण किया। उनके साथ ओएसडी महेन्द्र प्रसाद, महाप्रबंधक (नोएडा ट्रैफिक सेल व जनस्वास्थ्य) एपी सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक (जन स्वास्थ्य खंड-1) गौरव बंसल, खंड-2 के प्रभारी आर.के. शर्मा तथा ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी भी मौजूद थे। निरीक्षण के बाद सीईओ ने मैट्रो रेल के समीप खाली भूमि में पार्किंग के निर्माण के साथ-साथ क्योस्क का भी निर्माण करने के निर्देश दिये गये। एन0एच0-9 के साथ-साथ सैक्टर-63 के मार्ग का छिजारसी तक चौड़ीकरण करने के निर्देश दिये गये। एन0एच0-9 से छिजारसी प्रवेश मार्ग जंक्शन के आस-पास के क्षेत्र का विस्तृत सर्व कर नियोजन / प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये गये ताकि उक्त जंक्शन पर ट्रैफिक जाम की समस्या का निवारण हो सके। ग्रीन बेल्ट को विकसित करने के निर्देश उन्होंने सैक्टर-62 में एन0एच0-9 के साथ-साथ स्थित ग्रीन बेल्ट में हो रहे अतिक्रमण झुग्गी-झोपड़ी आदि को तत्काल हटाने के निर्देश दिये गये। एन0एच0-9 के समानान्तर ग्रीन बेल्ट को विकसित करने के निर्देश दिये गये। सैक्टर-62 व 63 के फटपाथ की साफ-सफाई कराने के निर्देश दिये गये। सैक्टर-57 व 58 चौराहे पर निर्मित वाटर फाउंडेशन खराब है, जिसकी तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिये गये। नौएडा क्षेत्र के मुख्य मार्गों पर थर्मोप्लास्टिक पेंट व जेबरा क्रांसिंग का कार्य प्राथमिकता पर कराने के निर्देश दिये गये। सड़कों पर हो रही अवैध पाकिंग को लेकर दिए निर्देश सड़कों पर हो रही अवैध पाकिंग का सर्वे समस्त वर्क सकिल द्वारा करा कर रिपोर्ट दस दिन में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। सेक्टर-57 व 22 के चौराहे पर कर्व स्टोन गिरे हुए पाये गये उनकी तत्काल मरम्मत कराने एवं किनारे के कर्व स्टोन को हटाते हुए लेवल करने के निर्देश दिये गये। सैक्टर-62 में खोड़ा के आस-पास कुछ स्थानों पर गंदगी पाई गई, जिसकी तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिये गये। सैक्टर-62 एवं खोड़ा के मध्य मार्ग पर सैक्टर-62 की ओर सडक के किनारे पर काफी चौड़ाई में कच्चा भाग है जो सडक की टॉप लेवल से काफी नीचा है उसे ठीक कराने एवं के0सी0 ड्रेन बनाने के निर्देश दिये गये एवं सैक्टर-62 की ओर का फुटपाथ भी क्षतिग्रस्त है उसकी मरम्मत कराने के निर्देश दिये गये।

बागी 4 में विलेन का किरदार निभाएंगे संजय दत्त

ाइगर श्रॉफ की अपकमिंग फिल्म बागी 4 में
अब संजय दत्त भी नजर आएंगे। मेकर्स ने
फिल्म में एक्टर की एंट्री को ऑफिशियल
कर दिया है। संजय दत्त ने फिल्म का नया
ोस्टर अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया
। जिसमें वह काफी खूंखार रोल में नजर
ा रहे हैं। फिल्म में संजय दत्त की एंट्री के
ाद अब बागी 4 का बज बन रहा है। जो अब
ाक नहीं था।

ाजिद नाडियाडवाला ने हाउसफुल 5 के बाद
अब संजय दत्त को बागी 4 में भी कास्ट किया
। फिल्म में एक्टर विलेन के किरदार में नजर
ाएंगे। उनका एक जबरदस्त फर्स्ट-लुक
ोस्टर भी शेयर कर दिया गया है। फिल्म
ा नया पोस्टर साजिद नाडियाडवाला,
ाइगर श्रॉफ और खुद संजय दत्त ने अपने
ोशल मीडिया पर शेयर किया है। पोस्टर
ेयर करते हुए लिखा- एवरी आशिक इज
विलेन

ाइगर श्रॉफ की बागी 4 इन दिनों काफी
र्चा में है। फिल्म का पहला पोस्टर मेकर्स
18 नवंबर को जारी किया था। जिसमें
ाइगर श्रॉफ का खूंखार रूप में दिखाई दे
हे थे। वहीं, अब दूसरे पोस्टर में संजय दत्त
ी काफी खूंखार रूप में नजर आ रहे हैं।
ोस्ट पर यूजर्स ने कमेंट किए है। एक
ूजर ने लिखा- क्या होने वाला है, मेरा तो
दिमाग ही हिल गया है इस बार। दूसरे ने
लिखा- वाह, दमदार। एक यूजर ने तो फिल्म
ो अभी से ही ब्लॉकबस्टर बता दिया है। तो
हीं एक ने संजय दत्त को खलनायक की
ूमिका में सॉलिड कैरेक्टर बताया है।

2025 में रिलीज होगी फिल्म

फिल्म को ए हर्षा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म
में टाइगर श्रॉफ बतौर लीड एक्टर एक्शन
करते नजर आएंगे। साथ ही फिल्म में जिमी
ोरगिल भी मुख्य भूमिका में दिख सकते हैं।
ागी 4 अगले साल 5 सितंबर 2025 को
सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दे दे प्यार दे 2 की रिलीज बोलीं रकुल प्रीत सिंह

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और अजय देवगन जल्द ही दे दे प्यार दे 2 में आर माधवन के साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की रिलीज को लेकर प्रशंसक उत्साहित हैं। इस फिल्म की रिलीज को लेकर रकुल प्रीत सिंह ने कुछ खास बातें कही हैं।

दे दे प्यार दे 2 के लिए बोलीं अभिनेत्री

रकुल प्रीत सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रशंसकों के सवालों का जवाब दिया। इस बातचीत में अभिनेत्री से प्रशंसक ने दे दे प्यार दे 2 की रिलीज के बारे में पूछा। अभिनेत्री ने कहा, इस फिल्म को प्रशंसकों के लिए रिलीज करने के लिए वे उत्साहित हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि ये फिल्म अगले साल रिलीज होने वाली है।

पीठ पर चोट के बाद भी किया काम

हाल ही में रकुल प्रीत सिंह को शूटिंग के दौरान पीठ पर चोट लग गई थी। इस चोट के बाद भी उन्होंने शूटिंग जारी रखी। खबरों की मानें को चोट के बावजूद, उन्होंने अपने कमिटमेंट को पूरा करने के लिए लगातार दो दिनों तक दवा लेते हुए दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग जारी रखी।

चोट को लेकर की बात

उन्होंने अपनी चोट को लेकर भी बातें कही हैं। रकुल प्रीत सिंह ने कहा, मेरे पास बहुत सारे पुनर्वास चल रहे हैं, लेकिन मैं केवल यही कहना चाहूंगी कि कृपया कभी भी खुद को उस सीमा तक न धकेलें कि आप अपने शरीर को नजरअंदाज कर दें। मैंने दबाव डालकर सबसे बड़ी गलती की, उन्होंने आगे कहा, मैं अब ठीक होने के आठवें सप्ताह में हूं और जब चोट लगी तो मैंने सोचा कि मैं एक से दो सप्ताह में ठीक हो जाऊंगी, लेकिन इसमें समय लगता है।

फिजियो से मिला आराम

खबरों की मानें तो तीन दिनों तक दर्द सहने के बाद, वह फिजियो के पास गईं और हर बार तीन से चार घंटे के बाद दर्द वापस आ जाता था। उन्होंने फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाना जारी रखा, लेकिन 10 अक्तूबर को उनकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई। अभिनेत्री ने इस दौरान बेड रेस्ट भी किया। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी अपने जिम वीडियो फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

जेरेड लेटो के साथ दिखी हुमा, कहा मैं उनके काम की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं

अबू धाबी में ग्रां प्री के दौरान अभिनेत्री हुमा कुरैशी हॉलीवुड स्टार जेरेड लेटो से मिलीं। अभिनेत्री ने कहा कि वह उनके काम की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं। हुमा ने इस मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ शेयर कीं। इसमें वह अमेरिकी अभिनेता, गायक-गीतकार और निर्देशक जेरेड लेटो के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री अपने आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। तस्वीर में हाउस ऑफ गूची, डैलस बायर्स क्लब, रेक्विअम फॉर ए ड्रीम और अमेरिकन साइको में अपने काम के लिए मशहूर जेरेड जालीदार टी-शर्ट के साथ ब्लैक पैंट और चंकी सनग्लास में बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। उनके सुनहरे बाल उनके लुक को और भी खास बना रहे हैं, जिन्हें उन्होंने खुला रखा है। हुमा ने कैप्शन में लिखा कल ग्रां प्री में सुपर टैलेंटेड जेरेड लेटो से मुलाकात बहुत शानदार रही... मैं उनके काम की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और उनसे मिलना बहुत प्यारा अहसास था। हुमा सुभाष कपूर द्वारा निर्देशित कोर्टरूम कॉमेडी-ड्रामा जॉली एलएलबी 3 में नजर आएंगी।

पहली बार 'रामायण' पर बोले रणबीर कपूर, राम की भूमिका को बताया 'ड्रीम रोल'

अभिनेता रणबीर कपूर नितेश तिवारी निर्देशित 'रामायण भाग-1' नजर आने वाले हैं। कथित तौर पर फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभाने वाले हैं, जबकि साई पल्लवी माता सीता के रोल में नजर आने वाली हैं। हाल ही में, अभिनेता ने जेद्दा में प्रतिष्ठित 'रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024' में भाग लिया, जहां उन्होंने पहली बार 'रामायण' के बारे में बात की और इसे अपना 'ड्रीम रोल' कहा।

रामायण को लेकर पहली बार बोले रणबीर

रणबीर ने कहा कि वह रामायण पर काम कर रहे हैं। अभिनेता ने कहा, मैं जिस फिल्म पर काम कर रहा हूं, वह 'रामायण' है, जो अब तक की सबसे बेहतरीन कहानी है। मेरे बचपन के दोस्त नमित मल्होत्रा, जो इस फिल्म को इतने जुनून से बना रहे हैं, उन्होंने दुनिया के सभी कलाकारों, रचनात्मक लोगों और क्रू से बेहतरीन काम लिया है। रणबीर कपूर को आखिरी बार संदीप वंगा रेड्डी की फिल्म 'एनिमल' में देखा गया था। जल्द शुरू होगी 'रामायण भाग-2' की शूटिंग इसके अलावा, अभिनेता ने भगवान राम की भूमिका निभाने के बारे में बात की और बताया कि उन्होंने रामायण के पहले भाग की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरा भाग जल्द ही फ्लोर पर जाएगा।

राम की भूमिका निभाना रणबीर का था सपना

अभिनेता ने आगे कहा कि राम की भूमिका निभाना उनका सपना था। वह इस भूमिका के लिए आभारी हैं। रणबीर कपूर ने कहा, बस उस कहानी का हिस्सा बनने के लिए, मैं राम की भूमिका निभाने के लिए बहुत आभारी हूं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नितेश तिवारी की 'रामायण भाग-1' साल 2026 में रिलीज होने वाली है, जबकि दूसरा भाग 2027 में रिलीज होगा। 'रामायण' के सेट से कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं, जहां रणबीर और साई को भगवान राम और सीता के रूप में देखा गया था। हालांकि, फिल्म के आधिकारिक कलाकारों का खुलासा नहीं किया गया है।

वाशु भगनानी ने दिया पहला ब्रेक, डेब्यू फिल्म से ही बन गईं स्टार

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक दीया मिर्जा अपना जन्मदिन मना रही हैं। 9 दिसंबर 1981 को हैदराबाद में जन्मीं दीया मिर्जा को फिल्म रहना है तेरे दिल में की हीरोइन के तौर पर जाना जाता है। यह अभिनेत्री की बॉलीवुड में डेब्यू फिल्म थी। पहली ही फिल्म से दीया अपनी मासूमियत से लोगों के दिलों पर राज करने लगीं। आइए आज उनके जन्मदिन के खास अवसर पर उनके जीवन से जुड़े कुछ दिलचस्प पहलुओं पर गौर फरमा लेते हैं-

16 की उम्र में ही दीया ने शुरू किया काम

दीया मिर्जा की मां दीपा बंगाली हिन्दू हैं जबकि उनके पिता फैंक हैडरिच जर्मन। दीया जब महज 4 साल की थीं तभी उनके माता-पिता का तलाक हो गया। दीया की मां ने हैदराबाद के ही रहने वाले अहमद मिर्जा से दूसरी शादी की, जिसके बाद दीया ने अपने नाम के आगे मिर्जा लिखना शुरू कर दिया। 16 साल की उम्र में दीया मिर्जा ने काम करना शुरू कर दिया था। वो एक मल्टीमीडिया कंपनी में मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव के पद पर काम करती थीं। कॉलेज के दिनों से ही दीया को कई बड़ी कंपनियों के लिए मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे।

मिस एशिया पैसिफिक के खिताब ने बदली किस्मत

साल 2000 में दीया ने फेमिना मिस इंडिया कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया। वो सेकेंड रनर अप रहीं। मिस इंडिया कॉम्पिटिशन में वो मिस ब्यूटीफुल स्माइल, मिस एवॉन और मिस क्लोजअप स्माइल भी जीतीं। 18 साल की उम्र में दीया मिर्जा मिस एशिया पैसिफिक का खिताब अपने नाम करने में कामयाब रहीं। इसी के बाद से बॉलीवुड में उनके लिए रास्ते बने।

वाशु भगनानी ने दिया फिल्म में ब्रेक

दीया मिर्जा को फिल्मों में लाने वाले वाशु भगनानी थे। उन्होंने अभिनेत्री को फिल्म रहना है तेरे दिल में से पहला ब्रेक दिया। नतीजा दीया के फेवर में रहा और इसने रातोंरात उनकी किस्मत बदल दी। साल 2001 में आई इस मूवी में दीया मिर्जा के अपोजिट आर माधवन थे। फिल्म को देखने के बाद लोग दीया मिर्जा की स्माइल और मासूमियत के कायल हो गए। वहीं, इसके बाद दीया के हाथ फिल्म तुमको ना भूल पाएंगे लगी। दीया को लगा कि सलमान के साथ काम कर वो और ज्यादा पॉपुलर हो जाएंगी और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाई के रिकॉर्ड तोड़ देगी। हालांकि, नतीजा बिल्कुल विपरीत रहा और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिट गई। पहली फिल्म के बड़ी हिट होने और खूबसूरती के बावजूद दीया इंडस्ट्री में ज्यादा टिक नहीं सकीं। उन्हें दीवानापन, तुमको न भूल पाएंगे, दम, परिणीता, लगे रहो मुन्नाभाई और संजू जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

दीया मिर्जा की निजी जिंदगी

निजी जिंदगी की बात करें तो दीया मिर्जा ने अक्तूबर 2014 में अपने बिजनेस पार्टनर साहिल सांगा के साथ शादी की थी। हालांकि, उनका ये रिश्ता लंबे समय तक नहीं चला। इसके बाद अभिनेत्री ने साल 2021 में वैभव रेखी से शादी की और वह एक खुशहाल शादीशुदा जिंदगी बिता रही हैं।

विजय देवरकोंडा ने जारी किया रश्मिका की द गर्लफ्रेंड का टीजर

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों पुष्पा 2 द रूल की दमदार सफलता का जश्न मना रही हैं। उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ फिल्म में अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया है। एक्शन ड्रामा फिल्म हिंदी बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपा रही है, जबकि तेलुगु कलेक्शन मजबूत बना हुआ है। वहीं, अब वे अपनी नई फिल्म द गर्लफ्रेंड से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अभिनेत्री की नई फिल्म द गर्लफ्रेंड का टीजर आखिरकार जारी हो गया है। दूसरी ओर, रश्मिका की फिल्म द गर्लफ्रेंड का टीजर पहले पुष्पा 2 के साथ रिलीज होने वाला था, लेकिन किसी कारण से ऐसा नहीं हो सका। हालांकि, आज टीजर रिलीज हो गया है और यह दमदार लग रहा है। निर्देशक राहुल रविंद्रन ने रश्मिका को विभिन्न मूड में दिखाने पर ध्यान केंद्रित किया है। टीजर में रश्मिका के क्लोज-अप शॉट्स भरे हुए हैं, जो अलग-अलग दिख रही हैं और उनके चेहरे पर डर साफ झलक रहा है। रश्मिका एक कॉलेज गर्ल का किरदार निभा रही हैं, जो एक लड़के से प्यार करती है। इसके अलावा, टीजर में ज्यादा कुछ नहीं दिखाया गया है, सिवाय एक आखिरी डायलॉग के, जिसमें रश्मिका लड़के से पूछती है कि क्या वह उस पर पिकअप लाइन्स का इस्तेमाल कर रहा है, क्योंकि वह ऐसी चीज़ों पर विश्वास नहीं करती। रश्मिका एक साधारण अवतार में नजर आ रही हैं, और जो चीज इसे और दिलचस्प बनाती है, वह है विजय देवरकोंडा की आवाज। कुछ संस्कृत पंक्तियों का उनका उच्चारण टीजर को खास बनाता है।

विजय ने जारी किया फिल्म का टीजर

खास बात यह भी है कि द गर्लफ्रेंड का टीजर विजय देवरकोंडा ने ही जारी किया है। टीजर को देखकर ऐसा लगता है कि यह फिल्म एक थ्रिलर है, जिसमें रश्मिका को पहले कभी नहीं देखा गया किरदार निभाते हुए दिखाया जाएगा। टीजर में रश्मिका को एक ऐसे रिश्ते में दिखाया गया है, जो धीरे-धीरे उनके लिए मुश्किलें पैदा कर रहा है। रश्मिका ने अपनी आंखों के जरिए कई भावनाओं को साझा किया है। यह राहुल रविंद्रन की तीसरी निर्देशित फिल्म है, जिसे उन्होंने लिखा भी है। फिल्म का निर्माण गीता आर्ट्स ने किया है, जिसमें हेशम अब्दुल वहाब ने संगीत दिया है। विद्या कोप्पिनीडी और धीरज मोगिलिनेनी ने मास मूवी मेकर्स और धीरज मोगिलिनेनी एंटरटेनमेंट के बैनर तले फिल्म का सह-निर्माण किया है। वहीं, रश्मिका अब छावा में विक्की कौशल के साथ भी नजर आएंगी।

सामंथा ने नागा चैतन्य की शादी के बाद साझा किया क्रिप्टिक नोट

सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा की, जिसने उनके फॉलोअर्स के बीच उत्सुकता जगा दी। यह पोस्ट पूर्व पति नागा चैतन्य द्वारा अपनी शादी से सोभिता धुलिपाला के साथ तस्वीरें साझा करने के कुछ समय बाद आई। सामंथा ने अपने पालतू कुत्ते साशा के साथ एक मनमोहक तस्वीर साझा की और लिखा- साशा जैसा प्यार कहीं नहीं। नागा चैतन्य और सामंथा की शादी 2017 में हुई थी और उन्होंने 2021 में अलग होने की घोषणा की। दोनों तब से अपने निजी और पेशेवर जीवन में आगे बढ़ चुके हैं। नागा चैतन्य ने हाल ही में फिर से शादी की है। अभिनेता ने हाल ही में एक समारोह में मॉडल-अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला से शादी की, जिसमें जोड़े के परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए।

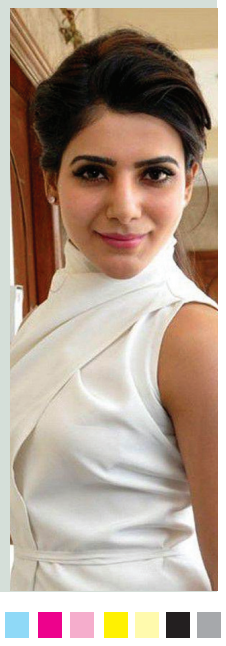

संक्षिप्त समाचार

नए साल से चार फीसदी तक महंगी होंगी गाड़ियां

उच्च खाद्य महंगाई से परेशान लोगों को अधिक ढीली करने

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्च खाद्य महंगाई से परेशान लोगों को नए साल से गाड़ियां खरीदने के लिए जेब अधिक ढीली करनी पड़ेगी। कच्चे माल की लागत और महंगाई में वृद्धि को आंशिक रूप से कम करने के लिए वाहन निर्माता कंपनियां एक जनवरी से गाड़ियों के दाम बढ़ाने जा रही हैं।

मारुति सुजुकी इंडिया - चार फीसदी तक की बढ़ोतरी- मारुति सुजुकी इंडिया ने परिचालन खर्च और इनपुट लागत बढ़ने से वाहनों की कीमत चार फीसदी तक बढ़ाने का फैसला किया है। कीमतों में बढ़ोतरी मॉडल के हिसाब से होगी। हालांकि, लागत का

अधिकतर हिस्सा कंपनी खुद वहन करेगी। कंपनी ने कहा, अतिरिक्त खर्चों को वहन करना अब संभव नहीं है।

हूंडई : 25,000 तक वृद्धि- ह्यूंडई मोटर इंडिया एक जनवरी से गाड़ियों की कीमत 25,000 रुपये तक बढ़ाएगी। कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने कहा, कच्चे माल की बढ़ती कीमतें, रुपये की कमजोरी और महंगे परिवहन की वजह से कीमतों में वृद्धि जरूर हो गई है।

राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा अदाणी समूह, ग्रीन एनर्जी पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह आने वाले दिनों में राजस्थान में लाखों करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश करने वाला है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के प्रबंध निदेशक (एमडी) करण अदाणी ने इसका ऐलान आज सोमवार को जयपुर में किया। वह जयपुर में आज से शुरू हुए राइजिंग राजस्थान समिट 2024 में हिस्सा ले रहे थे।

अगले 5 साल में आएगा इतना निवेश- करण अदाणी ने समिट को संबोधित करते हुए कहा कि अदाणी समूह की योजना राजस्थान में विभिन्न क्षेत्रों में 7.5 लाख करोड़ रुपये निवेश करने की है। उन्होंने कहा- इसमें से 50 फीसदी से ज्यादा निवेश अगले 5 साल में किया जाएगा।

हमारी योजना दुनिया का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड ग्रीन एनर्जी इकोसिस्टम बनाने की है, जिसमें 100 गीगावाट अक्षय ऊर्जा, 20 लाख टन हाइड्रोजन, 1.8 गीगावाट स्टोरेज शामिल होंगे। हमारा लक्ष्य देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बनने का है। इसके लिए हम क्षमता विस्तार करेंगे और राजस्थान में 60 लाख टन सालाना क्षमता वाले 4 नए प्लांट लगाएंगे।

प्रॉपर्टी शेयर के आईपीओ ने किया निराश, नुकसान के साथ हुई लिस्टिंग, पहले ही दिन लगा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। मेन बोर्ड से प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट आरईआईटी का आईपीओ लिस्ट हो गया। इसने लिस्टिंग पर निवेशकों को नुकसान दिया है। बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 2.76 प्रतिशत के नुकसान के साथ हुई। इसका आईपीओ प्राइस 1,0,50,000 रुपये था। इसकी

लिस्टिंग 1,0,21,000 रुपये पर हुई। कंपनी के आईपीओ को ग्रे मार्केट में भी कोई भाव नहीं मिला था। इस कंपनी के आईपीओ का इश्यू साइज 352.91 करोड़ रुपये है। कंपनी ने सारे फ्रेश शेयर जारी किए हैं। यह आईपीओ 2 दिसंबर को खुला था और 4 दिसंबर को बंद हो गया था। इसका प्राइस बैंड 10 लाख रुपये से 10.50 लाख रुपये प्रति यूनिट था। इसके एक लॉट में मात्र एक ही शेयर था। निवेशकों को एक ही लॉट बुक कराने की अनुमति थी। इसके लिए 1,050,000 रुपये निवेश करने पड़े थे।

कैसा मिला था रिस्पॉन्स - प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के आरईआईटी आईपीओ को निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। बोली के अंतिम दिन यह पूरी तरह भर गया था और कुल 1.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्विगी के शेयरों में 5 प्रतिशत की उछाल

एक्सपर्ट बोले खरीद लो, सेट किया 708 रुपये टारगेट प्राइस

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विगी लिमिटेड के शेयरों में आज 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह तेजी ब्रोकरेज फर्म की नई भविष्यवाणी की वजह से देखने को मिली है। ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने स्विगी लिमिटेड को बाय टैग दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने कहा है कि कंपनी के शेयर 700 रुपये के पार जाएंगे।

2 हफ्ते में 20 प्रतिशत चढ़ा शेयर- बीएसई में आज स्विगी लिमिटेड के शेयर बढ़त के साथ रुपये के लेवल पर खुले। कंपनी के शेयर मंगलवार को दिन में 567.80 प्रतिशत की उछाल के साथ 567.80 रुपये तक पहुंचने में सफल रहे हैं। जोकि स्विगी लिमिटेड के 52 वीक हाई 576.95 रुपये के बेहद करीब है। बता दें, पिछले 2 हफ्ते में स्विगी के शेयरों की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

क्या है टारगेट प्राइस - सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज हाउस ने 708 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। ब्रोकरेज हाउस ने इस फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। मौजूदा टारगेट प्राइस सोमवार की क्लोजिंग की तुलना में 31 प्रतिशत अधिक है। बता दें, स्विगी के शेयरों को कवर करने वाले 8 ब्रोकरेज हाउस में से 3 ने खरीदने, 3 ने बेचने और दो ने होल्ड करने की सलाह दी है।

कंपनी का घाटा हुआ कम- स्विगी के लिए अच्छी बात यह है कि कंपनी ने सितंबर तिमाही में अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपनी के तिमाही नतीजों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 के जुलाई से सितंबर क्वार्टर में कुल घाटा 625.50 करोड़ रुपये का रहा है। एक साल पहले कंपनी को इसी तिमाही में 657 रुपये का घाटा हुआ था। बता दें, सितंबर तिमाही में कंपनी का रेवन्यू सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़ा है। जुलाई से सितंबर के दौरान कंपनी का कुल रेवन्यू 3601.45 करोड़ रुपये रहा। बीते वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 2763.33 करोड़ रुपये का रहा था।

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज पर अरबों रुपये का कर्ज है

● इस कर्ज को चुकाने के लिए कंपनी ने दूसरे बैंकों से लोन मांगा है ● इसके लिए कंपनी की आधा दर्जन बैंकों के साथ बातचीत चल रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एशिया के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी को लोन की जरूरत पड़ गई है। इसके लिए उनकी करीब आधा दर्जन बैंकों से बातचीत चल रही है। यह लोन उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के कर्ज को चुकाने के लिए चाहिए। यह जानकारी ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में दी है।

इकनॉमिक टाइम्स में प्रकाशित ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज अपने उस लोन को चुकाना चाहती है जिसका भुगतान उसे अगले साल तक करना है। इस लोन के भुगतान के लिए कंपनी को 3 बिलियन डॉलर (करीब 25500 करोड़ रुपये) के लोन की जरूरत है।

शर्तों में हो सकता है बदलाव- रिपोर्ट में बताया गया है कि करीब आधा दर्जन बैंक लोन के लिए रिलायंस ग्रुप के साथ चर्चा कर रहे हैं, जिसे 2025 की पहली तिमाही में बाजार में सिंडिकेट किया जाएगा। रिपोर्ट में यह जानकारी कुछ लोगों के हवाले से बताई गई है।

लोगों ने कहा कि शर्तों को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है और इसमें बदलाव हो सकते हैं।

कंपनी पर 2.9 बिलियन डॉलर का कर्ज- ब्लूमबर्ग न्यूज के डेटा के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज पर करीब 2.9 बिलियन डॉलर का कर्ज है। इसमें वह ब्याज भी शामिल है जो कंपनी को साल 2025 में देनी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने साल 2023 में भी 8 बिलियन डॉलर से ज्यादा कर्ज लिया था।

क्या है कंपनी के शेयरों की स्थिति - कंपनी के शेयर अभी गिरावट में चल रहे हैं। सोमवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1.16प्रतिशत की गिरावट के साथ 1296.40 रुपये पर बंद हुए थे। पिछले 6 महीने कंपनी के लिए काफी मुश्किल भरे रहे हैं। मार्केट में गिरावट का असर रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में काफी पड़ा है।

पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में करीब 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं कंपनी का मार्केट कैप भी गिरा है। वहीं इस साल की बात करें तो कंपनी के शेयर का रिटर्न एक फीसदी भी नहीं रहा है।

पैसालो डिजिटल लिमिटेड ने 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के एफसीसीबी को इश्यू करने की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। पैसालो डिजिटल लिमिटेड जो भारत के रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत एक सफल सूचीबद्ध एनबीएफसी है, ने घोषणा की है कि उसने सफलतापूर्वक 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के पहले किश्त में सुरक्षित विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड जारी किए हैं, जो भारत के रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लागू ईसीबी दिशानिर्देशों के अनुसार है।पैसालो डिजिटल लिमिटेड ने अपनी पहली विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड सफलतापूर्वक जारी की है, जो कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस इश्यू ने वैश्विक स्थायी आय फंडों और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट फंडों से मजबूत सहभागिता देखी, जो कंपनी की विकास प्रक्षेपवक्र में विश्वास को दर्शाता है। एफसीसीबी एक 7.5 प्रतिशत सुरक्षित साधन है जिसकी परिपक्वता अवधि पाँच साल है, जो 2029 में पूरी होगी, और निवेशकों को अपनी होल्डिंग्स को पूरी तरह चुकता इक्विटी शेयरों में परिवर्तित करने या उन्हें परिपक्वता तक बनाए रखने की लचीलेपन प्रदान करती है। यह रणनीतिक पहल पैसालो की विकास को प्रोत्साहित करने और एक गतिशील बाजार वातावरण के बीच वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। इस इश्यू से जुटाए गए धन भारत की विशाल अंडर-बैंक्ड जनसंख्या को सुलभ और समावेशी वित्तीय समाधान प्रदान करके सशक्त बनाने के पैसालो के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में सहायक होंगे।

पैसालो डिजिटल लिमिटेड के उप प्रबंध निदेशक, श्री संतनु अग्रवाल ने

PAISALO
EASY LOAN आसान लोन
PAISALO DIGITAL LIMITED

कहा, हमारी पहली एफसीसीबी का इश्यू हमारे ऋण प्रोफ़ाइल को मजबूत करने और विकास को तेज करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम नवाचार को आगे बढ़ाने और वित्तीय सेवाओं के परिदृश्य को बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं, अंडर-बैंक्ड भारत को सशक्त बनाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह पहल पैसालो के उस मिशन को दर्शाती है, जो क्रेडिट अंतर को पाटने और समावेशी विकास को राष्ट्रव्यापी स्तर पर बढ़ावा देने के लिए प्रभावशाली समाधान पैदा करना है।

कंपनी ने आगे कहा कि उसने समान शर्तों पर अतिरिक्त 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर एफसीसीबी जारी करने का ओवर अलॉटमेंट विकल्प 60 दिनों के भीतर बनाए रखा है। हाल ही में, बोर्ड ने 5 साल की परिपक्वता के साथ लागू ईसीबी दिशानिर्देशों के अनुसार 7.5 प्रतिशत सुरक्षित विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड के 75 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक की राशि एक या अधिक किश्तों में जुटाने की मंजूरी दी थी। पहले, कंपनी ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त हुई तिमाही और अर्धवर्ष के लिए अनिंग्स की रिपोर्ट जारी की थी। प्रबंधन के तहत संपत्तियाँ 45,352 मिलियन रुपये थी, जो साल-दर-साल 19 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती हैं। राजस्व 33 प्रतिशत बढ़कर 3,736 मिलियन रुपये हो गया। शुद्ध मूल्य 14,181 मिलियन रुपये पर आया, जो साल-दर-साल 14 प्रतिशत बढ़ रहा है। शुद्ध लाभ 914 मिलियन रुपये रिपोर्ट किया गया, जो साल-दर-साल 6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

फेल, फेल, फेल... पर नहीं मानी हार, सीए ड्रॉपआउट ने पति के साथ खड़ा किया करोड़ों का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। दीप्ति अवस्थी शर्मा की कहानी संघर्ष से सफलता तक का सफर है। उनकी जिंदगी में कई मुश्किलें आईं। वह सीए परीक्षा पास नहीं कर पाईं। नौकरी के लिए दर-दर भटकीं, लेकिन कोई काम नहीं मिला। पहला बिजनेस पूरी तरह से डूब गया। इससे वह कर्ज में डूब गईं। इन सबके साथ उन्हें अच्छी गृहिणी बनने का सामाजिक दबाव भी झेलना पड़ा। मुश्किल दौर में उनके दोस्त भी उनसे दूर हो गए। लोग उन्हें सपनों में खोई हुई कहने लगे। उन्हें अकेलापन

घेरने लगा। लेकिन, दीप्ति ने जबरदस्त वापसी की। हर ठोकर उनके लिए एक नई सीढ़ी बनी। अपनी लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति से उन्होंने अपनी जिंदगी और अपने सपनों को फिर से बनाया। आज वह 50 करोड़ के टर्नओवर वाले ब्रांड की मालकिन हैं। इसकी नींव उन्‍ होंने पति के साथ रखी थी। आइए, यहां उनकी सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

बार-बार मिली असफलता, पर नहीं मानी हार - दीप्ति नौकरी, ड्रॉप परीक्षा और प्रतिष्ठित कॉलेज में प्रवेश पाने में असफल रहीं। उनका स्टार्टअप बंद हो गया।

पति के साथ ऐसे रखी कंपनी की नींव

दीप्ति शर्मा ईवाई में काम करते हुए सीए कर रही थीं। उन्होंने अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए नौकरी छोड़ दी। उनका पहला स्टार्टअप असफल रहा। 2015 में विकास शर्मा से उनकी शादी हो गई। शादी के बाद विकास ने भी अपना काम छोड़ दिया और दोनों ने मिलकर अप्रैल 2016 में गोहोर्डिंग्स की शुरुआत की। उन्होंने ओओएच एडवरटाइजिंग इंडस्ट्री में मौजूद खामियों को देखा। एक व्यवस्थित प्लेटफॉर्म बनाने का फैसला किया। शुरुआती संघर्षों के बाद गोहोर्डिंग्स ने रफ्तार पकड़ी। अब इसका सालाना टर्नओवर 50 करोड़ रुपये का है।

सफर में आईं कई तरह की चुनौतियां

गोहोर्डिंग्स का सफर आसान नहीं था। शुरुआत में दीप्ति और विकास को कई दलालों से जूझना पड़ा। वे खुद को विज्ञापन साइटों का मालिक बताते थे। कीमतों में मनमानी करते थे। इस वजह से ग्राहकों को काफी परेशानी होती थी। गोहोर्डिंग्स की टीम ने भारत के महानगरों में ओओएच सेगमेंट का अध्ययन किया। लगभग 500 से अधिक मीडिया मालिकों को अपने पोर्टल पर रजिस्टर किया। उन्होंने ग्राहकों को बिना किसी हेरफेर के सर्वोत्तम मूल्य प्रदान करने का वादा किया। गोहोर्डिंग्स के जरिये ग्राहक ऑनलाइन ओओएच विज्ञापन कैंपेन बुक कर सकते हैं, खरीद सकते हैं और योजना बना सकते हैं।

बन गईं क्वीन ऑफ बिलबोर्ड्स

दीप्ति को क्वीन ऑफ बिलबोर्ड्स के नाम से भी जाना जाता है। उनके पास पूरे भारत में बिक्री और ग्राहक सेवा का व्यापक अनुभव है। गोहोर्डिंग में वह सेल्स और कस्टमर सैटिस्फैक्शन की जिम्मेदारी संभालती हैं। पति विकास कंपनी के तकनीकी पहलुओं को देखते हैं। दीप्ति शर्मा को बीते साल इंदिरा गांधी राष्ट्रीय युवा कांग्रेस महिला उद्यमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह पुरस्कार विज्ञापन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए मिला था। वुमन इकनॉमिक फोरम से भी दीप्ति को सम्मानित किया जा चुका है। यह अंतरराष्ट्रीय महिला संगठन है जो दुनिया भर में महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करता है।

ग्रीन स्टॉक के शेयरों में फिर उछाल, 2 साल में 595 प्रतिशत चढ़ा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर ग्रीन स्टॉक आईएनओक्स विंड लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में लगातार तीसरे कारोबारी दिन तेजी देखने को मिली है। पिछले 2 साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 595.67 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 3 साल में इस स्टॉक का भाव 511 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी के शेयर एक बार फिर से 200 रुपये के पार पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर अपने 52 वीक लो लेवल 90.84 रुपये से 130 प्रतिशत की बढ़त हासिल कर चुका है।

बता दें, आईएनओक्स विंड लिमिटेड का 52 वीक हाई 262.10 रुपये है। बीएसई में आज कंपनी के शेयर 208.75 रुपये के लेवल पर खुले थे। कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव 213.60 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। कंपनी का मार्केट कैप 27000 करोड़ रुपये के आस-पास बना हुआ है। बता दें, बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 39.32 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 2024 में आईएनओएक्स लिमिटेड के शेयरों का भाव 59.45 प्रतिशत बढ़ा है।

एक्सपर्ट्स हैं बुलिश- ब्रोकरेज हाउस नुवामा ने इस स्टॉक को बाय टैग दिया है। कंपनी ने 233 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। वहीं, एक्सिस सिक्योरिटीज ने 270 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। एक्सिस सिक्योरिटी भी पॉजिटिव नजर आ रहा है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज 245 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप: लिरेन के खिलाफ वापसी करने के लिए उतरेंगे गुकेश

प्रात: किरण/ एजेंसी

सिंगापुर। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश महत्वपूर्ण बढ़त गंवाने के बाद बुधवार को यहां विश्व शतरंज चैंपियनशिप की 13वीं बाजी में जब गत चैंपियन डिंग लिरेन से भिड़ेंगे तो उन्हें वापसी करने के अपने दृढ़ संकल्प पर भरोसा करना होगा। सबसे कम उम्र के चैलेंजर 18 वर्षीय गुकेश और चीन के 32 वर्षीय लिरेन के बीच दिलचस्प मुकाबला चल रहा है जिसमें कोई भी खिलाड़ी लंबे समय तक अपनी बढ़त कायम नहीं रख पाया है। एक दिन के विश्राम के बाद दोनों खिलाड़ी बुधवार को फिर से एक दूसरे का सामना करेंगे। इस 14 दौर के मुकाबले में 12 दौर के बाद स्कोर 6-6 से बराबर है और जो भी खिलाड़ी सबसे पहले 7.5 तक पहुंचेगा वह विश्व चैंपियन बन जाएगा। अगर 14 दौर के बाद भी स्कोर बराबर रहता है तो फिर टाइब्रेक का सहारा लिया जाएगा। गुकेश के पास

11वीं बाजी जीतने के बाद 7.5 के जादुई अंक तक पहुंचने का मौका था लेकिन वह अगली बाजी हार गए। भारतीय खिलाड़ी को अगली बाजी सफेद मोहरों से खेलनी है और पूरा विश्वास है कि क्लासिकल प्रारूप में खेले जा रहे इस मुकाबले की इस महत्वपूर्ण बाजी में वह आक्रामक रवैया अपनाएंगे। अब जबकि मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है तब जो भी खिलाड़ी धैर्य से काम लेगा वह फायदे में रहेगा। इस मुकाबले में 10 बाजी के बाद स्कोर 5-5 से बराबर था लेकिन उसके बाद के अगले दो मैच का परिणाम निकला। लगातार ड्रॉ खेलने के कारण यह मुकाबला नीरस बन गया था लेकिन पिछले दो मैच ने इस 25 लाख डालर इनामी प्रतियोगिता में नई जान फूंक दी है। अब जबकि दो दौर का खेल होना बाकी है तब दोनों खिलाड़ियों के पास मौका है।

लिरेन ने 11वीं बाजी में बेहद खराब प्रदर्शन किया लेकिन अगले दौर में वह शानदार वापसी करने में सफल रहे। वह इयान नेपोमनियाचची के खिलाफ पिछले विश्व चैंपियनशिप मुकाबले में भी इसी तरह की स्थिति में थे। वह तब टाईब्रेकर में जीत दर्ज करके विश्व चैंपियन बने थे। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और पूर्व विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन और अमेरिका के हिकारू नाकामुरा सहित शतरंज के विशेषज्ञों का मानना है कि अब चीन के खिलाड़ी का पलड़ा थोड़ा भारी हो गया है और वह अगली बाजी में अधिक आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे।

संक्षिप्त खबरें

आईटीआर फाइल करने में पुरुष ही नहीं महिलाएं भी आ रहीं आगे

नईदिल्ली। देश में इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने में महिलाओं आगे आ रही हैं। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक कई राज्यों में हर साल महिलाओं की संख्या बढ़ रही है। इनमें काम के बेहतर अवसर मिलना, भागीदारी बढ़ना, काम के प्रति स्वतंत्रता मिलना आदि अवसर को इसकी वजह माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट में राज्यों के मुताबिक रिटर्न फाइल करने में महाराष्ट्र की महिलाएं आगे हैं। असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए महाराष्ट्र की 36.8 लाख महिलाओं ने इनकम टैक्स रिटर्न भरा। वहीं दूसरी स्थान पर गुजरात है यहां से 22.5 लाख महिलाओं से आईटीआर फाइल किया गया है। तीसरे स्थान पर यूपी है जहां से 20.4 लाख महिलाओं ने आईटीआर भरा। पिछले पांच सालों में रिटर्न फाइल करने के मामले में यूपी की महिलाएं भी आगे आई हैं। असेसमेंट ईयर 2019-20 में 15.8 लाख महिलाओं ने रिटर्न फाइल की थी। वहीं 2023-24 में यह संख्या 29 फीसदी बढ़कर 20.4 लाख हो गई। दूसरे स्थान पर कर्नाटक है। असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए यहां से 14.3 लाख महिलाओं ने रिटर्न फाइल की। यह आंकड़ा पांच साल पहले यानी 2019-20 के 11.3 लाख के मुकाबले 26 फीसदी ज्यादा है। मौजूदा डेटा के मुताबिक रिटर्न फाइल करने के मामले में पांच सालों में सबसे ज्यादा तेजी तेलंगाना की महिलाओं में देखी गई।

विश्व कप 2034 की सऊदी अरब की मेजबानी पर मोहर लगाएगा फीफा

जिनेवा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा बुधवार को अपनी विशेष बैठक में 2034 में होने वाले विश्व कप के मेजबान के रूप में सऊदी अरब के दावे पर अंतिम मोहर लगाएगा। इसके अलावा 2030 में होने वाले विश्व कप का आयोजन तीन महाद्वीप और छह देश में करने के फैसले की भी पुष्टि की जाएगी। इस विश्व कप की मेजबानी तीन देशों स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को को सौंपी गई है लेकिन इसके तीन मैच दक्षिण अमेरिकी देशों में खेले जाएंगे। उरुग्वे ने 1930 में पहले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। वह 2030 में होने वाले विश्व कप के पहले मैच की मेजबानी भी करेगा। इससे पहले उद्घाटन समारोह अभी इसी देश में आयोजित किया जाएगा। उरुग्वे के अलावा अर्जेंटीना और पराग्वे भी 2030 में होने वाली प्रतियोगिता के एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे। फीफा इसके लिए बुधवार को ज्यूरिख में एक विशेष कांग्रेस का आयोजन करेगा। इस बैठक में उसके 211 सदस्य ऑनलाइन भाग लेंगे। फीफा मुख्यालय में बंद कमरे में होने वाली बैठक का इसकी वेबसाइट पर सीधा प्रसारण किया जा सकता है। विश्व कप 2030 और 2034 मेजबानों की पुष्टि पंजीकृत वोट के बजाय संयुक्त निर्णय से की जा सकती है। फीफा ने 2026 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी के लिए जून 2018 में मॉस्को में हुए मतदान में प्रत्येक सदस्य की पसंद का खुलासा किया था।

वोल न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल

ब्रिस्बेन। भारत के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के पहले जो मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाली 21 वर्षीय जॉर्जिया वोल को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम में शामिल किया गया है।शीर्ष क्रम की बल्लेबाज वोल ने भारत के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला के पहले मैच में नाबाद 46 रन बनाकर पदार्पण किया था।उन्होंने इसके बाद अगले मैच में शतक (101) बनाया, जिससे ऑस्ट्रेलिया में यह मैच 122 रन से जीत कर तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसके साथ ही न्यू साउथ वेल्स ब्रेकर्स के वर्तमान मुख्य कोच गावन ट्विनिंग को अगले दो वर्षों के लिए महिला टीम के साथ क्षेत्ररक्षण और विकेटकीपिंग के लिए पूर्णकालिक सहायक कोच के रूप में नियुक्त करने की भी पुष्टि की।ट्विनिंग साथी सहायक कोच स्कॉट प्रेस्टविज और डैन मार्श के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम में अपनी भूमिका निभाएंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच बुधवार को यहां खेला जाएगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के पहले दिन के सभी टिकट बिके

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 26 दिसंबर से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन (बॉक्सिंग डे) के सभी टिकट बिक गए हैं जिससे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच मैच की इस श्रृंखला के प्रति लोगों की दिलचस्पी का पता चलता है।टिकटों की यह भारी मांग ऑस्ट्रेलिया की श्रृंखला में शानदार वापसी के बाद देखने को मिली है। भारत ने पर्थ में खेला गया पहला टेस्ट मैच 295 रन से जीता था लेकिन ऑस्ट्रेलिया एडिलेड में दूसरे टेस्ट मैच में 10 विकेट से जीत दर्ज करके श्रृंखला को बराबर करने में सफल रहा। बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच से पहले इन दोनों टीम के बीच शनिवार से ब्रिस्बेन में तीसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट किया, बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के पहले दिन के आम जनता के लिए उपलब्ध सभी टिकट बिक गए हैं। 24 दिसंबर को आम जनता के लिए कुछ और टिकट जारी किए जा सकते हैं।

सिराज को समय से पहले जश्न मनाने से रोके भारत: मार्क टेलर

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर का मानना है कि मोहम्मद सिराज में अंपायर के फैसले का इंतजार किए बिना समय से पहले विकेट लेने का जश्न मनाने की प्रवृत्ति है और भारतीय टीम में उनके सीनियर साथियों को इस मुद्दे पर इस तेज गेंदबाज से बात करनी चाहिए, क्योंकि ऐसा करना बुरा लगता है।टेलर ने कहा कि सिराज को जब लगता है कि उन्होंने बल्लेबाज को आउट कर दिया है तो वह अंपायर का फैसला आने से पहले ही जश्न मनाने के लिए अपने साथियों की तरफ दौड़ पड़ते हैं।टेलर ने नाइन न्यूज से कहा, जहां तक मोहम्मद सिराज का सवाल है तो मैं चाहूंगा कि उनकी टीम के सीनियर साथी उनसे बात करें। ट्रैविस हेड के साथ जो हुआ उसके बारे में इतना नहीं, बल्कि इस चीज को लेकर उनसे बात की जानी चाहिए कि जब उन्हें लगता है कि उन्होंने बल्लेबाज को आउट कर दिया है तो वह अंपायर का फैसला देखने के लिए पलटते नहीं है और जश्न मनाना शुरू कर देते हैं। मुझे लगता है कि यह उनके और खेल के लिए अच्छा नजारा नहीं होता है। उन्होंने कहा, मुझे उसका जोश पसंद है, मुझे उसका प्रतिस्पर्धी स्वभाव पसंद है, मुझे यह तथ्य पसंद है कि हमारे पास वास्तव में एक अच्छी श्रृंखला चल रही है, लेकिन खेल का सम्मान भी है जिसे बनाए रखने की जरूरत है। मुझे लगता है कि सीनियर साथियों के साथ बात करने से उसे इस चीज को समझने में मदद मिलेगी। एडिलेड में गुलाबी गेंद से खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में हेड से संक्षिप्त बहस करने के बाद सिराज चर्चा का विषय बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 10 विकेट से जीतकर पांच मैच की श्रृंखला 1झ1 से बराबर की। सिराज पर इसके लिए उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुमार्ना लगा।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज साइमन कैटिच का मानना है कि सिराज के दिमाग ने कुछ देर के लिए काम नहीं किया और इस भारतीय तेज गेंदबाज को बाद में इसका पछतावा भी हुआ।

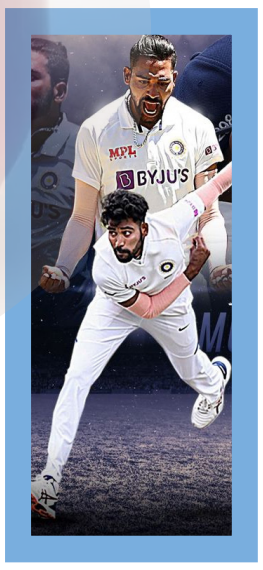

Talk

टेलर ने कहा कि सिराज को जब लगता है कि उन्होंने बल्लेबाज को आउट कर दिया है तो वह अंपायर का फैसला आने से पहले ही जश्न मनाने के लिए अपने साथियों की तरफ दौड़ पड़ते हैं।टेलर ने नाइन न्यूज से कहा, जहां तक मोहम्मद सिराज का सवाल है तो मैं चाहूंगा कि उनकी टीम के सीनियर साथी उनसे बात करें।

आईएसएल के बाद लगेगा एएफसी एशियाई क्वालीफायर के लिए शिविर : कोच

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम टीम के कोच मनोलो मार्केज ने कहा है कि एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर के लिए टीम अपनी तैयारियां 14 मार्च से राष्ट्रीय शिविर के साथ शुरू करेंगी। ये शिविर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अंतिम लीग मैच के दो दिन बाद शुरू होगा। मार्केज ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे से कहा है कि अभ्यास के लिए लंबे समय तक के लिए शिविर लगाया जाना चाहिये। इगोर स्टिमक को हटाये जाने के बाद कोच बने मार्केज के मार्गदर्शन में अब तक भारतीय टीम ने चार मैच खेले हैं पर उसे उनमें सफलता नहीं मिली है। वहीं एआईएफएफ ने अपने एक बयान में कहा, अपने कारोबारी भागीदारों से सलाह करने के बाद एआईएफएफ को लगा कि राष्ट्रीय शिविर इंडियन सुपर लीग 2024-25 के आखिरी लीग मैच के दो दिन बाद 14 मार्च को शुरू हो सकता है। मार्केज ने कहा, दो दिनों तक मेरी एआईएफएफ अध्यक्ष, सीनियर अधिकारियों और एआईएफएफ के तकनीकी सदस्यों के साथ बैठकें हुईं। मुझे भरोसा है कि हमने जिस तरह की तैयारियां की हैं उससे राष्ट्रीय टीम एशियाई कप क्वालीफायर में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

रिटेन नहीं होना चाहते थे ऋषभ : बदानी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कोच हेमांग बदानी ने कहा है कि ऋषभ पंत अपनी बाजार कीमत पता करना चाहते थे, इसलिए वह टीम के साथ बरकरार नहीं रहे जबकि टीम की ओर से उन्हें अपने साथ बनाये रखने की पूरी कोशिश की गयी। बदानी के अनुसर दिल्ली कैपिटल्स ने अपने कप्तान ऋषभ को साथ रखने का प्रयास किया पर वह अधिक हासिल करना चाहते थे। इसलिए मेगा नीलामी में उतरे। इस क्रिकेटर पर आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी बोली 27 करोड़ की लखनऊ सुपरजायंट्स ने लगाई। वहीं इससे पहले ऋषभ ने कहा था कि रिटेन नहीं होना पैसे से कोई लेना-देना नहीं है। ऋषभ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा था कि उनके रीटेन नहीं होने के पीछे आर्थिक कारण नहीं है हालांकि यह इस क्रिकेटर ने तकरीबन डेढ़ महीने भी एक पोस्ट किया था, इसमें उन्होंने कहा था कि वे देखना चाहते हैं कि उन पर कितनी बड़ी बोली लगेगी।

आईपीएल में लगने वाला पैसा पाक के रक्षाबजट से अधिक

नई दिल्ली/लाहौर।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) निलामी में जहां खिलाड़ियों पर करोड़ों की बोली लगती है। वहीं पाकिस्तान की क्रिकेट लीग पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिन्हें आईपीएल में जगह नहीं मिल पायी हो। आईपीएल 2024 में सभी 10 टीमों का कुल राजस्व पिछले 2023 का भी दोगुना हो गया है। आईपीएल 2024 का कुल राजस्व 6,797 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले सीजन 3,082 करोड़ से अधिक है। ये पाकिस्तान के रक्षा बजट की रकम से अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान का 2024 में रक्षा बजट 7.64 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 2,122 अरब पाकिस्तानी रुपये था। ये रकम 6497 करोड़ भारतीय रुपये होती है। इस प्रकार पाकिस्तान के रक्षा बजट से अधिक भारतीय क्रिकेट लीग की 10 टीमों का राजस्व ही है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे लीग क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज होता है। ये सब प्रायोजन करारों से संभव हुआ है। बीसीसीआई की साल 2022 में रिकॉर्ड 48,390 करोड़ की मीडिया राइट्स की डील हुई थी जो अब बढ़ गयी है। प्रसारण राजस्व के अलावा बोर्ड का कई प्रमुख ब्राडों से करार है। इससे ही उसे 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की आय हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल का ब्रांड मूल्य 2023 की तुलना में 2024 में 13 फीसदी बढ़ा है और इसके सामने पाक का रक्षा बजट काफी कम बढ़ा है। आईपीएल की चार फ्रेंचाइजी- चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस (एमआई), रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी), और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने ही ब्रांड मूल्य में 100 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके अलावा पाक में क्रिकेट से होने वाली कमाई भी भारत के कारण ही है। आईसीसी की अधिकांश कमाई का बड़ा हिस्सा भारत से जाता है। पीसीबी को भी उससे ही राजस्व मिलता है। ऐसे में पीसीबी का ये कहना कि वह भी भारत में होने वाले आईसीसी मुकाबलों के लिए हाइब्रिड मॉडल चाहता है।

विश्व कप 2034 की सऊदी अरब की मेजबानी पर मोहर लगाएगा फीफा

जिनेवा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा बुधवार को अपनी विशेष बैठक में 2034 में होने वाले विश्व कप के मेजबान के रूप में सऊदी अरब के दावे पर अंतिम मोहर लगाएगा। इसके अलावा 2030 में होने वाले विश्व कप का आयोजन तीन महाद्वीप और छह देश में करने के फैसले की भी पुष्टि की जाएगी। इस विश्व कप की मेजबानी तीन देशों स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को को सौंपी गई है लेकिन इसके तीन मैच दक्षिण अमेरिकी देशों में खेले जाएंगे। उरुग्वे ने 1930 में पहले

विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। वह 2030 में होने वाले विश्व कप के पहले मैच की मेजबानी भी करेगा। इससे पहले उद्घाटन समारोह अभी इसी देश में आयोजित किया जाएगा। उरुग्वे के अलावा अर्जेंटीना और पराग्वे भी 2030 में होने वाली प्रतियोगिता के एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे। फीफा इसके लिए बुधवार को ज्यूरिख में एक विशेष कांग्रेस का आयोजन करेगा। इस बैठक में उसके 211 सदस्य ऑनलाइन भाग लेंगे। फीफा मुख्यालय में बंद कमरे में होने वाली बैठक का इसकी वेबसाइट पर सीधा प्रसारण किया जा सकता है। विश्व कप 2030 और 2034 मेजबानों की पुष्टि पंजीकृत वोट के बजाय संयुक्त निर्णय से की जा सकती है।

रोहित के खराब फार्म पर उठे सवाल

प्रात: किरण/ एजेंसी

मुंबई। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया में जारी बॉर्डर गावस्कर सीरीज में जीत से शुरूआत की थी ओर पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया था लेकर दूसरे टेस्ट में टीम की हार के साथ ही सीरीज बराबरी पर आ गयी है। पहले टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा टीम में शामिल नहीं थे। ऐसे में जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की थी। दूसरे टेस्ट से रोहित ने टीम में वापसी की जिसमें उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी पर रोहित भी अन्य बल्लेबाजों के साथ ही रन बनाने में विफल रहे , ऐसे में उनकी फार्म पर भी सवाल उठने लगे हैं। जिससे भारतीय टीम पूरे 90 ओवर भी नहीं खेल पायी। भारत की बल्लेबाजी विफल रही और टीम एक भी बार 200 रनों तक भी नहीं पहुंच पायी। अब तीसरा टेस्ट दोनो ही टीमों के लिए अहम रहेगा। रोहित इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी रन नहीं बना पाये थे और भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में रोहित से उम्मीद थी कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में अच्छी शुरूआत करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। वह कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों में ही असफल रहे। पिछली 10 टेस्ट में मैचों में वह केवल एक बार ही पचास रन तक पहुंच पाये हैं। ऐसे में अब उनके खेल पर भी सवाल उठने लगे हैं। यहां तक कहा जा रहा है कि उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलनी चाहिये। इन हालातों में भी रोहित को बाहर रखना संभव नहीं है क्योंकि अभी भारतीय टीम के पास उनका कोई विकल्प नहीं है। टीम में अन्य कोई सलामी बल्लेबाज उनके जितन अनुभवी नहीं है।

तीसरे टेस्ट के लिए संभावित टीम : यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी या हर्षित राणा या आकाश दीप, मोहम्मद सिराज।

समन्वय आईपीएल 2024 में सभी 10 टीमों का कुल राजस्व पिछले 2023 का भी दोगुना हो गया है।

आईपीएल में लगने वाला पैसा पाक के रक्षाबजट से अधिक

आईपीएल 2024 में सभी 10 टीमों का कुल राजस्व पिछले 2023 का भी दोगुना हो गया है। आईपीएल 2024 का कुल राजस्व 6,797 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले सीजन 3,082 करोड़ से अधिक है। ये पाकिस्तान के रक्षा बजट की रकम से अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान का 2024 में रक्षा बजट 7.64 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 2,122 अरब पाकिस्तानी रुपये था।

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली/लाहौर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) निलामी में जहां खिलाड़ियों पर करोड़ों की बोली लगती है। वहीं पाकिस्तान की क्रिकेट लीग पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिन्हें आईपीएल में जगह नहीं मिल पायी हो। आईपीएल 2024 में सभी 10 टीमों का कुल राजस्व पिछले 2023 का भी दोगुना हो गया है। आईपीएल 2024 का कुल राजस्व 6,797 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले सीजन 3,082 करोड़ से अधिक है।

ये पाकिस्तान के रक्षा बजट की रकम से अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान का 2024 में रक्षा बजट 7.64 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 2,122 अरब पाकिस्तानी रुपये था। ये रकम 6497 करोड़ भारतीय रुपये होती है। इस प्रकार पाकिस्तान के रक्षा बजट से अधिक भारतीय क्रिकेट लीग की 10 टीमों का राजस्व ही है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे लीग क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज होता है। ये सब प्रायोजन करारों से संभव हुआ है। बीसीसीआई की साल 2022 में रिकॉर्ड 48,390 करोड़ की मीडिया राइट्स की डील हुई थी जो अब बढ़ गयी है। प्रसारण राजस्व के अलावा बोर्ड का कई प्रमुख ब्राडों से करार है।

इससे ही उसे 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की आय हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल का ब्रांड मूल्य 2023 की तुलना में 2024 में 13 फीसदी बढ़ा है और इसके सामने पाक का रक्षा बजट काफी कम बढ़ा है। आईपीएल की चार फ्रेंचाइजी- चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस (एमआई), रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी), और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने ही ब्रांड मूल्य में 100 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके अलावा पाक में क्रिकेट से होने वाली कमाई भी भारत के कारण ही है। आईसीसी की अधिकांश कमाई का बड़ा हिस्सा भारत से जाता है। पीसीबी को भी उससे ही राजस्व मिलता है। ऐसे में पीसीबी का ये कहना कि वह भी भारत में होने वाले आईसीसी मुकाबलों के लिए हाइब्रिड मॉडल चाहता है कोरी बयानबाजी के सिवा कुछ नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

सीरिया में ऑपरेशन इजराइल शुरू, सेना तैनात कर कहा- सुरक्षा के लिए जरूरी

तेलअवीव। सीरिया में असद सरकार का पतन और विद्रोहियों के कब्जे के बाद इजराइल ने ऑपरेशन इजराइल शुरू कर दिया है। गोलान हाइट्स के पास सीरियाई इलाकों में इजराइल ने अपनी सेना भेज दी है। इजराइल ने इस तैनाती को अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी बताया है। इजराइल के इस नए ऑपरेशन का पूरा फोकस अभी सीरिया के 3 इलाकों में ज्यादा है, जिनमें कुनेइत्रा, नवा और दारा। इजराइल ने सीरिया में करीब 100 से ज्यादा हवाई हमले किए हैं और वह लगातार अपने हमलों का दायरा बढ़ा रहा है। इजराइल ने गोलन हाइट्स से निकलकर डिमिलिटराइज्ड जोन में भी अपने हमले शुरू किए हैं। इजराइल अब सीरिया के 14 किमी तक के इलाको में घुस गया है, हालांकि इस कब्जे को इजराइली अधिकारियों ने अस्थाई बताया है। बता दें कि कुछ लोग मान रहे हैं कि इजराइल पहले से ही इस उम्मीद में था की जब विद्रोही गुटों का सीरिया पर कब्जा हो, तब ही वो अपना ऑपरेशन स्टार्ट करे, ताकि उसको जवाब देने के लिए इन इलाकों में कोई सेना न हो। इजराइल लगातार दारा में हवाई हमलों के दौरान गोला-बारूद और हथियारों के डिपो को निशाना बना रहा है। इजराइल को लगता है इसी इलाके से वेस्ट बैंक को भी मदद दी जाती रही है और साउथ लेबनान में भी हथियारों की सप्लाई यहीं से की जाती है। बता दें दारा से ही 2011 में असद विरोधी प्रदर्शन शुरू हुए थे।

जॉय बांग्ला अब बांग्लादेश का राष्ट्रीय नारा नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाई

ढाका। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जॉय बांग्ला को राष्ट्रीय नारा घोषित करने के हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद गठित अंतरिम सरकार ने हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। द डेली स्टार समाचार पत्र के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सैयद रेफअत अहमद की अध्यक्षता वाली अपीलीय प्रभाग की पीठ ने अंतरिम सरकार की याचिका पर सुनवाई की। अंतरिम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से हाई कोर्ट के फैसले पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। हाई कोर्ट ने 10 मार्च, 2020 को जॉय बांग्ला को देश का राष्ट्रीय नारा घोषित किया था। हाई कोर्ट ने इस घोषणा के साथ सरकार को आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया था, ताकि इस नारे का इस्तेमाल राजकीय समारोह और शैक्षणिक संस्थानों की सभाओं में किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट के आज के फैसले पर अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल अनीक आर हक ने कहा कि अपीलीय डिवीजन के आदेश के बाद जॉय बांग्ला को अब राष्ट्रीय नारा नहीं माना जाएगा। उल्लेखनीय है कि जॉय बांग्ला यानी (जय बांग्ला) नारे का प्रयोग सबसे पहले बांग्लादेश के स्वाधीनता संग्राम के समय मुक्ति वाहिनी संगठन ने किया। इसके बाद जियाउर रहमान ने बांग्लादेश के स्वाधीनता की घोषणा करते हुए यह नारा लगाया था।

चंडीगढ़ में जन्मीं हरमीत ढिल्लों को ट्रंप की टीम में मिली बड़ी जिम्मेदारी

वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी टीम को मजबूत कर रहे हैं और काम के लोगों को शामिल कर रहे हैं। इसमें ट्रंप भारतीय मूल के लोगों को ज्यादा महत्व देते नजर आ रहे हैं। उनकी टीम में एक और भारतीय की एंट्री हो गई है। ट्रंप ने भारतीय मूल की हरमीत ढिल्लों को कानून विभाग में नागरिक अधिकारों के लिए असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल चुना है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने हरमीत ढिल्लों को यह जिम्मेदारी देते हुए उनकी जमकर तारीफ भी की है। इससे पहले ट्रंप डॉ जय भट्टाचार्य, विवेक रामास्वामी और काश पटेल को अपने कैबिनेट में हिस्सा बनाने की घोषणा कर चुके हैं।

फिलीपीन में ज्वालामुखी विस्फोट के बाद कई शहरों को खाली कराया गया

मनीला। फिलीपीन के मध्य क्षेत्र में मंगलवार को ज्वालामुखी फटने के बाद लगभग 87,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। ज्वालामुखी फटने के बाद उससे गैस तथा राख का विशाल गुबार निकलता देखा गया और मलबे के साथ अत्यधिक गर्म लावा पश्चिमी ढलानों से नीचे की ओर बहता दिखा। केंद्रीय नीग्रोस द्वीप पर माउंट कनलाओन ज्वालामुखी में हुए हालिया विस्फोट में तत्काल कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन चेतावनी को एक स्तर और बढ़ा दिया गया है जो और अधिक तीव्र विस्फोट होने की आशंका जताता है। फिलीपीन के मुख्य ज्वालामुखी विज्ञानी टेरेसिटो बैकोलकोल और अन्य अधिकारियों ने टेलीफोन पर बताया कि ज्वालामुखी की राख एंटीक प्रांत सहित ज्वालामुखी के पश्चिम में 200 किलोमीटर से अधिक दूर तक फैले समुद्री क्षेत्र में गिरी। राख के गुबार की वजह से दृश्यता कम हो गई और स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा हो गया।

फिलीपींस में ज्वालामुखी विस्फोट से हाहाकार, 54 हजार लोग प्रभावित

प्रात: किरण/ एजेंसी

मनीला। फिलीपींस के कनलाओन ज्वालामुखी फटने से नेग्रोस द्वीप समूह के हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। वैज्ञानिकों ने कनलाओन ज्वालामुखी के छह किलोमीटर दायरे में रह रहे लगभग 54 हजार लोगों को फौरन अन्यत्र चले जाने को कहा है। सोमवार अपराह्न 3:03 बजे इस ज्वालामुखी के शिखर पर शक्तिशाली विस्फोट होने से यह नौबत आई। पलक झपकते ही राख का गुबार 3,000 मीटर ऊपर उठ गया। यह राख का गुबार पश्चिम और दक्षिण पश्चिम दिशा पर फैल गया। फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के प्रमुख टेरेसिटो बैकोलकोल ने सोमवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि खतरा अभी टला नहीं है। इसमें दोबारा और शक्तिशाली विस्फोट हो सकता है।

फिवोलक्स ने कहा कि ज्वालामुखी के शिखर से छह किलोमीटर के क्षेत्र को फौरन खाली करा लेना चाहिए। यहां के लोगों को तुरंत सुरक्षित निकालना होगा। अगर बरसात होती है तो स्थिति और खराब हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले यह ज्वालामुखी

इसी साल 3 जून को फटा था। तब भी लोगों को सचेत करते हुए एहतियाती कदम उठाने के लिए कहा गया था। फिलस्टार ग्लोबल समाचार पत्र के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि ज्वालामुखी की राख श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म दे सकती है। इससे सबसे ज्यादा परेशानी अस्थमा के मरीजों को होती है। आंखों को भी खतरा हो सकता है। फिलीपींस गणराज्य की समाचार एजेंसी पीएनए के अनुसार सूचना अधिकारी एडना ल्हौ मासिकैम्पो ने बताया कि मंगलवार सुबह आठ बजे तक 146 परिवार के 476 सदस्यों को कैनलान शहर के निकासी केंद्रों में पहुंचाया गया। छह किलोमीटर के स्थायी खतरे वाले क्षेत्र के बरंगे मसुलोग और पुला के लोगों को मैकारियो एस्पनोला मेमोरियल स्कूल और जोस बी. कर्डेनस मेमोरियल हाई स्कूल में रखा गया है। राष्ट्रीय रक्षा विभाग के सचिव गिल्बर्टो टेओडोरो जूनियर ने मंगलवार को छह किलोमीटर दायरे में रहने वालों से क्षेत्र को तुरंत खाली करने का आग्रह किया है। टेओडोरो ने कहा कि इस क्षेत्र में लगभग 54 हजार लोग रहते हैं।

दक्षिण कोरिया में नवविवाहित जोड़ों की संख्या पहली बार 10 लाख से आई नीचे : रिपोर्ट

योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि सांख्यिकी कोरिया के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल नवविवाहित जोड़ों की संख्या 974,000 थी, जो पिछले साल के 1.03 मिलियन से कम थी। यह पहली बार है जब एजेंसी द्वारा 2015 में प्रासंगिक डेटा एकत्र करना शुरू करने के बाद से नवविवाहितों की संख्या एक मिलियन से नीचे आई है।

प्रात: किरण/ एजेंसी

सियोल। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि दक्षिण कोरिया में 2023 में पहली बार नवविवाहित जोड़ों की संख्या पहली बार 1 मिलियन (10 लाख) से नीचे आ गई है। वहीं इनमें से लगभग आधे विवाहित जोड़ों के पास बच्चे नहीं हैं।योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि सांख्यिकी कोरिया के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल नवविवाहित जोड़ों की संख्या 974,000 थी, जो पिछले साल के 1.03 मिलियन से कम थी।

यह पहली बार है जब एजेंसी द्वारा 2015 में प्रासंगिक डेटा एकत्र करना शुरू करने के बाद से नवविवाहितों की संख्या एक मिलियन से नीचे आई है। यह आंकड़ा 2015 में 1.47 मिलियन से घटकर 2018 में 1.32 मिलियन और 2020 में 1.18 मिलियन हो गया। औसतन, यह आंकड़ा सालाना 50,000 से 80,000 जोड़ों तक घटता है।आंकड़ों से पता चलता है कि 2023 में नवविवाहित जोड़ों में से, 47.5 प्रतिशत के पास बच्चे नहीं थे, जो पिछले साल की तुलना

में 1.1 प्रतिशत अंक अधिक है। बता दें कि दक्षिण कोरिया कम जन्म दर और बढ़ती उम्र की आबादी से जूझ रहा है, क्योंकि कई युवा लोग बदलते सामाजिक मानदंडों और जीवन शैली के साथ-साथ उच्च घर की कीमतों, कठिन नौकरी बाजार और आर्थिक मंदी के कारण शादी या बच्चे पैदा करने का निर्णय नहीं लेते। 2023 में देश की कुल प्रजनन दर घटकर 0.72 हो जाएगी, जो 1970 के बाद से सबसे निचला स्तर है। यह 2.1 के रिप्लेसमेंट लेवल से बहुत कम था, जो दक्षिण कोरिया की आबादी को 52 मिलियन पर स्थिर रखेगा। जबकि दक्षिण कोरिया 2030 तक प्रजनन दर को बढ़ाने की योजना बना रहा है, वहीं यह दुनिया की सबसे कम जन्म दर सहित देश की पुरानी जनसांख्यिकीय चुनौतियों को दूर करने के लिए कई उपायों पर भी काम कर रहा है। दक्षिण कोरिया की जनसंख्या नीति पर राष्ट्रपति समिति ने हाल ही में 2030 तक 70 प्रतिशत पिताओं को पैतृक अवकाश लेने की योजना का अनावरण किया, क्योंकि सरकार देश की दबावपूर्ण जनसांख्यिकीय चुनौतियों से निपटने के प्रयासों को तेज कर रही है। एजिंग सोसाइटी एंड पॉपुलेशन पॉलिसी पर राष्ट्रपति समिति के अनुसार, यह आंकड़ा 2022 में दर्ज किए गए केवल 6.8 प्रतिशत से तेज वृद्धि को दर्शाता है।नवीनतम घोषणा अगले साल से शुरू होने वाली पैतृक अवकाश नीति में प्रत्याशित परिवर्तनों के बीच हुई है। वर्तमान में, माता और पिता दोनों एक वर्ष तक की पैतृक छुट्टी ले सकते हैं, जिसे तीन अवधियों में विभाजित किया जा सकता है।हालांकि, फरवरी से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में, यदि दोनों माता-पिता कम से कम तीन महीने की छुट्टी लेते हैं, तो प्रत्येक माता-पिता की कुल छुट्टी अवधि 18 महीने तक बढ़ाई जा सकती है, जिसे चार अवधियों में विभाजित किया जा सकता है। देश का लक्ष्य 2030 तक प्रसव-संबंधी करियर रुकावटों का अनुभव करने वाली महिलाओं के अनुपात को इस साल दर्ज किए गए 22.3 प्रतिशत की तुलना में 10 प्रतिशत तक कम करना है।

कैपिटल हिल हिंसा के 645 समर्थकों की सजा माफ करेंगे डोनाल्ड ट्रंप

एफबीआई और अन्य एजेंसियों ने हमले के बाद किया था कई लोगों को गिरफ्तार

प्रात: किरण/ एजेंसी

वाशिंगटन। राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप अपने समर्थकों को राहत देने वाली बात कही है। 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुए हमले में दोषी पाए गए 645 लोगों की सजा माफ करने का ट्रंप ने वादा किया है। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद यह कदम उठाने की बात ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कही है।

बता दें यह हिंसा 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद हुई थी, जिसमें डेमोक्रेट जो बाइडेन ने ट्रंप को हरा दिया था। ट्रंप ने चुनाव परिणामों को मानने से इनकार कर दिया था और सत्ता हस्तांतरण से बचने के लिए अपने समर्थकों को उकसाया था। इसके चलते हजारों ट्रंप समर्थकों ने वाशिंगटन में अमेरिकी संसद (कैपिटल हिल) पर हमला कर दिया था। इस हमले में तोड़फोड़ और हिंसा हुई थी, जिसमें कई घायल

हुए, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल थे। इस घटना को लोकतंत्र पर बड़ा हमला माना गया था। एफबीआई और अन्य एजेंसियों ने हमले के बाद सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया था और 1250 से ज्यादा आरोपियों पर मुकदमा चलाया था। इनमें से कुछ को 22 साल तक की जेल की सजा दी गई है। इस हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता माने जाने वाले टेरियो को राजद्रोह के आरोप में 22 साल की सजा सुनाई थी। एक अन्य आरोपी को एक साल की सजा दी, जिसने सुनवाई के दौरान कहा कि ट्रंप उन्हें माफ कर देंगे। कुल 645 लोगों को जिनकी सजा 6 जनवरी हिंसा से संबंधित है, ट्रंप रिहा करने का वादा कर चुके हैं। ट्रंप ने कहा कि यह सिस्टम भ्रष्ट है और मेरे समर्थकों की जिंदगियां बर्बाद कर दी गई हैं। राष्ट्रपति बनने के पहले ही दिन मैं इस अन्याय को खत्म करूंगा। ट्रंप के इस वादे से अमेरिका में नई बहस छिड़ गई है। कई लोग इसे न्यायिक प्रक्रिया का अपमान मानते हैं।

आलोचकों का कहना है कि यह कदम अमेरिका में कानून और लोकतंत्र के लिए खतरनाक मिसाल बन सकता है। दूसरी ओर ट्रंप के समर्थकों ने इस वादे का स्वागत किया है और इसे उनके लिए न्याय करार दिया है। कैपिटल हिल हिंसा और ट्रंप की भूमिका अमेरिकी राजनीति का एक महत्वपूर्ण अध्याय बन गई है। 2024 के चुनाव में यह मामला ट्रंप के समर्थकों को एकजुट करने और उनके विरोधियों को आलोचना के लिए आधार प्रदान कर सकता है। इस घटनाक्रम ने साफ कर दिया है कि ट्रंप अपने कट्टर समर्थकों के प्रति निष्ठावान बने रहेंगे, भले ही इसके लिए उन्हें विवाद का सामना करना पड़े।

हम दोस्त को मुश्किल वक्त में अकेला नहीं छोड़ते, यही रुस और अमेरिका में अंतर है: रुस

प्रात: किरण/ एजेंसी

मॉस्को। सीरिया में तख्तापलट के बाद बशर अल-असद देश छोड़कर फरार हो गए। रूस ने बशर अल असद और उनके परिवार को रूस में राजनीतिक शरण दी है। उन्हें मानवीय आधार पर शरण दी गई है। इस पर रूस के राजदूत मिखाइल उल्यानोव ने तंज कसते हुए कहा कि असद और उनका परिवार मॉस्को में है। रूस मुश्किल दोस्तों में अपने दोस्तों को धोखा नहीं देता। यह रूस और अमेरिका के बीच अंतर है।

बता दें कि सीरिया में पिछले 11 दिनों से विद्रोही गुटों और सेना के बीच कब्जे के लिए लड़ाई चल रही थी, विद्रोही लड़ाकों ने रविवार को राजधानी दमिश्क पर भी कब्जा कर लिया, वो सड़कों पर गोलीबारी करके जीत का जश्न मना रहे हैं। सीरियाई विद्रोहियों के राजधानी दमिश्क में घुसने के बाद राष्ट्रपति बशल अल-असद को देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके बाद विद्रोहियों और आम जनता ने प्रेसिडेंशियल हाउस में जमकर लूटपाट की। प्रेसिडेंशियल हाउस से लोगों को फर्नीचर और महंगी चीजों को ले जाते देखा गया। इस दौरान लोगों ने भवन से लुइ वितां सहित कई महंगे आइटम लूट लिए। कई ब्रांडेड कारों को भी लोगों ने लूट लिया। मालूम हो कि सीरिया में 2011 में विद्रोह शुरू हुआ था, जब असद सरकार ने लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों को क्रूरता से कुचल दिया। यह संघर्ष धीरे-धीरे गृहयुद्ध में बदल गया, जिसमें असद सरकार के खिलाफ कई विद्रोही गुट खड़े हुए। आखिरकार, 13 साल के इस संघर्ष ने असद शासन को झुका दिया. विद्रोही गुटों ने दमिश्क पर कब्जा कर न केवल असद सरकार को उखाड़ फेंका, बल्कि सीरियाई जनता को एक नई शुरूआत का मौका दिया है।

इजराइल ने सीरिया के कम से कम 100 सैन्य ठिकानों को ध्वस्त किया

प्रात: किरण/ एजेंसी

दमिश्क। इजराइल ने सीरिया पर आक्रमण कर मुल्क के कम से कम 100 सैन्य ठिकानों को पलक झपकते राख के ढेर में बदल दिया। सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे के बाद अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद सपरिवार देश छोड़कर रूस भाग चुके हैं। अरबी समाचार वेबसाइट +963 के अनुसार, इजराइली सेना ने देश के दक्षिण-पश्चिम में कुनीत्रा ग्रामीण इलाकों में जमीनी घुसपैठ के बाद सोमवार को पूर्व सीरियाई सरकार से संबंधित कई सैन्य स्थलों पर हवाई हमले किए।राजधानी दमिश्क के बरजेह क्षेत्र में रासायनिक हथियारों के उत्पादन से जुड़े एक पूर्व सरकारी स्थल के पास कम से कम दो विस्फोट किए। साथ ही दक्षिणी दमिश्क के सैय्यदा जैनब क्षेत्र के आसपास ईरानी समर्थक गुटों से संबंधित सैन्य गोदामों और मुख्यालयों को भी निशाना बनाया।वेबसाइट ने एक स्थानीय सूत्र के हवाले से कहा कि इजराइली सैन्य विमानों ने मध्य सीरिया के होम्स ग्रामीण इलाके में शायरात सैन्य हवाई अड्डे पर हमला कर बड़े हिस्से को नष्ट कर दिया। इस क्षेत्र में हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाके तैनात हैं। इजराइली सेना ने उन्हें कोई क्षति नहीं पहुंचाई। इजराइल ने उत्तर-पूर्व में हसाकाह ग्रामीण इलाके में कामिश्ली हवाई अड्डे और टारटाब रेजिमेंट को भी निशाना बनाया। इसके बाद यहां कई विस्फोट हुए। देश के पूर्व में दीर एज-जोर में अल-मयादीन रेगिस्तान में ऐन अली श्राइन के पास ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक पूर्व मुख्यालय को हवाई हमला कर जमींदोज कर दिया। यहां तोपखाना स्थापित किया गया था। हमले के बाद टैंक, गोला-बारूद और खदानों में आग लग गई।इसके अलावा इजराइली लड़ाकू विमानों ने मुल्क के पश्चिम में लताकिया के बंदरगाह पर तैनात सैन्य नौकाओं और रास शामरा क्षेत्र के पास अल-बायदा के बंदरगाह में वायु रक्षा ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। इजराइली समाचार पत्र मारीव के अनुसार, सीरियाई बलों के वहां से हटने के बाद इजराइली बलों ने माउंट हर्मन सैन्य स्थल पर नियंत्रण कर लिया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि बफर जोन पर नियंत्रण कर लिया गया है। गौरतलब है कि सोमवार को इजराइल ने सीरिया के कम से कम 100 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार, इजराइल ने विभिन्न क्षेत्रों में सैन्य स्थलों को निशाना बनाया।

घाना के विकास के लिए प्रशासनिक सुधार और कठोर उपाय जरूरी : नव निर्वाचित राष्ट्रपति

प्रात: किरण/ एजेंसी

अकरा। घाना के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने अगले चार वर्षों में ह्यमहत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधार और कभी-कभी कठोर उपाय लागू करने की घोषणा की। उनके मुताबिक ऐसा कर वह देश को ह्यअफ्रीका के ब्लैक स्टार के रूप में फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेंगे।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार देर रात राजधानी अकरा में अपने कैंपेन ऑफिस में हजारों पार्टी समर्थकों को संबोधित करते हुए महामा ने यह बयान दिया। महामा ने घाना के चुनाव आयोग की ओर से उन्हें राष्ट्रपति चुनाव में विजेता घोषित किए जाने के कुछ ही समय बाद समर्थकों को संबोधित किया। महामा ने अपने भाषण में कहा, यह जनादेश एक नई शुरूआत का प्रतीक है और हमारे प्यारे देश के लिए एक नई दिशा की नींव रखता है। घाना किसी एक व्यक्ति या एक परिवार के लिए नहीं है। यह हम सभी के लिए है, और हमें न केवल यहां जन्म लेना और मरना चाहिए, बल्कि हम सभी को यहां संतुष्टि के साथ रहना चाहिए। गौरतलब है कि 7 दिसंबर को घाना के मतदाताओं ने देश के नए राष्ट्रपति और 276 सांसदों को चुनने के लिए मतदान किया था।राष्ट्रपति नाना अकुफो-एडो, घाना के संविधान द्वारा स्वीकृत दो कार्यकाल पूरे करने के बाद अगले महीने अपना पद छोड़ देंगे। महामा 7 जनवरी, 2025 को पद की शपथ लेंगे।

गृहयुद्ध ईरान को असद पर नहीं रहा था भरोसा, गद्दार के रूप में बन गई थी पहचान

गिड़गिड़ाते रहे बशर-अल-असद, ईरान ने नहीं भेजी सेना, रुस ने दी शरण

नई दिल्ली, एजेंसी

दमिश्क। सीरिया में विद्रोहियों ने 24 सालों के राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार को उखाड़ फेंका है और असर को देश छोड़कर भागने पर मजबूर कर दिया। हथियारबंद विद्रोही राजधानी दमिश्क में घुस गए। राष्ट्रपति बशर अल-असद ने परिवार के साथ भागकर मॉस्को में शरण ली है। इसके साथ ही सीरिया में पांच दशक से चले आ रहे असद युग का अंत हो गया। सीरिया में असद सरकार का खात्मा ऐसे समय हुआ जब उन्होंने विद्रोह पर काबू पा लिया है।

सीरिया में असद शासन के अंत की सबसे बड़ी वजह उनके सबसे भरोसेमंद साथी ईरान का उन्हें अकेला छोड़ देना है। विश्लेषकों के मुताबिक बशर अल-असद ने ईरान के शासन का भरोसा खो दिया था। एक रिपोर्ट में अंदरूनी सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ईरानी विदेश मंत्री ने असद से साफ कह दिया था कि तेहरान

अब उनके शासन का समर्थन करने के लिए और सेना नहीं भेजेगा। ईरान के विदेश मंत्री इसी महीने की शुरुआत में दमिश्क का दौरा किया था। उनका दौरा अलेप्पो पर विद्रोहियों के कब्जे के ठीक बाद हुआ था। उस दौरान की अराघची ने असद को साफ कहा था कि ईरान अब उनके लिए सेना भेजने की स्थिति में नहीं है। हालांकि, ईरानी विदेश मंत्री ने असद शासन के इतनी जल्दी पतन पर हैरानी जताई है। ईरान की मसूद पेजेश्कियन की सुधारवादी सरकार के करीबी के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि असद सहयोगी से ज्यादा बोझ बन गए थे, जिसका मतलब है कि उनका समय खत्म हो गया है। उनका बचाव करना अब उचित नहीं था, भले ही ईरान को इससे बड़ा झटका लगा होगा।

उन्होंने कहा कि असद का समर्थन जारी रखना बिल्कुल भी समझदारी नहीं थी। ईरान में असद को गद्दार के रूप में देखा जाने लगा था। ईरान के अंदरूनी सूत्रों ने उनके ऊपर अपने देश में ईरानी लक्ष्यों पर इजराइली हमलों को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया था। अंदरूनी सूत्र के हवासे से बताया गया है कि तेहरान में असद के साथ लंबे समय से निराशा थी। एक साल से ज्यादा समय से साफ हो चुका था कि उनका समय बीत चुका है। कुछ उन्हें धोखेबाज भी कह रहे थे। असद की निष्क्रियता ने ईरान को नुकसान पहुंचाया है।

सीरिया के हालात: असद शिया हैं और बहु संख्यक सुन्नी मुसलमान लंबे समय से तलाश रहे थे मौका

दमिश्क। सीरिया में लंबे समय से जारी गृहयुद्ध और राष्ट्रपति बशर अल-असद की बेदखली के पीछे की कहानियां सामने आने लगीं हैं। यहां माना जा रहा है कि असद शिया समुदाय से थे और सुन्नी यहां बहुसंख्यक हैं। इसलिए सुन्नियों में इस बात की टसन थी कि बहुसंख्यक पर अल्पसंख्यक समुदाय का व्यक्ति कैसे राज कर सकता है।

इसी के चलते मौका मिलते ही असद को बेदखल कर दिया गया। और उन्हे रुस भागना पड़ा। यह धार्मिक विभाजन सीरिया के संघर्ष का मुख्य कारण रहा है। हालांकि, अल-असद परिवार दशकों तक सत्ता पर काबिज रहने में सफल रहा, जिसमें सेना और सुरक्षा एजेंसियों पर उनके कड़े नियंत्रण की बड़ी भूमिका रही। सेना में अल्पसंख्यक अलावित समुदाय का वर्चस्व था, जिसने उन्हें सत्ता में बनाए रखने में मदद की। अल-असद सरकार पर सुन्नी समुदाय के उत्पीड़न और विरोधियों को दबाने के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। गृहयुद्ध के दौरान उनकी सेना ने सुन्नी विद्रोहियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा का सहारा लिया। इस दौरान रूस और ईरान जैसे देशों का समर्थन अल-असद सरकार को लगातार मिलता रहा। ईरान, जिसे शिया इस्लाम का प्रमुख केंद्र माना जाता है, ने भी सीरिया में अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए अल-असद का साथ दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129